Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 08 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 315 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

सभी मनुष्यों के तीन जीवन होते हैं- सार्वजनिक, निजी और गुप्त।

-गेब्रियल गार्सिया मार्खेस

Shraddha Kapoor
Just Made...

SARAFA

सोना	:	7,295
चांदी	:	100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत : धर्मेंद्र प्रधान

JAMSHEDPUR : केंद्रीय शिक्षा मंत्री शनिवार को जमशेदपुर आए थे। यहां उन्होंने एक्सएलआरआई के प्लैटिनम जुबिली समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत तीन साल में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

विस्तृत खबर पेज 04 पर।

प्रधानमंत्री पर जानलेवा हमले की धमकी वाला मिला संदेश

MUMBAI : शनिवार को मुंबई पुलिस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी वाला एक संदेश मिला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जिस नंबर से यह संदेश भेजा गया था, उसका पता राजस्थान के अजमेर में लगाया गया है और संदिग्ध को पकड़ने के लिए तुरंत पुलिस की एक टीम वहां भेजी गई। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर तड़के प्राप्त व्हाट्सएप संदेश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट का जिक्र करते हुए मोदी को निशाना बनाकर बम विस्फोट करने की साजिश की बात कही गई है।

जीएसटी से और वसूली की तैयारी में सरकार : राहुल

NEW DELHI : शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के नए स्लैब लाकर और वसूली की तैयारी कर रही है। उनकी पार्टी इस घोर अन्याय का पुरजोर विरोध करेगी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर कर संग्रह से जुड़ा एक ग्राफिक साझा करते हुए पोस्ट किया, पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट कर के मुकाबले आयकर लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, जरा सोचिए, अभी शादियों का सीजन चल रहा है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर खराब, एक्यूआई 233 दर्ज

NEW DELHI : राष्ट्रीय राजधानी में तीन दिनों की राहत के बाद शनिवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर से 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई। शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम चार बजे 233 दर्ज किया गया। शुक्रवार के यह 197 दर्ज किया गया था जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार, शहर में वायु गुणवत्ता रविवार और सोमवार को खराब श्रेणी में रह सकती है, जबकि मंगलवार को इसके बहुत खराब होने की आशंका है।

क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट 14 जून 2025 से

NEW DELHI : क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट अमेरिका में अगले साल 14 जून से शुरू होगा। इसका पहला मैच लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी और मिस्र के अल अहली क्लब के बीच खेला जाएगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने शनिवार को एक महीने तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का कार्यक्रम जारी किया।

टीबी के खिलाफ और मजबूत हुई लड़ाई

पीएम ने तपेदिक उन्मूलन के लिए 100 दिवसीय अभियान पर दिया जोर

33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में लागू की जानी है योजना

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में तपेदिक यानी ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) उन्मूलन के लिए आज से 100 दिवसीय विशेष अभियान शुरू हो रहा है। अभियान का फोकस टीबी मरीजों की अधिकता वाले जिलों पर होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, टीबी के खिलाफ हमारी लड़ाई और मजबूत हो गई है। टीबी को हराने की सामूहिक भावना से प्रेरित होकर 100 दिनों का यह विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसका फोकस टीबी के उच्च बोझ वाले जिलों पर है। भारत टीबी से बहुआयामी तरीके से लड़ रहा है: (1) रोगियों को दोगुना समर्थन, (2) जन भागीदारी, (3) नई दवाएं, (4) तकनीक और बेहतर निदान उपकरणों का उपयोग। आइए, हम सब मिलकर टीबी को खत्म करने में अपना योगदान दें।

पोषण सहायता पर विशेष ध्यान

अभियान में उन्नत निदान तक पहुंच बढ़ाना, कमजोर समूहों के बीच लक्षित जांच, उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए विशेष देखभाल और विस्तारित पोषण सहायता के प्रावधान पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह पहल देश भर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के विशाल नेटवर्क का लाभ उठाएगी, जिन्होंने टीबी सेवाओं को अंतिम छोर तक सुलभ कराया है।

प्रमुख संकेतकों के प्रदर्शन में सुधार जरूरी

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के टीबी मुक्त भारत के विजन को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर शनिवार से 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान शुरू किया है। देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में लागू की जाने वाली इस पहल को टीबी के मामलों का पता लगाने, निदान में देरी को कम करने और विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों में उपचार के परिणामों में सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस 100 दिवसीय अभियान में टीबी मामलों की दर, निदान कवरेज और मृत्यु दर जैसे प्रमुख संकेतकों के प्रदर्शन में सुधार की परिकल्पना की गई है।

जेएमएम से जुड़े लोकपाल केस में अब 16 अप्रैल 2025 को होगी अगली सुनवाई

RANCHI : दिल्ली हाईकोर्ट में लोकपाल के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर अब 16 अप्रैल 2025 को सुनवाई होगी। झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में लोकपाल ने सीबीआई को जांच का आदेश दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने लोकपाल के इस आदेश के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख करते हुए याचिका दाखिल की है। पिछली सुनवाइयों में अदालत ने जांच एजेंसी को प्रार्थी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया था। इस आदेश को फिलहाल बरकरार रखा गया है। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव नरूला की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। 4 दिसंबर को हुई सुनवाई में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि इस मामले में प्रार्थी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश अगली सुनवाई तक जारी रहेगा।

बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु- मुझे ओडिशा की बेटी होने पर है गर्व

PHOTON NEWS RAIRANGPUR : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपनी ओडिशा यात्रा के अंतिम दिन शनिवार को मयूरभंज जिला स्थित रायरंगपुर में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं में तीन नई रेल लाइनों, जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र, डांडबुस हवाई अड्डा और रायरंगपुर उप मंडलीय अस्पताल के नए भवन शामिल हैं। इन परियोजनाओं से क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा मिलेगी। इस दौरान राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें इस भूमि (ओडिशा) की बेटी होने पर हमेशा गर्व रहा है। अपने व्यस्ततम कार्यक्रमों के बावजूद ओडिशा और यहां के लोगों के प्रति उनका प्यार हमेशा रहा है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि मेरे विचारों और कार्यों में बसती है और यहां के लोगों का पवित्र प्रेम हमेशा मेरे दिल में गूंजता रहता है।

- ओडिशा को मिली तीन नई रेल परियोजनाओं की सौगात
- कटक स्टेशन में उपलब्ध कराई जाएंगी सभी आधुनिक सुविधाएं
- मेरे विचारों और कार्यों में बसती है मातृभूमि दिल में गूंजता है यहां के लोगों का पवित्र प्रेम
- कार्यक्रम में उपस्थित थे सीएम मोहन चरण माझी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम

राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेगा कटक रेलवे स्टेशन

राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि रायरंगपुर में शुरू हो रहीं नई रेल लाइनों और डांडबुस हवाई अड्डा से परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को गति मिलेगी। इन परियोजनाओं के चलते स्थानीय लोगों के लिए न केवल यात्रा के आसान साधन उपलब्ध होंगे, बल्कि यह क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से भी बेहतर तरीके से जुड़ सकेगा। कटक रेलवे स्टेशन देश का पहला ऐसा स्टेशन बनने जा रहा है, जो सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग-16 से जुड़ेगा। स्टेशन के शिखरपुर साइड पर 15 करोड़ रुपये की लागत से बने वातानुकूलित तीसरे गेट का उद्घाटन शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। यह गेट यात्रियों को शहर में अनावश्यक प्रवेश किए बिना सीधे हाईवे से स्टेशन तक पहुंचने की सुविधा देगा। यह परियोजना 2021 में शुरू की गई थी। रेलवे के अनुसार, यह स्टेशन एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है, जो देश में अपनी तरह का पहला है। राष्ट्रपति ने वर्चुअल माध्यम से रायरंगपुर में जनजातीय अनुसंधान केंद्र, डांडबुस हवाई अड्डे के उन्नयन, और उपमंडल स्तरीय अस्पताल के नए भवन का शिलान्यास भी किया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम भी उपस्थित थे।

पीएमएलए कोर्ट के विशेष जज ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद दी बेल

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल को 28 माह बाद मिली जमानत

भारत नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के एक प्रावधान के तहत मिली राहत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को आखिरकार 28 महीने के बाद जमानत मिल गई। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) कोर्ट ने शनिवार को उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। स्पेशल जज पीके शर्मा की अदालत ने उन्हें जमानत दी। बता दें कि पूजा सिंघल की याचिका पर शुक्रवार को भी पीएमएलए के स्पेशल जज पीके शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने कहा था कि सुनवाई शनिवार को भी जारी रहेगी। शनिवार को कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पूजा सिंघल को जमानत देने का फैसला किया। सिंघल को भारत नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (बीएनएसएस 2023) के एक प्रावधान के तहत जमानत मिली है। इस कानून में प्रावधान है कि अगर कोई आरोपी लंबे समय से जेल में बंद है और उसने उस मामले में दी जाने वाली कुल सजा की एक तिहाई अवधि जेल में बिता ली है, तो उसे जमानत दी जा सकती है। इसी आधार पर पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट के जज ने पूजा सिंघल को जमानत दी है।

11 मई 2022 को हुई थी गिरफ्तारी

उल्लेखनीय है कि ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये कैश बरामद हुए थे। इसके बाद ईडी ने पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। दोनों से हुई पूछताछ में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी।

टेंडर कमीशन में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम सहित 12 आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित

शनिवार को टेंडर कमीशन घोटाला मामले में जेल में बंद झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम सहित 12 आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित कर दिया गया है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने आरोप गठित किया। इससे अब आरोपियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सुनवाई के दौरान मामले के आरोपियों पर लगे आरोपों के बारे में कोर्ट ने पूछा,तो आरोपितों ने कहा कि मामले में खुद को निर्दोष बताया। इसके बाद अदालत ने आरोप गठित कर दिया। मामले में अब ईडी की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत किया जाएगा। आरोप गठन के दौरान ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार काका कोर्ट में मौजूद थे।

अब कोर्ट के समक्ष ईडी की ओर से प्रस्तुत किए जाएंगे साक्ष्य

- कोर्ट में सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों ने इस मामले में खुद को बताया निर्दोष
- 21 फरवरी 2023 को इस मामले में ईडी ने कई ठिकानों पर की थी छापेमारी

इनके खिलाफ आरोप का गठन

इस मामले में आलमगीर आलम, वीरेंद्र राम, उसकी पत्नी राज कुमारी, भाई आलोक रंजन, पूर्व मंत्री के आप्त सचिव संजीव लाल, उसका नौकर जहांगीर आलम, मुकेश मित्तल, ताराचांद, नीरज मित्तल, राम प्रकाश भाटिया सहित 12 पर आरोप गठित किया गया।

एक अन्य केस में वारंटी भी है आरोपी

संजय सेठ से रंगदारी मांगने के मामले में एक हिरासत में

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ से 50 लाख की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस की टीम शनिवार को रांची पहुंची है। रांची पहुंचने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम कांके थाना क्षेत्र स्थित होचर गई। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ चल रही है। आरोपी एक अन्य केस में वारंटी भी है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और डीसीपी ने संजय सेठ से दिल्ली में शुक्रवार को इस मामले में जानकारी ली थी।

- 50 लाख रुपये की मांगी गई थी रंगदारी, जांच करने रांची पहुंची दिल्ली पुलिस
- दिल्ली पुलिस को भरोसा, जल्द ही इस कांड का किया जाएगा खुलासा

पूजास्थल कानून पर बनी नई बेंच, 12 को होगी सुनवाई

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट में पूजास्थल कानून (प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट- 1991) की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच बनाई गई है। इसमें सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन हैं। यह बेंच 12 दिसंबर को दोपहर 3.30 बजे सुनवाई करेगी। पहले 5 दिसंबर को ही यह सुनवाई होनी थी। उस दिन सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच सुनवाई से पहले ही उठ गई थी। याचिका दायर करने वालों में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर, भाजपा नेता और एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय समेत कई अन्य शामिल हैं।

कल से शुरू हो रहा विशेष सत्र, संसद में नजर आएंगे 19 नए चेहरे

इस बार बदला-बदला सा दिखेगा विस का नजारा

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सोरेन और मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के बाद अब विधानसभा का विशेष सत्र कल यानी नौ दिसंबर से शुरू हो रहा है। इस बाद सदन का नजारा कुछ बदला-बदला सा दिखेगा। कई दिग्गज इस बार सदन में नहीं दिखेंगे। विपक्ष इस बार भी सीजीएल और घुसपैठ का मुद्दा सदन में जोर-शोर से उठाएगा। 12 महिला सदस्य सदन नें जनता की बात रखती नजर आएंगी। विशेष सत्र के पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी शपथ दिलाएंगे। 10 दिसंबर को स्पीकर का चयन किया जाएगा। 11 दिसंबर को दिन के 11-30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा। 12 दिसंबर राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे प्रोटेम स्पीकर

11 दिसंबर को दिन के 11.30 बजे राज्यपाल का होगा अभिभाषण

- सीजीएल और घुसपैठ के मुद्दे को उठाएगा विपक्ष
- 10 दिसंबर को होगा स्पीकर का चुनाव

सदन में गूंजेगी 12 महिला विधायकों की आवाज

इस बार के चुनाव में 12 विधायकों को प्रतिनिधित्व का मौका मिला है। इनमें कल्पना सोरेन, लुईस मरांडी, सविता महतो, निशात आलम, दीपिका पांडेय सिंह, ममता देवी, श्वेता सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्णिमा साहू, रागिनी सिंह, मंजू कुमारी, और नीरा यादव शामिल हैं। विधानसभा में 19 नए चेहरे अपने विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे।

ग्रैंड सक्सेस अब कम लागत में आसानी से हो सकेगी डायरिया-हैजा की पहचान

पांच साल तक के बच्चों में एंटरिक वायरस का खतरा ज्यादा

₹200 में सिर्फ दो से तीन घंटे में पूरी हो जाएगी बीमारियों की जांच प्रक्रिया

दुनिया में बच्चों की मौत के मामले में डायरिया बनी तीसरी मुख्य बीमारी

AGENCY NEW DELHI : बदलते मौसम के साथ वायरल इंफेक्शन के खतरे बढ़ जाते हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों के अनुसार, एंटरिक वायरस का संक्रमण और इसका प्रसार का खतरा पांच साल तक के बच्चों में अधिक देखने को मिलता है। इसकी गंभीर स्थिति के कारण बच्चों की जान जाने की नौबत आ जाती है। ये वे वायरस हैं, जो मुख्य रूप से मल-मौखिक मार्ग से फैलते हैं। ये व्यक्ति-से-व्यक्ति संपर्क या दूषित भोजन व पानी के सेवन से संक्रमण पैदा करते हैं। रोटा वायरस, नोरोवायरस और एडेनो वायरस इसी श्रेणी में आते हैं, जिनकी चपेट में हर साल पांच वर्ष तक के हजारों बच्चे आते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारत में एंटरिक वायरस के खिलाफ वैज्ञानिकों ने पहली बार स्वदेशी जांच तकनीक विकसित की है। इसके जरिये पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों में अब महज दो से ढाई घंटे में विभिन्न तरह के डायरिया, हैजा जैसे एंटरिक वायरस और उनके संक्रमण का पता चल सकेगा। यह महज 200 रुपये की कीमत में उपलब्ध हो सकती है।

एक प्राइवेट कंपनी को सौंपी गई है जांच किट बनाने की जिम्मेदारी

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने डेवलप की स्वदेशी जांच तकनीक	दूषित भोजन और पानी के सेवन से संक्रमण पैदा करते हैं ये विषाणु	हर साल विभिन्न कारणों से इनकी चपेट में आते हैं देश के हजारों बच्चे	2017 से 2019 के बीच 48 फीसद जांच के नमूने पाए गए संक्रमित

गैस्ट्रोएंटेराइटिस प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका

जानकारी के अनुसार, दो ट्यूब वाली इस तकनीक से जांच किट बनाने की जिम्मेदारी एक निजी कंपनी को सौंपी गई है। कंपनी आगामी दिनों में सरकारी अस्पतालों में भी इसे उपलब्ध कराएगी। नई दिल्ली स्थित भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिकों ने एंटरिक वायरस को लेकर आरटी पीसीआर जांच तकनीक विकसित की है। आईसीएमआर के कोलकाता स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन बैक्टीरियल इंफेक्शन के शोधकर्ताओं का कहना है कि यह तकनीक आगामी दिनों में भारत के बच्चों में वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस मैनेजमेंट में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भारत में जोखिम ज्यादा

आईसीएमआर की वैज्ञानिक डॉ. ममता ने बताया कि 2017 से 2019 और 2021 से 2024 के बीच एंटरिक वायरस के प्रसार की एक्सटेंशन स्टडी की गई है। बच्चों में जब एंटरिक वायरस की पहचान की गई तो 2017 से 2019 के बीच 48 फीसद नमूने संक्रमित पाए गए। 2021 से 2024 के बीच 44 .49 फीसद नमूने संक्रमित मिले। इससे पता चला कि भारत में पांच वर्ष तक के बच्चों में जोखिम ज्यादा है। वर्तमान में बच्चों में एंटरिक वायरस का पता लगाने के लिए 1000 से 15000 रुपये का खर्च आता है।

सीरिया में विद्रोही गुट ने तीसरे शहर दारा पर भी किया कब्जा

NEW DELHI : सीरिया में विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम और उसके सहयोगियों ने तीसरे शहर दारा पर भी कब्जा कर लिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक विद्रोही गुटों ने यहां मौजूद सेना के साथ समझौता कर लिया है। 2011 में दारा शहर से ही असद सरकार के खिलाफ क्रांति की शुरूआत हुई थी। सेना ने खुद विद्रोहियों को दमिश्क तक जाने का सुरक्षित रास्ता दे दिया। दारा शहर सीरिया के दक्षिणी इलाके में है और जॉर्डन से सटा हुआ है। इस पर कब्जा होने के बाद राजधानी दमिश्क दोनों तरफ से घिर गई है। सीरिया में 27 नवंबर को सेना और विद्रोही गुटों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद 1 दिसंबर को विद्रोहियों ने उत्तरी शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसके 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा पर भी कब्जा कर लिया था। इसे लेकर ईरानी संसद के सदस्य अहमद नादेरी ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताई है।

सपा व शिवसेना-यूबीटी ने खुले दिल से किया समर्थन

'इंडिया' को मैंने बनाया, मौका मिला तो लीड करूंगी : ममता

PHOTON NEWS RANCHI : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरियाणा-महाराष्ट्र और उपचुनावों में 'इंडिया' ब्लॉक के खराब प्रदर्शन को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, मैंने 'इंडिया' गठबंधन बनाया। इसका नेतृत्व करने वाले इसे ठीक से नहीं चला सकते, तो मुझे मौका दें। मैं बंगाल से ही गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हूं। ममता बनर्जी के बयान का शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत और समाजवादी पार्टी (सपा) ने समर्थन किया है। राउत ने शनिवार को कहा, 'हम भी चाहते हैं कि वे विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की प्रमुख भागीदार बनें। चाहे वह ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिवसेना, हम सभी एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे।' वहीं, सपा नेता उदयवीर सिंह ने भी ममता बनर्जी के बयान का समर्थन किया।

- भाजपा ने कहा- विपक्ष के नेताओं को राहुल गांधी पर भरोसा नहीं

कला-साहित्य

प्रियंका कुमारी
मानगो
जमशेदपुर।

सुहानी भोर

प्रीत रंग में मैं रंगी,
रंग चढ़ा अथाह।
साँवरे को खोज हुई
रघुकुल में ब्याह।।

नस नस से उतरता रहा,
प्रेम विभा का रुप।
छुपती घायल रुपसी
प्रेम विभावरी कूप।।

नीति पूर्ण जीवन लिए,
है बहुत अनमोल।
बिखेरती प्रेम सुगंध,
कौन सके है तोल।।

स्त्री,नारी कोमलांगी
लिए है देवी रुप।
पाहन में पूजी जाती ,
शक्ति का स्वरूप।।

नैनों में ज्योति जला,
फैला रही प्रकाश,
स्वर्ग बनाती है गृह को
है खिला खिला आकाश।।

सुध बुध खो जाता है,
मानवता का मूल।
रंग जाता है इस रंग में,
खिलता हिया में फूल।।

खींच लेता बंधन प्रेम का,
टूटता नहीं यह डोर।
तोड़ो या मोड़ों इसको,
होती सुहानी भोर।।

हिमालय की शांत व सुकून भरी जगह : मायावती

घुमक्कड़ की पाती

जैसा कि हम सब जानते हैं पवित्र भारत भूमि के उत्तर में प्रकृति की आकूत सम्पदा से भरपूर और हिमालय की गोद में में बसा हुआ राज्य है उत्तराखण्ड, पुराणों में इस भूमि को देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। यहां की कल-कल करती नदियां, दुधिया और साफ झरने, पक्षियों की मधुर कलरव करती ध्वनि, ऊंचे बर्फ से ढके हुए पर्वत, मखमली घास से भरे हुए बुग्याल, मानो प्रकृति ने खुद श्रृंगार कर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बिछा रखी हो, इस देव भूमि में बसे हुए चारों धाम, यहां की कन्दरायें और यहां के जंगल तथा इस देवभूमि की शांति खुद देवताओं को भी यहां बसने को मजबूर करती है। यहां के विश्व प्रसिद्ध चारों धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री) हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर खीच कर शांति का अनुभव कराते हैं।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

दिल्ली के हलचल भरे जीवन से दूर एक आध्यात्मिक और ऐतिहासिक यात्रा पर निकलने का विचार हमेशा से मेरे दिल में था। स्वामी विवेकानंद के बारे में पढ़ते हुए मैंने जाना कि उन्होंने उत्तराखंड के मायावती में अपना आखिरी प्रवचन दिया था। यह जानने के बाद मेरी जिज्ञासा बढ़ गई और मैंने ठान लिया कि इस पवित्र स्थल तक पहुँचकर उनके अंतिम उपदेश की ऊर्जा को महसूस करूंगा। इस यात्रा का आरंभ दिल्ली से हुआ और इसका हर क्षण एक नई प्रेरणा से भरा हुआ था। दिल्ली से मायावती की दूरी लगभग 400 किलोमीटर है और यह सफर सड़क और पहाड़ों के माध्यम से किया जा सकता है। मैंने सुबह-सुबह अपनी यात्रा शुरू की। मेरी यात्रा का पहला पड़ाव था काठगोदाम, जो उत्तराखंड का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। दिल्ली से काठगोदाम तक ट्रेन से यात्रा करते हुए मैंने महसूस किया कि पहाड़ों की ओर बढ़ते ही हवा में ताजगी और मन में शांति का अनुभव बढ़ता जा रहा था। ट्रेन से उतरते ही मैंने एक जीप बुक की, क्योंकि काठगोदाम से मायावती तक का सफर पहाड़ी रास्तों से होकर गुजरता है। यह रास्ता न केवल चुनौतीपूर्ण था, बल्कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण मंत्रमुग्ध कर देने वाला भी था, जिसे पूरा करना मेरे लिए रोमांच से भरा हुआ था।

काठगोदाम से मायावती तक का सफर लगभग 100 किलोमीटर का है। लेकिन, इस यात्रा में समय ज्यादा लगता है, क्योंकि रास्ते घुमावदार और ऊंचाई वाले हैं। रास्ते में अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ जैसे खूबसूरत स्थान पड़ते हैं। जीप की खिड़की से झांकते हुए मैंने दूर तक फैले हुए हरे-भरे जंगल, ऊँचे-ऊँचे देवदार के पेड़ और शांत बहती नदियों को देखा। यह दृश्य किसी भी यात्री को मंत्रमुग्ध कर देने के लिए पर्याप्त था। रास्ते में छोटे-छोटे गाँव आते हैं, जहाँ के लोग सरल और जीवन से भरपूर लगते हैं। मैंने रास्ते में एक चाय की दुकान पर रुककर वहाँ के स्थानीय लोगों से मायावती के बारे में बात की। एक बुजुर्ग ने मुस्कुराते हुए कहा- मायावती सिर्फ एक जगह नहीं है, यह आत्मा की शांति का प्रतीक है। स्वामी विवेकानंद ने यहाँ अपने जीवन का अंतिम प्रवचन दिया और उनकी ऊर्जा आज भी महसूस की जा सकती है। चम्पावत पहुँचने के बाद मुझे अहसास हुआ कि इस जगह पर मैं पहले भी आ चुका हूँ और पुरानी यात्रा की कई स्मृतियाँ मन में उभर आयीं। खासकर इस जगह पर मौजूद गोलू देवता का घंटियों वाला मंदिर। मुझे यह सब कुछ याद करके अच्छा लग रहा था। मुझे यह भी पता था कि आगे एक लोहाघाट नाम का कस्बा आएगा। फिर उसके आगे एक बहुत ही रहस्यमयी जगह मिलेगी। इस जगह को एबट माउंट के नाम से जाना जाता है। यह जगह एक सनकी डॉक्टर की कहानी की वजह से कुछ ज्यादा ही प्रचलित है और देश की सबसे डरावनी जगहों में आती है।

खैर, मायावती का रास्ता इस जगह पर जाने से पहले ही कट जाता है। कई घंटों की यात्रा के बाद मैं मायावती स्थित अद्वैत आश्रम पहुँचा। यह आश्रम हिमालय की गोद में बसा हुआ है और यहाँ से बर्फ से ढके हिमालय की चोटियों का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है। आश्रम पहुँचते ही एक गहरी शांति का अनुभव हुआ। वहाँ के वातावरण में एक आध्यात्मिक ऊर्जा थी, जो मन और आत्मा को सुकून देती थी।

मायावती अद्वैत आश्रम को 1899 में स्वामी विवेकानंद के विचारों को बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया था। यहाँ न तो मूर्तियों की पूजा होती है और न ही कोई परंपरागत धार्मिक क्रियाएँ। यह आश्रम केवल अद्वैत वेदांत की शिक्षाओं पर केंद्रित है, जो स्वामी विवेकानंद के जीवन और उपदेशों का सार है।

मेरे लिए आश्रम के भीतर वह स्थान देखने का अनुभव अनमोल था, जहाँ स्वामी विवेकानंद ने अपना आखिरी प्रवचन दिया था। एक साधु ने मुझे बताया कि यह प्रवचन उनके जीवन की गहराई और आध्यात्मिकता का चरम था। उन्होंने अद्वैत वेदांत की व्याख्या की थी और यह बताया था कि आत्मा और ब्रह्मांड एक हैं।

जब मैं उस स्थान पर पहुँचा, तो वहाँ का वातावरण बिलकुल शांत था। ऐसा लगा जैसे उस जगह पर समय थम गया हो। मैं वहाँ कुछ देर बैठा और स्वामी विवेकानंद के विचारों को महसूस करने की कोशिश की। उनके अंतिम प्रवचन की ऊर्जा और उनके शब्दों का प्रभाव, वहाँ आज भी महसूस किया जा सकता है।

मायावती का प्राकृतिक सौंदर्य अपने आप में मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। यहाँ के ऊँचे-ऊँचे पहाड़, घने जंगल और बहती हुई छोटी-छोटी नदियाँ आत्मा को एक नई ऊर्जा से भर देती हैं। मैं वहाँ के जंगलों में थोड़ा घूमने भी गया। आश्रम के साधुओं ने मुझे बताया कि स्वामी विवेकानंद खुद भी इस जगह के प्राकृतिक सौंदर्य से बहुत प्रभावित थे और उन्होंने इसे अपने विचारों की साधना के लिए चुना था।

मायावती में बिताया गया, हर पल मेरे लिए एक नई सीख लेकर आया। वहाँ का वातावरण, लोगों की सादगी और स्वामी विवेकानंद के विचारों का प्रभाव मेरे मन में गहरी छाप छोड़ गया।

आश्रम से लौटते समय मैं सोच रहा था कि स्वामी विवेकानंद ने अपने आखिरी प्रवचन के लिए इस जगह को क्यों चुना होगा। शायद इसलिए, क्योंकि मायावती जैसी जगहें आत्मा को शांत और विचारों को स्पष्ट करती हैं। यह यात्रा मेरे लिए सिर्फ एक सफर नहीं थी, बल्कि अपने भीतर झाँकने और जीवन के मूल्यों को समझने का एक अवसर थी।

दिल्ली से मायावती तक की यह यात्रा न केवल भौगोलिक दूरी तय करने की थी, बल्कि यह आत्मा की गहराइयों तक पहुँचने का भी अनुभव था। स्वामी विवेकानंद के आखिरी प्रवचन का स्थान, वहाँ की शांति और अद्वैत वेदांत के विचार मुझे हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। मायावती की यात्रा ने मुझे यह सिखाया कि सच्ची शांति बाहरी दुनिया में नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। यह एक भौतिक यात्रा के साथ मेरे मन के भीतर की भी यात्रा थी।

■ साक्षात्कार

मनुष्य जीवन का सार : 'अभिनय, अभिनेता और अध्यात्म'

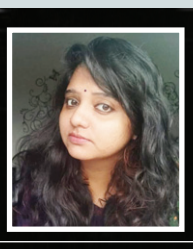

नेहा वर्मा
जमशेदपुर

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

चंद्रकांता धारावाहिक के 'क्रूर सिंह' अखिलेन्द्र मिश्र ने अपनी पुस्तक की थीम पर कहीं कई बातें

एक एक्टर और नाटककार के तौर पर हर आर्टिस्ट की ख्वाहिश होती है, कि वो अपने अनुभवों को संजोकर रखे और आने वाली पीढ़ी के साथ उसे साझा करे। कइयों ने इसी क्रम में किताबें लिखीं, किसी ने अपनी जीवनी के रूप में इसे प्रकाशित किया, तो किसी ने किस्सागोई के रूप में लोगों के समक्ष पेश किया है। इसी श्रृंखला में अखिलेन्द्र मिश्र ने भी अपने एक्सीपियंस को संजोकर एक किताब लिखी है, 'अभिनय, अभिनेता और अध्यात्म'। जमशेदपुर में पिछले दिनों हुई मुलाकात में अखिलेन्द्र मिश्र ने न केवल अपनी किताब 'अभिनय, अभिनेता और अध्यात्म' पर चंद बातें कहीं, बल्कि उन्होंने अध्यात्म का महत्व भी समझाया और यह भी बताया कि अभिनेता के लिए ये क्यों जरूरी है।

कैसे आया किताब लिखने का आइडिया

लिखने की प्लानिंग पर अखिलेन्द्र कहते हैं- मैं अपनी पहली किताब से पहले ही इसकी प्लानिंग कर रहा था। कह लें, यह बीज मेरे जेहन में आज से एक दशक पहले ही बोई जा चुकी थी। कितनी बार ड्राफ्ट किया। इसी बीच कोरोना आया और मैंने कविता संग्रह अखिलामृतम् लिख डाली। जब वो चल पड़ी, तो मैंने लिखे पुराने ड्राफ्ट निकाले। पढ़ने पर अहसास हुआ कि अनुभव में और भी परिपक्वता आ गई है। इसे दोबारा शुरू करना होगा। फिर मैंने इसे लिखा। जब मैं एक्टिंग सीख रहा था, तो उस वक्त मुझ जैसे हिंदी मीडियम स्टूडेंट के लिए एक्टिंग सीखने की कोई हिंदी किताब नहीं थी। जो भी किताबें हम रेफरेंस के लिए लेते थे, वो अमूमन वेस्ट से ही प्रभावित रही हैं। बस तभी सोचा था कि हम जैसे हिंदी भाषियों के लिए एक्टिंग की किताब कौन लिखेगा। यह बात तभी से मेरे अंदर कहीं घर कर गई थी।

अपने एहसास को पन्ने पर संजोया

अखिलेन्द्र मिश्र, एक ऐसा नाम जिसने अपने हर किरदार को शिद्दत से जिया है। छपरा, बिहार के एक छोटे से गांव से निकले इस कलाकार ने मनोरंजन की दुनिया में अपनी अनोखी पहचान बनाई। 90 के दशक में जब टीवी सीरियल चंद्रकांता आया, तो 'क्रूर सिंह' के रोल ने अखिलेन्द्र को घर-घर में मशहूर कर दिया। इसके बाद फिल्म सरफरोश में 'मिर्ची सेठ' हो या लगान में 'अर्जन', उन्होंने हर रोल को ऐसे निभाया कि मानो वो उनके लिए ही लिखा गया हो। 2008 में आए सीरियल 'रामायण' में अखिलेन्द्र मिश्रा ने 'रावण' का किरदार निभाकर खूब वाहवाही लूटी थी। लेकिन,

अभिनय की इस लंबी यात्रा के दौरान,

अखिलेन्द्र मिश्र ने एक ऐसा अहसास किया और उस पर पुस्तक लिखी, जो हर व्यक्ति व अभिनेता के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

प्रत्येक मनुष्य आध्यात्मिक है

अध्यात्म का हमारी जिंदगी से क्या रिश्ता है, और इसे कैसे पहचान सकते हैं, इस पर अखिलेन्द्र मिश्र ने अपनी बात कुछ ऐसे शुरू की। ब्रह्मांड का जन्म ही आध्यात्मिक है। चाहे हम हों, आप हों, ये माइक हो, कुर्सी, टेबल, फूल, ऑडिटोरियम हो, सभी कुछ सूक्ष्म से बना है। और पूरी प्रक्रिया आध्यात्मिक है। मनुष्य का जन्म भी आध्यात्मिक है।

मनुष्य, शिशु रूप में जब मां के गर्भ में होता है, तब नाभि से सांस ले रहा होता है और जैसे धरती पे आता है, दाई गर्भनाल काटती है, फिर शिशु की सांस नाक से चलनी शुरू हो जाती है। ये पूरा प्रोसेस आध्यात्मिक है। अपने अंदर की जो आतंरिक व्यवस्था है, इसे जानना, स्वः को जानना, अपने आप को जानना ही अध्यात्म है। प्रत्येक मनुष्य आध्यात्मिक है।

उन्होंने अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए अभिनेता की जिंदगी में अध्यात्म कैसे मौजूद है, इसपर प्रकाश डालते हुए वे कहते हैं- चूंकि मैं अभिनेता हूं, इसलिए अभिनेता के लिए ये पुस्तक लिखी है। इस सृष्टि रूपी मंच पर प्रत्येक मनुष्य अभिनेता है, अपने-अपने किरदार अदा कर रहा है। प्रत्येक मनुष्य इस सृष्टि रूपी मंच पर अपना किरदार निभाता है और फिर अपने किरदार को पूरा कर निकल जाता है। अभिनय, अभिनेता और अध्यात्म, पूरी सृष्टि का जो मूल है, वो अध्यात्म ही है।

पूर्ण शरीर कुछ नहीं करता, सूक्ष्म शरीर सब करता है

अखिलेन्द्र आगे कहते हैं, मनुष्य जीवन में एक चरित्र निभा रहा है। लेकिन अगर वो अभिनेता है इस जीवन में, और उसे दूसरा एक किरदार मिला है, तो उस आवरण को जो ओढ़ता है, वह केवल इस शरीर के ऊपर से नहीं ओढ़ता, क्योंकि अभिनेता की जो तैयारी है, वो सिर्फ इस शरीर का नहीं होता। आपके अपने निजी जीवन में भी, तैयारी सूक्ष्म शरीर का है। पूर्ण शरीर, सूक्ष्म शरीर, और सूक्ष्मतम शरीर। ये शरीर तो उपकरण है, शरीर कुछ नहीं है। शरीर कुछ नहीं करता, करने वाला हमारे अंदर है, वो सूक्ष्म शरीर है। ये इस शरीर को चला रहा है। करण भीतर है, ये उपकरण है, ये पांच ज्ञानेन्द्रियां और पांच कर्मेन्द्रियां।

ये शरीर जो है हमारा, ये पूरा का पूरा ब्रह्मांड है, और ब्रह्मांड की जितनी शक्तियां हैं वो हमारे भीतर हैं। जब आप उस मार्ग में प्रशस्त होंगे, तो धीरे-धीरे वो शक्तियां जागृत होने लगेंगी। ये है साधना। ये पूरी की पूरी आध्यात्मिक प्रक्रिया है।

अखिलेन्द्र मिश्र को कब हुआ अध्यात्म का आभास

वे कहते हैं- मैं एक्टिंग करता गया, करता गया और एक दिन पता चला कि मैं भी एक्ट कर रहा हूं और मुझे लगा कि मैं वहीं हूं। शो चल रहा है, दर्शक बैठे हुए हैं और अचानक, पता नहीं कहां से क्या पावर आया और मैं बिलकुल फ्लो में बह गया। मैंने इप्टा (इंडियन पीपुल्स थियेटर) के सचिव एमएस सथ्यू साहब, जिनके साथ मैंने मैक्सिमम थिएटर किया, उन्हें प्रणाम करता हूं, वे कभी बोलते नहीं कि तुम्हारा परफॉरमेंस बहुत कमाल का हुआ। लेकिन उस दिन उन्होंने मुझसे पूछा- क्या हुआ तुम्हें? आउटस्टैंडिंग काम किया तुमने। उस दिन मुझे लगा कि मुझे भारत रत्न मिल गया। उसके बाद जब दूसरे शो के लिए रिहर्सल कर रहा था जिसका नाम है 'द्रोणाचार्य', वो शो आज भी होता है और मैं 35 सालों से उस शो में एक्ट कर रहा हूं। मैं उस नाटक से इसलिए जुड़ा हुआ हूं, क्योंकि उस नाटक में मैंने बैकस्टेज से काम शुरू किया ऑनस्टेज तक अपनी जर्नी। वो नाटक मुझे मेरी जड़ें याद दिलाता है, कि मैं कहां से शुरू हुआ था, कहां तक पहुंचा, वो नेपथ्य, वो बैकस्टेज वर्क।

दिलीप कुमार और आमिर खान ने भी अध्यात्म को स्वीकारा

अखिलेन्द्र मिश्र ने अभिनेता के जीवन में अध्यात्म की महत्ता को फिल्म इंडस्ट्री के लेजेंड्स के उदाहरण के साथ कुछ ऐसे समझाया। एक्टर ने कहा- स्वर्गीय दिलीप कुमार जी कहा करते थे- मैं पहले फिल्में करने के लिए अभिनय करता था, लेकिन बाद में फिल्म करते-करते मुझे पता चला कि मैं तो ये कर ही नहीं रहा हूं, जब मैं फिल्म कर रहा हूं, तो एक रूहानी ताकत मेरे अंदर आ जाती है, जो मुझसे ये सब करवा देती है। मुझे पता ही नहीं होता कि मैं अपना सीन कहां खत्म करूंगा।

अखिलेन्द्र मिश्र ने आगे कोनस्टैनटिन स्टेनिसलाव्स्की की किताब का भी उदाहरण देते हुए अध्यात्म के बारे में समझाया। एक्टर ने आमिर खान से अपनी मुलाकात और उस दौरान हुई बातचीत के कुछ अंश साझा किए। उन्होंने कहा-पिछले दिनों आमिर खान से मेरी बात हुई थी। उन्होंने कहा- मैं भी फिल्में, काम करने के लिए करता था, मुझे भी बाद में ये लगने लगा कि ये मैं नहीं कर रहा हूं, कोई करवा रहा है, होता चला जा रहा है। इसके अलावा अखिलेन्द्र मिश्र ने डायरेक्टर सुभाष घई के अध्यात्म से रिश्ते का भी जिक्र किया।

बेस्ट सेलर बुक

अखिलेन्द्र मिश्र ने अपनी पुस्तक में अभिनय, अभिनेता और अध्यात्म के रिश्ते को बड़ी ही गहराई से समझाया है। उन्होंने इस पुस्तक की खासियत तो बताई ही, साथ ही ये भी बताया कि 'अभिनय, अभिनेता और अध्यात्म' पिछले आठ महीनो से बेस्ट सेलर बुक्स में से एक बनी हुई है। जैसे अध्यात्म में इंसान खुद को गहराई से समझने की कोशिश करता है, वैसे ही एक अभिनेता भी अलग-अलग किरदारों को निभाते हुए अपनी भावनाओं को पहचानता है। एक सफल अभिनेता वही होता है जो हर किरदार को अंदर से महसूस करे, ठीक वैसे ही, जैसे एक साधक ध्यान में डूबकर खुद को जानने की कोशिश करता है। और ये बात अखिलेन्द्र मिश्र ने अपनी बातों और अपनी किताब के माध्यम से बखूबी समझाई है।

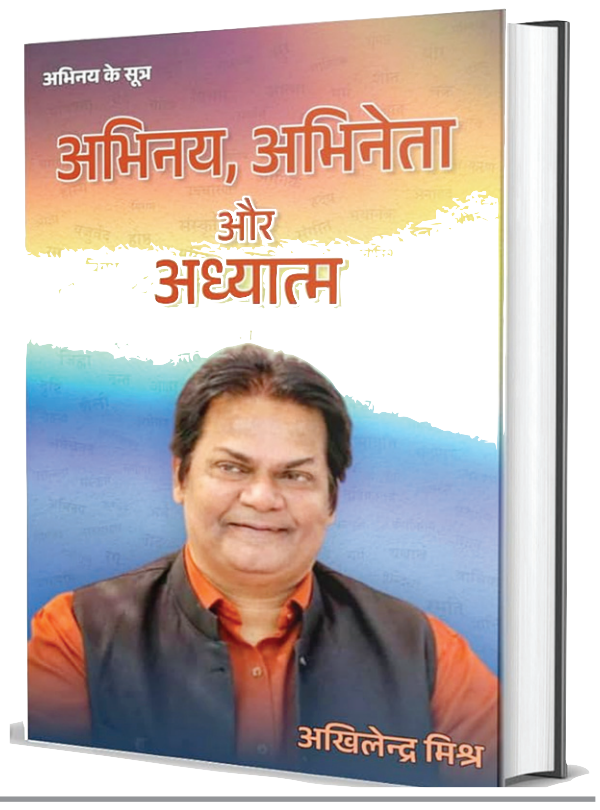

BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री और कल्पना से पोषण सखी दीदियों ने की मुलाकात, दी बधाई

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से शनिवार को काँके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचीं पोषण सखी दीदियों ने मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। विगत कार्यकाल में राज्य सरकार द्वारा पोषण सखी के पुनर्बहाल के निर्णय पर हर्ष जताते हुए और मुख्यमंत्री के प्रति पोषण सखी दीदियों ने आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मंत्री इरफान अंसारी से मिला रक्तदान संगठन का प्रतिनिधिमंडल

RANCHI : स्वैच्छिक रक्तदान संगठन लहू बोलेगा संस्था,रांची का प्रतिनिधिमंडल नदीम खान और झारखंड कांग्रेस प्रवक्ता राजेश सिन्हा सन्नी के नेतृत्व में नवनियुक्त स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी से मिला। स्वास्थ्य मंत्रालय का मुखिया बनाये जाने पर बधाई दी और उनका स्वागत किया गया। मौके पर रक्तदान संगठन लहू बोलेगा के द्वारा मंत्री डॉ इरफान अंसारी को रक्तदान और रक्त से संबंधित नीतिगत और क्रियान्वयन के मुद्दों पर चर्चा की गयी। साथ ही तीसरे झारखंड राज्यस्तरीय रक्तवीर सह मानवीय सेवा सम्मान समारोह कार्यक्रम पर विचार किया गया। डॉ इरफान अंसारी ने प्रतिनिधिमंडल को कहा कि रक्तदान और रक्त से संबंधित नीतिगत और क्रियान्वयन के मामले को व्यवहारिक रुप से हल किया जाएगा,जिसका असर निश्चित रूप जल्द दिखेगा।

झारखंड के दोबारा निर्वाचित 20 विधायकों की संपत्ति 100 से 2000 प्रतिशत तक बढ़ी

RANCHI : झारखंड विधानसभा चुनाव में दोबारा निर्वाचित हुए 40 में से 20 विधायकों की संपत्ति में 100 से दो हजार प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। शेष विधायकों की संपत्ति में एक से 100 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई है। सबसे कम कल्पना सोरेन की संपत्ति में सिर्फ एक फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं दूसरे नंबर पर सरयू राय की संपत्ति में सिर्फ पांच फीसदी और रामदास सोरेन की संपत्ति में सिर्फ नौ फीसदी का इजाफा हुआ है। एडीआर की रिर्पोट के मुताबिक दोबारा जीत कर आए दो विधायक दो विधायकों की संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई है। धनबाद से बीजेपी के टिकट पर दुबारा जीत कर आए राज सिन्हा की संपत्ति में चार फीसदी की गिरावट आई है।

कार्ययोजना तैयार कर खत्म करें माओवादी नेटवर्क

RANCHI : झारखंड पुलिस को माओवादी नेटवर्क खत्म करने के लिए जिलावार कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है। साथ ही जिलावार कार्य योजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए दिशा-निर्देश भी दिये गये हैं। केंद्रीय एजेंसी की तरफ से कहा गया है कि सीपीआई-माओवादी से प्रभावित राज्यों के संबंध में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शानुसार, राज्य पुलिस को वहां के मौजूदा माओवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए विस्तृत जिलावार कार्य योजना तैयार करनी है।

अब रांची नगर निगम ने स्वच्छता कॉरपोरेशन को सौंपी जिम्मेदारी

राजधानी की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने में फेल हो चुकीं तीन एजेंसियां

- पायलट प्रोजेक्ट के तहत 14 वार्डों में ही एजेंसी ने शुरू किया है काम
- प्रॉपर कलेक्शन और डिस्पोजल नहीं करने पर नगर निगम ने पहले की सभी एजेंसियों को कर दिया था टर्मिनेट
- 6 महीने में सभी वार्डों में शुरू करेगी घरों से वेस्ट कलेक्शन

VIVEK SHARMA@RANCHI

राजधानी की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए रांची नगर निगम शहर लगातार नए-नए प्रयोग कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद शहर पूरी तरह से कचरा मुक्त नहीं हो पाया। अब नगर ने शहर की सफाई के लिए नई एजेंसी का चयन किया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत स्वच्छता कॉरपोरेशन एजेंसी ने 14 वर्डों में वेस्ट कलेक्शन भी शुरू कर दिया है। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या नई एजेंसी शहर को साफ और स्वच्छ बना पाएगी। बता दें कि नगर निगम के लिए काम करने वाली तीन एजेंसियों ने अब तक केवल दिखावे की सफाई की है। इसके लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। अब देखना यह होगा कि क्या इस बार नई एजेंसी इस काम में सफल हो पाएगी या फिर पहले की एजेंसियों की तरह ही करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद नगर निगम इसे बाहर का रास्ता दिखाएगा। रांची नगर निगम अब तक तीन एजेंसियों को डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के काम से हटा चुका है। आखिरी कंपनी सीडीसी को मार्च 2022 में हटा दिया गया था। इसके बाद रांची नगर निगम ने खुद कचरा कलेक्शन और झिरी डंपिंग यार्ड तक ट्रांसफर का काम शुरू किया। लेकिन, कचरा न उठाए जाने की लगातार शिकायतों के कारण अब इसमें सुधार की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत नई एजेंसी की तलाश की जा चुकी है, जो घरों से निकलने वाले कचरे को अलग करेगी और फिर उसका निपटारा करेगी। रांची को स्वच्छ बनाने के लिए पिछले दो दशकों में नगर निगम ने लगभग 1000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। ये पैसे एटूजेड, एस्सेल इंफ्रा, सीडीसी और जोंटा इंफ्रा जैसी कंपनियों पर खर्च किए गए। लेकिन, इसके बावजूद शहर में सफाई की समस्या जस की तस बनी हुई है। बता दें कि शहर से लगभग 600 मीट्रिक टन कचरा हर दिन निकलता है।

2014 से एजेंसियों को मिल रहा काम

रांची नगर निगम ने 2014 से लेकर अब तक कई कंपनियों को सफाई का जिम्मा सौंपा है। जिनमें से अधिकतर को समय-समय पर टर्मिनेट किया गया। सबसे पहले मई 2014 में एटूजेड कंपनी को सफाई का जिम्मा सौंपा गया था। लेकिन, डेढ़ साल में ही कंपनी ने सफाई के काम से हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद 2016-17 में एस्सेल इंफ्रा को जिम्मा सौंपा गया, लेकिन कंपनी अपने कर्मचारियों को समय से वेतन नहीं दे पाई। इस वजह से एजेंसी को हटाया गया। इसके बाद सीडीसी कंपनी को भी सफाई के काम से हटा दिया गया।

कचरा उठाते निगमकर्मी। ● फोटोन न्यूज

2.25 लाख हाउसहोल्ड में लगाना है आरएफआईडी

रांची का वेस्ट कलेक्शन निजी हाथों में है। स्वच्छता कॉरपोरेशन ने 53 वार्डों में 2.25 लाख हाउसहोल्ड के लिए सॉलिड वेस्ट प्रबंधन का कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया है। कंपनी ने गुरुवार को जगन्नाथपुर-धुर्वा क्षेत्र में 14 वार्डों को कवर करते हुए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करते हुए अपना काम शुरू किया। अगले तीन महीनों में कंपनी का घरों का सर्वेक्षण करने के बाद रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन चिप लगाने की योजना है। यह तकनीक कचरा कलेक्शन के लिए जाने वाले वाहनों के मूवमेंट की निगरानी करेगी। कलेक्ट कचरे को झिरी डिस्पोजल प्लांट में भेजे जाने से पहले सूखे और गीले कचरे को अलग करने के लिए एमटीएस में ले जाया जाएगा। वहां गीले कचरे को बायोगैस में परिवर्तित किया जाएगा। छह महीने में एजेंसी को सभी 53 वार्डों को कवर करना है।

मोरहाबादी मैदान में 20 दिसंबर से लगेगा खादी मेला, सीएम करेंगे उद्घाटन

RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में प्रसिद्ध खादी, हस्तशिल्प एवं सरस मेला का आयोजन किया जाने वाला है। राज्य के प्रसिद्ध मेले का आयोजन मोरहाबादी मैदान में 20 दिसंबर से 6 जनवरी तक होगा। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 20 दिसंबर को करेंगे। इस दौरान सीएम के साथ उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। बता दें कि झारखंड राज्य खादी बोर्ड मेले की तैयारियों में जुट गया है। इसकी जानकारी देते हुए खादी बोर्ड की सीर्दओ सुमन पाठक ने कहा कि इस मेले में पूरे देश भर के तकरीबन 400 से 500 स्टॉल लगाये जायेंगे। साथ ही सुमन ने बताया कि रांची के मोरहाबादी में लगने वाले इस मेले में लोगों को अलग-अलग राज्यों की हस्तकला और हस्तशिल्प की कारीगरी देखने को मिलेगी। इसके अलावा मेले में फूड स्टॉल और बच्चों के मनोरंजन की भी व्यवस्था रहेगी। हर दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। बता दें कि मेले में बुकिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाये जा रहे हैं।

खनिजों की खरीद-बिक्री के लिए तय किए गए 15258 नए डीलर

PHOTON NEWS RANCHI : खान विभाग ने खनिजों की खरीद बिक्री के लिए 15,258 नए डीलरों को स्वीकृति दी है। नए डीलर के लिए 17,715 आवेदन विभाग को प्राप्त हुए थे। इसमें 1909 आवेदन पर ऑब्जेक्शन लगाया गया है। 283 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। फिलहाल हजारीबाग सर्किल में सबसे अधिक डीलर कार्यरत हैं। धनबाद सर्किल में कुल 3083 डीलर हैं। इसमें 2006 डीलर काम कर रहे हैं। 49 डीलरों को निलंबित कर दिया गया है। दुमका सर्किल में कुल 2398 में से 1259 डीलर काम कर रहे हैं। 121 डीलरों को सस्पेंड कर दिया गया है। हजारीबाग में सबसे अधिक 6231 डीलर में से 3327 डीलर कहीं कार्यरत हैं। यहां 367 डीलरों को निलंबित कर दिया गया है। कोल्हान में 923 में 422 डीलर ही कार्यरत हैं। इस सर्किल में 45 डीलरों को सस्पेंड किया गया है। पलामू सर्किल में 1917 में 1214 डीलर कार्यरत हैं। यहां 103 डीलरों को सस्पेंड कर दिया गया है। रांची सर्किल में 1121 में से 667 डीलर ही कार्यरत हैं। यहां 16 डीलरों को सस्पेंड किया गया है। खनिजों की ढुलाई में लगे 930 वाहनों को काली सूची में डाला गया है। खनिज ढुलाई में कुल एक लाख 17 हजार 639 वाहन लगे हैं। इसमें से एक लाख पांच हजार 395 वाहनों का पिन जेनरेट किया जा चुका है। 12 हजार 244 वाहनों का पिन जेनरेट नहीं हो पाया है।

20 जिलों के सदर अस्पतालों में फेको मशीन से होगा मोतियाबिंद का ऑपरेशन

RANCHI : राज्य के 20 जिलों के सदर अस्पतालों में अब मोतियाबिंद का ऑपरेशन होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने पांच करोड़ 18 लाख 75 हजार 40 रुपए की स्वीकृति दी है। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने इसका आदेश जारी कर दिया है। यह राशि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उपलब्ध कराई गई है। जिन 20 जिलों के सदर अस्पतालों में फेको मशीन स्थापित की जाएगी, उसमें बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा, गढ़वा, रामगढ़, देवघर, धनबाद, गोड्डा, पूर्वी सिंहभूम, गुमला, सरायकेला-खरसांवा, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, जामताड़ा, लातेहार, पाकुड़, साहेबगंज, लोहरदगा और खूंटी शामिल हैं। फेको मशीन की खरीदारी के लिए हर जिले को 23 लाख 93 हजार 752 रुपए आबंटित किए गए हैं।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

जनता की समस्याओं को सुनें और त्वरित करें समाधान : डीसी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री ने जिला के सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जिला प्रशासन के सभी प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याएं सुनें और तत्काल उसका समाधान भी करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से फायर सेफ्टी, साफ-सफाई, पार्किंग, शौचालयों की स्वच्छता, लिफ्ट और अन्य संबंधित मामलों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे इन मामलों में तत्परता से कार्य करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को आईकार्ड वितरित करने के बाद यह निर्देश दिया कि वे जन शिकायतों को प्राथमिकता दें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अधिकारी समय का पालन करें और ऑफिस समय पर पहुंचे। हर किसी को आईकार्ड लगाकर ऑफिस आने का निर्देश दिया गया है। लोगों की समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को योग्य लाभार्थियों तक पहुंचाने में कोई कसर न छोड़ें। उपायुक्त ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे जमीनी स्तर पर योजनाओं को लागू करें, ताकि इसका सही लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे।

पदाधिकारियों के साथ डीसी मंजूनाथ भजंत्री। ● फोटोन न्यूज

श्रम मंत्री संजय यादव से राजद महासचिव ने की मुलाकात, दी बधाई

RANCHI : झारखंड में 'इंडिया' गठबंधन सरकार में राजद कोटे से श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री बने संजय प्रसाद यादव को प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने नेपाल हाउस सचिवालय में मुलाकात की। उन्हें मंत्री का प्रभार ग्रहण करने पर बधाई दी। कैलाश यादव ने कहा कि मंत्री संजय प्रसाद यादव से राजद और राज्यवासियों को बहुत उम्मीदें हैं। राज्य में रोजगार, कौशल और उद्योग को बढ़ावा देने में मंत्री का ध्यान केंद्रित होगा, जो राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। बधाई देने वालों में राजद के अन्य पदाधिकारी में आबिद अली, मनोज पांडेय, प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार, रामकुमार यादव, गुलजार अहमद अंसारी, सोनू यादव सहित अन्य लोग शामिल हैं।

करवट बदलने को तैयार है मौसम झारखंड में 10 दिसंबर से कंपाएगी ठंड

PHOTON NEWS RANCHI : मौसम विभाग की ओर से अनुमान जताया गया है कि बंगाल की खाड़ी में बने पश्चिमी विक्षोभ का असर झारखंड में भी दिखेगा। इस कारण प्रदेश में गरज के साथ वज्रपात की संभावना है। झारखंड के पश्चिमी और उससे सटे उत्तरी भागों में कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रहेगा। तापमान में गिरावट आएगी और इसके असर से ठंड 10 दिसंबर से कंपाने लगेगी। मौसम केंद्र रांची के प्रभारी निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि रविवार को झारखंड में कहीं-कहीं गरज के साथ वज्रपात होने की संभावना है। 9 दिसंबर को बिहार से सटे झारखंड के पश्चिमी हिस्से में और उससे सटे उत्तरी भागों में कहीं-कहीं घना या मध्यम कोहरा देखने को मिल सकता है। आठ और नौ दिसंबर को राज्य के कुछ जगहों पर बारिश होने की आशंका है। दस दिसंबर से फिर से आसमान साफ होने का अनुमान है। अभिषेक आनंद ने बताया कि झारखंड का न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री हो गया है। उच्चतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस है। पिछले 24 घंटे के दौरान चाईबासा का उच्चतम तापमान सबसे अधिक और गढ़वा का न्यूनतम तापमान सबसे कम रिकॉर्ड किया गया है। अगले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। इसके बाद 3 दिन में तापमान में इतनी ही गिरावट आने की संभावना है। मौसम केंद्र के प्रमुख ने ने बताया कि रांची में पिछले 24 घंटे के दौरान न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस घटकर 9.8 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया। यह सामान्य से 1 डिग्री कम है। रांची के अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री की गिरावट आई है और यह 25.5 डिग्री सेंटीग्रेड है। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.3 डिग्री अधिक है। अधिकतम तापमान में किसी बदलाव की संभावना नहीं है। यह 25 डिग्री सेल्सियस बना रहेगा।

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने सांसद पप्पू यादव को दी धमकी

RANCHI : झारखंड में सक्रिय अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर सांसद पप्पू यादव को धमकी दी है। मयंक सिंह ने फेसबुक अकाउंट (मयंक सिंह नाम से) पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि जनता हमेशा चुनाव करती है, इसबार आप चुनाव करो कि सुधरना है या रेस्ट इन पीस होकर ही मानेंगे। अपने ही लोगों से सेटिंग कराकर खुद को धमकी दिलाकर लॉरेंस बिश्नोई का नाम उछाल कर सस्ती लोकप्रियता बटोरना छोड़िये।अभी भी टाइम है आपके पास- लॉरेंस भाई से पब्लिकली सार्वजनिक तरीके से माफी मांग कर अपनी बचकानी गलती को सुधार लीजिए। आपसे गैंग की कोई निजी दुश्मनी नहीं थी।

अंचल कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं महिलाएं : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मईयां सम्मान योजना को लेकर एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग जिले सहित पूरे झारखंड में महिलाएं ह्यमंईयां सम्मान योजनाह्ण के तहत मिलने वाली राशि के लिए अंचल कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। मरांडी ने कहा कि 18 से 50 वर्ष की उम्र की विधवा, आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय महिलाएं, जो इस योजना के अंतर्गत आती हैं, उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा। कई महिलाओं ने चार से पांच बार आवेदन किया लेकिन फिर भी उनके खातों में सम्मान राशि जमा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्रतिमाह 2500 रुपये देने का प्रावधान है लेकिन अधिकांश महिलाओं को राशि मिलना तो दूर, आवेदन स्वीकृति की स्थिति तक स्पष्ट नहीं है, इससे झारखंड की सभी माताएं बहनें परेशान हो रही हैं। कई मामलों में फार्म भरने और आवश्यक दस्तावेज देने के बावजूद योजना का लाभ नहीं मिला। मरांडी ने कहा कि रामगढ़ जिले में भी स्थिति खराब है, जहां करीब 30 हजार महिलाओं को इस योजना की राशि अब तक नहीं मिली।

अभियान शुरू : चार जिलों पर विशेष फोकस, गांव में जाकर संक्रमित मरीज के संपर्क में आने वाले की होगी स्क्रीनिंग

टीबी को जड़ से मिटाने के लिए स्वास्थ्य विभाग तत्पर

बीमारी के लक्षण वाले मरीजों की जांच कर तत्काल शुरू किया जाएगा इलाज

सदर अस्पताल में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की अभियान की शुरुआत

PHOTON NEWS RANCHI : स्वास्थ्य विभाग राज्य में टीबी को खत्म करने को लेकर गंभीर है। इस दौरान विभाग झारखंड के चार जिलों रामगढ़, सिमडेगा, हजारीबाग और गुमला में 100 दिन का विशेष अभियान चलाएगा। इसमें मरीजों की पहचान कर उनका समय पर इलाज शुरू किया जाएगा। इससे कि अन्य लोगों को इस गंभीर बीमारी की चपेट में आने से रोका जा सके। 100 दिन तक चलने वाले टीबी उन्मूलन अभियान की शुरूआत केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सदर अस्पताल रांची से की। मौके पर रांची विधायक सीपी सिंह, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, अभियान निदेशक एनएचएम अबु इमरान, स्टेट टीबी ऑफिसर डॉ कमलेश कुमार, सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य भारत को टीबी से मुक्त करना है। इस दिशा में झारखंड को भी सक्रिय रूप से काम करना होगा। उन्होंने सभी को इस अभियान में भागीदारी का आह्वान किया। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने जोर देते हुए कहा कि झारखंड सरकार का लक्ष्य 2025 तक राज्य को टीबी से मुक्त करना है। उन्होंने इस अभियान के तहत गांव और पंचायत स्तर पर टीबी के मरीजों की पहचान और इलाज की प्रक्रिया को मजबूत करने का आश्वासन दिया। अभियान निदेशक अबु इमरान ने कहा, गुमला, सिमडेगा, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों में जन जागरूकता के साथ मरीजों की पहचान की जाएगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

18 मार्च तक चलेगा अभियान

इस अभियान का उद्देश्य टीबी के मरीजों की पहचान कर उन्हें सही समय पर इलाज उपलब्ध कराना है। यह अभियान 7 दिसंबर से 18 मार्च 2025 तक चलेगा। इसके तहत गांव-गांव जाकर टीबी मरीजों की जांच की जाएगी। संजय सेठ ने इस अभियान की शुरूआत करते हुए कहा कि टीबी उन्मूलन हेतु यह एक महत्वपूर्ण कदम है और इस अभियान में जनभागीदारी बेहद आवश्यक है।

मोबाइल के गलत इस्तेमाल से बर्बाद हो रहे हमारे नौजवान : मुफ्ती अफ्फान

PHOTON NEWS RANCHI : दीन व दुनिया की कामयाबी भलाई के रास्ते पर है। हमें अपने अंदर से बुराई को मिटाना होगा। नफरत, जलन, हसद, बदला लेना, किसी को नीचा दिखाना, गाली देना इन सब चीजों से बचना होगा। मोबाइल के गलत इस्तेमाल से हम और हमारे समाज के नौजवान बर्बाद हो रहे हैं। यह बातें नवासे शेखुल इस्लाम हजरत मौलाना मुफ्ती सैयद मुहम्मद अफ्फान मंसूरपुरी यूपी ने कही। वह मकतब दीनीयात अल बकियात-उल-सालेहात द्वारा जलसा-ए-दस्तारबंदी व शैक्षणिक प्रदर्शन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मुफ्ती अफ्फान ने कहा कि आज हम मोबाइल में 6 घंटे गुजार देते हैं, लेकिन छह मिनट हम कुरान नहीं पढ़ते। जरूरत है मकतब को मजबूत करने का। जब बच्चे मकतब में पढ़ेंगे तो कभी दीन से फिरेंगे नहीं। नाजिम मकतब हजरत कारी इरफानुल्लाह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में कारी एहसान ने कहा कि आज हमारे बच्चे कुरान से दूर होते जा रहें हैं। कारी इरफानुल्लाह को मुबारकबाद कि जिसने अपने मेहनत और लग्न से मकतब को मजबूत किया। मंच संचालन मौलाना मुहम्मद तनवीर जकी पूर्णिया ने किया। मौके पर हजरत मौलाना सफीउल्लाह कासमी, कारी मुहम्मद अंसारुल्लाह कासमी, मुफ्ती मुहम्मद इमरान नदवी, मौलाना हारिस सहित कई लोगों ने अपने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में भाग लेते मुख्य अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

पूरबी घोष शांति निकेतन में हुईं सम्मानित

JAMSHEDPUR : विश्व भारती, बांग्लादेश भवन व खोयाई साहित्य संस्कृति समिति के संयुक्त प्रयास से 7-8 दिसंबर को शांतिनिकेतन में दो दिवसीयअंतरराष्ट्रीय आलोचना सभा तथा तृतीय वार्षिक सभा का आयोजन हुआ। इस समारोह में शहर की समाजसेवी पूरबी घोष भी सम्मानित की गईं। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वभारती के उपाचार्य डॉ. विनय कुमार सोरेन थे। इसमें विभिन्न देश के साहित्यकार, कवि, कलाकार, वाचिक शिल्पी आदि 200 प्रतिनिधि आए थे।

एनएमएल के वैज्ञानिक डॉ. गौरव बंसल को मिला 'यंग इंजीनियर्स अवार्ड'

JAMSHEDPUR : बमार्माइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल के वैज्ञानिक डॉ. गौरव कुमार बंसल को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया द्वारा 'यंग इंजीनियर्स अवार्ड 2024-25' से सम्मानित किया गया है। सेलम (तमिलनाडु) में 6 दिसंबर को हुए 37वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. बंसल ने पिछले 12 वर्षों में 40 से अधिक प्रमुख परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें उच्च घर्षण-प्रतिरोधी स्टील का विकास भी है। इससे आयात में कमी आई। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बेहतर यात्री सुरक्षा और कम प्रदूषण वाले ऑटोमोबाइल वाहनों के लिए विस्फोट और टक्कर प्रतिरोधी स्टील की भी खोज की है।

संस्था के शिविर में 100 यूनिट रक्त संग्रह

JAMSHEDPUR : सामाजिक संस्था संकल्प एवं निर्माण की ओर से शनिवार को जमशेदपुर ब्लड सेंटर में शिविर लगाया गया, जिसमें 100 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। संस्था के महासचिव सुनील प्रसाद ने बताया कि शिविर में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष नट्टू झा, सिविल सर्जन साहिर पॉल, समाजसेवी आस्तिक महतो, इंटक नेता संजीव श्रीवास्तव व ज्योति मिश्रा भी उपस्थित हुए।

पैसों से भरा बैग लूटकर अपराधी हुए फरार

DHANBAD : लोयाबाद थाना क्षेत्र के एकड़ा स्थित राधा स्वामी मंदिर के समीप बाइक सवार दो अपराधियों ने एक रिटायर्ड बीसीसीएल कर्मी को अपना निशाना बनाया। अपराधी चलती ऑटो से पैसों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। भुक्तभोगी रिटायर्ड बीसीसीएल कर्मी ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

एक्सएलआरआई जमशेदपुर के प्लैटिनम जुबिली समापन समारोह में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री

भारत तीन साल में बनेगा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था : धर्मेंद्र प्रधान

PHOTON NEWS JSR : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शनिवार को एक्सएलआरआई में आयोजित प्लैटिनम जुबिली समापन समारोह सह एलुमिनी होमकमिंग- 24 में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वर्तमान में भारत ने दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का आकार 3000 ट्रिलियन है, जो 2027 तक 6000 ट्रिलियन तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही, 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 30 हजार ट्रिलियन तक होने की संभावना है। श्री प्रधान ने जमशेदपुर शहर और

कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान। ● फोटोन न्यूज

यहां की संस्कृति की सराहना करते हुए कहा, ₹अगर अविभाजित बिहार में जमशेदपुर जैसा शहर हो सकता है, तो भारत में जमशेदपुर जैसा कल्चर भी हो सकता है।₹ इस क्रम में उन्होंने उन्होंने टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी टाटा और स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि एक्सएलआरआई जैसे संस्थान वैश्विक स्तर पर कुशल नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। यहां के छात्र और पूर्व छात्र विश्वभर में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं, जो देश के लिए गर्व की बात है। इतना ही नहीं यह भारत के लिए शुभ संकेत भी है।

एक्सएलआरआई को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने की पहल

श्री प्रधान ने एक्सएलआरआई के 75 वर्षों के योगदान की सराहना करते हुए इसे डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा देने की दिशा में कदम उठाने का सुझाव दिया। उन्होंने संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष एवं टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्र तथा संस्थान के निदेशक फादर एस जॉर्ज से इस कदम आगे बढ़ाने की बात कही। साथ ही छात्रों को भी इसके लिए संस्थान प्रबंधन से आगरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, रकेंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में मैं इस कार्य में पूरा सहयोग करूंगा। यह संस्थान की विरासत को और मजबूत करेगा।

छात्रों को उद्यमिता की ओर बढ़ने का आह्वान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने छात्रों को रोजगार के सृजन और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, पहले हम गुलाम थे, फिर मजदूर, अब मालिक बनने का समय है। इसका लाभ उठाइए। उन्होंने छात्रों को देश में उपलब्ध उद्यमिता के अवसरों का उपयोग करने की सलाह दी और कहा कि भारत में आज कई क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

भारत के लिए नई शिक्षा और आर्थिक दृष्टि

श्री प्रधान ने कहा कि 1949 में जब देश का संविधान बन रहा था, उसी साल एक्सएलआरआई की स्थापना हुई। यह एक सुखद संयोग है। उन्होंने बीएचयू, आईआईएससी, शांति निकेतन जैसे संस्थानों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह हमारे देश के दूरदर्शी नेतृत्व की सोच का परिणाम है। समारोह में कई गणमान्य अतिथि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। एक्सएलआरआई एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष रणवीर सिंह व प्रमुख लोगों ने भी विचार रखे।

अब शिक्षा के स्तर को बनाया जाएगा उत्कृष्ट : रामदास सोरेन

शहीद निर्मल महतो के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करते मंत्री।

PHOTON NEWS JSR : मंत्री बनने के बाद शनिवार को पहली बार झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सह निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन का लौहनगरी जमशेदपुर में नगरागमन हुआ। झामुमो जिला समिति समेत अन्य शाखा समितियों के नेता व कार्यकताओं दोमुहानी डोबो पुलिया के पास उनका फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। वे कदमा उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो के समाधि स्थल में गये और श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसके बाद साकची स्थित भगवान बिरसा मुंडा पार्क में जाकर धरती आबा के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान प्रभात खबर से हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि झारखंड में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है। स्कूल शिक्षा को दुरस्त करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर अमल किया जाएगा। खासकर, उन स्कूलों की स्थिति पर पुनः विचार किया जाएगा जो पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में बंद कर दिए गए थे। इस पहल का उद्देश्य न केवल शिक्षा का स्तर सुधारना है, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर और समावेशी शिक्षा प्रदान करना भी है। मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या शिक्षकों की कमी की है, जिसके कारण पठन-पाठन की प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

स्वर्णरेखा नदी में डूबा युवक युवती पर हत्या का आरोप

PHOTON NEWS JSR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबूडीह स्थित स्वर्णरेखा नदी में 18 वर्षीय युवक मनीष कुमार डूब गया। घटना शुक्रवार देर शाम की है। घटना के दूसरे दिन शनिवार को पुलिस ने गोताखोरों की मदद से मनीष की तलाश की पर कोई जानकारी नहीं मिली। इधर, परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताते हुए एक युवती पर साजिश रचने का आरोप लगाया है। मृतक मनीष कुमार की मां दीपा देवी ने बताया कि वे लोग गोविंदपुर के रहने वाले हैं। मनीष बाबूडीह में एक टेंट हाउस के गोदाम में रहकर काम करता था। शुक्रवार देर शाम बाबूडीह की रहने वाली सोनम कुमारी ने मनीष को फोन कर नदी किनारे बुलाया था। वहां पहले से दो अन्य युवतियां और दो युवक

परिजनों ने कहा, आठ दिन पहले युवती से हुई थी मुलाकात, एक वीडियो को लेकर हुआ विवाद

मौजूद थे। मां ने बताया कि मनीष के वहां पहुंचने पर सोनम ने किसी बात पर झगड़ा किया और नदी में कूद गई। मनीष ने उसे बचाने के लिए छलांग लगाई, लेकिन खुद डूबने लगा। मौके पर मौजूद युवकों ने सोनम को बाहर निकाल लिया और मनीष को डूबता हुआ छोड़कर वहां से भाग गए। परिवार का कहना है कि मनीष और सोनम की मुलाकात करीब 8 दिन पहले हुई थी। सोनम और मनीष के बीच किसी वीडियो को लेकर विवाद चल रहा था।

बोर्ड की बैठक में विधायक ने विकास पर दिया जोर

RAMGADH : रामगढ़ विधायक ममता देवी शनिवार को कैंटोनमेंट बोर्ड की बैठक में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने विकास योजनाओं पर जोर दिया। बैठक में सबसे पहले ब्रिगेडियर संजय चंद्र कांडपाल ने विधायक ममता देवी का स्वागत किया। साथ ही छावनी क्षेत्र में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान विधायक ममता देवी ने छावनी परिषद क्षेत्र के सभी आठ वार्डो में विकास कार्यों को गति देने की बात कही। उन्होंने कहा कि छावनी क्षेत्र की सड़क, नालियों और सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस मौके पर छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी अनंत प्रकाश मौजूद थे। बोर्ड मीटिंग में छावनी परिषद क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं का निदान करने की बात कही गई।

सात लाख के ब्राउन शुगर के साथ 3 महिलाएं अरेस्ट

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुस्लिम बस्ती में छापेमारी कर करीब सात लाख रुपये की ब्राउन शुगर के साथ तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती निवासी रहीमा खातून उर्फ मोटकी, नाजमुन निशा उर्फ ताजमुन निशा और शाहिदा खातून उर्फ मुन्नू शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 35.44 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है जिसकी कीमत सात लाख रुपये बताई जा रही है। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने शनिवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुस्लिम बस्ती में फिर से ब्राउन शुगर की बिक्री की जा रही है। सूचना पर पुलिस ने

पुलिस गिरफ्त में महिला तस्कर। ● फोटोन न्यूज

छापेमारी की और आरोपियों की गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के क्रम में रहीमा के पास से 20.37 ग्राम ब्राउन शुगर, नाजमुन निशा ने पास 6.35 ग्राम ओर शाहिदा के पास से 8.71 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। गिरफ्तार रहीमा पूर्व में ब्राउन शुगर के मामले में जेल गए सद्दाम हुसैन की पत्नी है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस मादक दवाओं और मनःप्रभावी पदार्थों के अवैध व्यापार की रोकथाम अधिनियम (पीआईटी एनडीपीएस) के तहत प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके तहत वैसे आरोपी जो नशे का कारोबार करते है, उन्हें जेल में ही रखा जाता है। जमानत मिलने पर भी वे जेल से बाहर नहीं निकल सकते। इसके पूर्व चार ड्रग्स पैडलर के खिलाफ यह कार्रवाई की जा चुकी है।

डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार मजदूर की मौत, सड़क जाम

PHOTON NEWS PALAMU : रामगढ़-डालटनगंज मुख्य मार्ग पर नावाडीह के बगनी झरिया में शनिवार को अज्ञात हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार मजदूर बेडमा निवासी जाकिर मियां की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसका सिर फट गया। घटना के तुरंत बाद नावाडीह के मुखिया दयानंद प्रसाद के जरिये पुलिस के साथ शव को उठवा देने से परिजन और ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों के जरिये मुख्य सड़क को जाम कर दिया गया है। मुखिया से पूछा जा रहा है कि आखिर उन्होंने परिजनों के आने से पहले ही शव को क्यों उठवा दिया। परिजनों ने बताया कि मुखिया का हाइवा होने के कारण उन्होंने पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर ऐसा कदम उठाया। सड़क जाम से कई वाहन फंस गए हैं। आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है।

सड़क जाम करते ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जाकिर मियां हीरो स्पेलेंडर बाइक (जेएच 03एई 5318) से डालटनगंज मजदूरी करने के लिए आ रहा था। डालटनगंज से उसे ट्रेन पकड़कर दूसरी जगह मजदूरी करने जाना था। जाकिर पेंटर का काम करता था। उसके दो बच्चे हैं। दोनों लड़की है। परिजनों के अनुसार डालटनगंज आने के क्रम में किसी दूसरी बाइक से उसकी बाइक में पहले टक्कर हुई और नियंत्रण खोने से जाकिर गिर गया। पीछे से आ रहा एक हाइवा उसके सिर पर चढ़कर पार हो गया। परिजनों का कहना है कि घटना की सूचना मिलने पर मृतक की बहन मौके पर पहुंच गई थी। वह शव देखना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने ऐसा करने से रोक दिया। मृतक के बहनोई शेर मोहम्मद ने कहा कि परिजनों के आने से पहले शव उठाना सही नहीं रहा। मुखिया ने प्रशासन के साथ मिलकर परिजनों को धोखा दिया है।

कांग्रेस के नगर अध्यक्ष ने लगाया मारपीट का आरोप

JHARIYA : झरिया के कांग्रेस नगर अध्यक्ष रत्नेश यादव ने कोयला तस्करों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। थाने को दी गई शिकायत में उन्होंने हमलावरों पर जान मारने की धमकी देने की बात भी कही है। उधर, झरिया थाना में दूसरे पक्ष ने भी रत्नेश यादव एवं अन्य के खिलाफ मारपीट की शिकायत की है। जानकारी के मुताबिक, रत्नेश यादव ने झरिया थाना में सुनील यादव, गुड्डू यादव, आकाश मंडल, पवन सिंह, जैकी साव आदि के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। यादव ने बताया कि वे निजी काम से उपेंद्र यादव के घर गए थे। बातचीत के बाद जब घर से निकले, तो एक कार से हमलावर पहुंच गए और गालीगलौज करते हुए लात-घूंसों और चप्पल से मारने लगे। इस मामले को लेकर झरिया थानेदार शशि रंजन ने कहा कि दोनों पक्षों से शिकायत के आलोक में जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पलामू बालिका गृह कांड : काउंसलर बाहर भेजती थी लड़कियों की फोटो

PHOTON NEWS PALAMU : जिला के पलामू बालिका गृह कांड में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। यौन शोषण की घटना का मास्टरमाइंड काउंसलर को माना जा रहा है। पलामू पुलिस ने काउंसलर की मोबाइल की जांच की, जिसमें कई जानकारी निकल कर सामने आई हैं। इस बालिका गृह में रहने वाली लड़कियों की फोटो काउंसलर बाहर भेजा करती थी। सीडब्ल्यूसी के एक सदस्य को फोटो भेजी जा रही थी, वहीं पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि कई और लोगों को भी लड़कियों की फोटो भेजी गई है। यह फोटो 10-10 की संख्या में भेजी जाती थी। लड़कियों ने यह भी शिकायत की है कि कई मौकों पर काउंसलर उनकी फोटो खींचा करती थी। इस मामले के शिकायत भी की गई थी लेकिन उनकी बातो को दबा दिया गया था। जब इस कांड का खुलासा हुआ उस वक्त पीड़िता के साथ साथ अन्य

लड़कियों ने इन बातों को प्रशासन के सामने रखा। पलामू बालिका गृह यौन शोषण कांड में पुलिस कई नामों की जांच कर रही है। पुलिस को कई नाम मिले हैं जिसका सत्यापन किया जा रहा है। फिलहाल बालिका गृह के संचालक और काउंसलर को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच के बाद में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। बालिका गृह की बच्चियों को संचालक घर लेकर जाते थे। कई बार बच्चियों को बाहर ले जाने के दौरान इंट्री नहीं की जाती थी जबकि कई बार इलाज का बहाना बनाया जाता था। इस मामले को लेकर पलामू एएसपी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि बालिका गृह मामले में जांच जारी है, जिनके भी नाम सामने आ रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। कई नाम मिले हैं जिनका सत्यापन किया जा रहा है। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि काउंसलर ने लड़कियों की फोटो कुछ लोगों को भेजी थी। जिनके भी नाम आएंगे पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

गुमला की सरकारी शराब दुकान में चोरी, छत काट कर उड़ा ले गए कैश

GUMLA : जिले के जशपुर रोड स्थित एक शराब दुकान में चोरी की घटना हुई है। अपराधी छत काटकर अंदर घुसे और दुकान में रखे नकद पैसे के साथ 25 से 30 कार्टन शराब के ले गए। घटना की जानकारी सदर थाना की पुलिस को दी गई। पुलिस आगे की छानबीन में जुट गई है। कमचारियों ने बताया कि जब वह दुकान खोलने के लिए पहुंचे तो देखा कि समान बिखरा है और ऊपर छत का चदरा कटा हुआ है। वहीं, दुकान में रखे नकद पैसे और शराब की कुछ पेटी गायब है। इसके बाद कर्मचारियों ने दुकान का शटर बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना के मुताबिक 25 से 30 पेटी वाइन, जिसकी कीमत करीब 2,92,080 रुपये और 30 हजार रुपए नकद चोरी हुई है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

खुशखबरी : 2025 में होगा भूमि पूजन समारोह, मंदिर निर्माण से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

पलामू में बनेगा विश्व का सबसे ऊंचा मां दुर्गा का मंदिर

PHOTON NEWS PALAMU : झारखंड के ऐतिहासिक पलामू जिला के हुसैनाबाद स्थित बराही धाम की पहचान अब विश्व स्तर पर बनने जा रही है। यहां 351 फीट ऊंचा मां दुर्गा मंदिर और 151 फीट ऊंचा नवग्रह मंदिर बनाया जाएगा। यह विश्व का सबसे ऊंचा मां दुर्गा का मंदिर होगा। इसकी आधारशिला 14 अप्रैल 2025 को भूमि पूजन के साथ रखी जाएगी। शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट और बराही धाम समिति ने इस भव्य परियोजना की जानकारी दी। जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह ने बताया कि बराही धाम में विश्व का सबसे ऊंचा मां भगवती मंदिर बनाने का निर्णय शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा लिया गया है। इसके साथ ही यहां 151 फीट ऊंचा नवग्रह मंदिर भी बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि इससे क्षेत्र में पर्यटन और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ट्रस्ट के संयोजक रणधीर सिंह ने बताया कि 105 फीट ऊंची हनुमानजी की प्रतिमा पहले ही बराही धाम को विशिष्ट बनाती है। यह प्रतिमा विश्व की पहली दक्षिणमुखी हनुमान जी की प्रतिमा है। उन्होंने बताया कि 105 फीट की हनुमान प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान खुदाई में शेर पर सवार मां दुर्गा की प्रतिमा प्राप्त हुई थी। इसके बाद ही विश्व का सबसे ऊंचा मां दुर्गा मंदिर बनाने का ट्रस्ट के लोगों ने संकल्प लिया। बराही धाम पहले से ही झारखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। यहां श्रद्धालु देश के विभिन्न हिस्सों से दर्शन के लिए आते हैं। इस मंदिर परिसर में वैदिक शिक्षा केंद्र भी संचालित है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और बढ़ाता है।

भूमि पूजन में रामभद्राचार्य महाराज होंगे शामिल

विश्व के सबसे ऊंचे मां भगवती के मंदिर की आधारशिला 14 अप्रैल 2025 को रखी जाएगी। इस ऐतिहासिक मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर प्रसिद्ध संत रामभद्राचार्य स्वामी जी महाराज के अलावा देश के कई साधु संत शामिल होंगे। ट्रस्ट के सदस्यों का कहना है कि इस मंदिर का निर्माण बराही धाम को वैश्विक धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करेगा। यह मंदिर धार्मिक आस्था को नया आयाम देगा, साथ क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। मौके पर

शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के अलावा आचार्य शिव कुमार झा, कमला सिंह, राजेश्वर सिंह, धनंजय सिंह बब्लू सिंह जितेन्द्र कुमार सिंह धर्मप्रेमी मनोज कुमार गुप्ता, पिंटू सिंह, प्रभात कुमार सिंह, प्रिंस कुमार सिंह, मंगल यादव, बलि यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

मंत्री बनने के बाद पहली बार गिरिडीह पहुंचे सुदिव्य कुमार

मंत्री सुदिव्य कुमार का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GIRIDIH : मंत्री बनने के बाद सदर विधायक सुदिव्य कुमार पहली बार शनिवार को गिरिडीह पहुंचे। इस दौरान जगह जगह मंत्री के काफिले को रोका गया और लोगों ने भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान कार्यकत्ताओं के साथ-साथ स्थानीय लोग भी काफी उत्साहित दिखे। जगह - जगह ढोल बाजा बजाया गया तो लोगों ने एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई। इसके अलावा कई स्थानों पर जमकर आतिशबाजी हुई। गिरिडीह पहुंचने पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि लोगों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं। लोगों की उम्मीदों का बड़ा बोझ कंधे पर है। ईश्वर से मरांग बुरु से प्रार्थना है कि इस बोझ को उठाने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जो भरोसा जताया है और गिरिडीह विधानसभा के साथ-साथ झारखंड राज्य की जो उम्मीदें हैं उन्हें निश्चित तौर पर पूरी करने की कोशिश होगी।

कहानी

शरारती बौना

किसी गांव में एक बौना रहता था जो बड़ा शरारती था। नाम उसका था टिप्सी। वह बड़ी हंसी-खुशी में अपना जीवन बिता रहा था, परन्तु उसे अपना नाम बिल्कुल पसंद नहीं था। वह समझता था उसका नाम बड़ा पुराना और घिसा-पिटा है। नाम तो नया होना ही चाहिए। वह अपने बड़े-बूढ़ों से प्राय: पूछता रहता कि- उसका नाम नाम टिप्सी क्यों रखा गया? कोई अच्छा सा नाम क्यों नहीं रखा गया? इसका कारण उसे कोई नहीं बता सका क्योंकि इसका कोई कारण था ही नहीं। सबने उसे यही समझाया कि बौनों के नाम पुराने ढंग के होते हैं और टिप्सी अच्छा नाम है। एक दिन टिप्सी को एक और बूढ़ा बौना मिला जिसे बस बौना सरदार कहते थे। टिप्सी को यह नाम बड़ा पसंद आया। जब टिप्सी ने उस बूढ़े से भी अपना प्रश्न दोहराया तो उसने भी वही उत्तर दिया जो दूसरे देते थे। तब टिप्सी उस बूढ़े बौने से बोला, तो फिर तुम अपना नाम मेरे नाम से बदल लो। बौने सरदार को टिप्सी की बदतमीजी पर बड़ा क्रोध आया। वह बोला तुम तुरन्त यह गांव छोड़कर जंगल में चले जाओ। एक वर्ष बाद जब तुम लौटोगे, तुम्हें पता होगा कि अपने से बड़ों के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है। टिप्सी को बौने सरदार की आज्ञा माननी पड़ी। टिप्सी बचपन से ही बड़ा ऊधमी था। उसने छोटे-मोटे जादू भी नहीं सीखे जो सब बौने जानते थे।

टिप्सी जंगल में मारा-मारा फिरता। रात को उसे किसी पेड़ के नीचे सोना पड़ता। जंगली फल खाकर ही उसे पेटे भरना पड़ता। एक दिन उसे बड़ी सर्दी लग रही थी और वह भूखा भी था। खाने के लिए कुछ ढूंढते हुए वह घूम रहा था। उसे एक पेड़ के नीचे तीन सूखे काजूफल पड़े मिले।

भूख के मारे बेहाल टिप्सी ने जब तीन काजूफल देखे तो उसकी आंखें चमक उठीं। वह प्रसन्न था कि खाने को कुछ तो मिला। उसने गांव में बड़े-बूढ़ों को सूखे काजूफल के कड़े छिलके तोड़कर उसमें से गिरी निकालते देखा था। उसने एक काजूफल को लेकर उसे ठोका और फिर दबाया ताकि उसकी गिरी बाहर निकाल सके, परन्तु छिलका अलग नहीं हुआ। उसने फिर छिलके को जोर लगा कर ठोका, परन्तु बेकार। भूख के मारे उसकी जान निकली जा रही थी। उसने कस कर एक मुक्का उस पर मारा तो छिलका अलग नहीं हुआ। उसने बारी-बारी तीनों काजूफल के छिलके हटाने चाहे, परन्तु एक भी नहीं हटा। जब टिप्सी हाथ से काजूफाल के छिलके नहीं उतार सका तो वह उस पर पैर रख कूदा वह भी व्यर्थ रहा तब उसने बांस की छड़ी फंसा कर छिलका उतारना चाहा, परन्तु विफल रहा।

टिप्सी भूखा तो पहले ही था, अब बुरी तरह थक भी चुका था। काजूफल का छिलका तक न उतार पाने के कारण उसे अपने आप पर क्रोध आ रहा था। वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया और रोने लग। इसी बीच एक टिड्डा वहां से गुजरा। जब उसने टिप्सी को रोते हुए देखा तो इसका कारण पूछने लगा। टिप्सी रोते-रोते बोला- मुझे बिरादरी से निकाल दिया गया है। यहां न सोने का ठिकाना है, न कुछ खाने को मिलता है। ये तीन काजूफल हैं। इन्हें मैं तौड़ नहीं सकता।

टिड्डे ने क्षमा मांगी कि वह इस में टिप्सी की कोई सहायता नहीं कर सकता और अपने रास्ते हो लिया। पास ही खड़ी एक गिलहरी ने भी टिप्सी की बात सुनी।

गिलहरी को दु:खी टिप्सी पर दया आ गई। वह उसके पास आई और काजूफल के छिलके उतारने में उसकी सहायता करने का प्रस्ताव किया। गिलहरी की बात सुनकर टिप्सी का चेहरा खुशी से खिल उठा। उसने उसे यह कृपा करने की प्रार्थना की।

गिलहरी ने तुरन्त अपने दांतों से कुतर-कुतर कर काजूफल के छिलके उतार दिए और गिरी निकाल कर टिप्सी को खाने के लिए दी। गिलहरी ने वृक्ष पर चढ़ कर ताजा काजूफल की गिरियां भी निकाल कर उसे पेट भर कर खिलाई। तब गिलहरी ने उसे वृक्ष पर बने अपने घर में रहने का निमंत्रण दिया।

टिप्सी ने गिलहरी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया तथा पेड़ पर गिलहरी के मकान में बड़े मजे से रहने लगा। गिलहरी के घर में रहते-रहते, टिप्सी ने कई बातें सीखीं। उसने समझ लिया कि विनम्रता बहुत बड़ा गुण है। सभी से आदर से बात करनी चाहिए। तथा सबकी यथासंभव सहायता करनी चाहिए। जैसे कि गिलहरी ने उसकी की थी। गिलहरी ने उसे वृक्षों की भाषा भी सिखाई और पशु-पक्षियों की बोलियां भी। उसने टिप्सी को कई छोटे-मोटे जादू भी सिखाए जो उसने स्वयं वर्षों पूर्व सीखे थे, जब वह बौनों के बीच रहती थी।

जब टिप्सी को जंगल में रहते एक वर्ष पूरा हो गया तो वह बिलकुल बदल चुका था। उस एक वर्ष में उसमें बड़ी समझदारी आ चुकी थी। वह इतना विनम्र तथा शिष्ट हो चुका था कि गांव के दूसरे बौने उसे एक बुद्धिमान बौना मान कर उसका सम्मान करने लगे। अब वह शरारती टिप्सी नहीं रहा था।

क्या आप जानते हैं

अपने जाल में क्यों नहीं फँसती मकड़ी?

मक्खी के पेट से विशेष प्रकार की ग्रंथियों से निकलने वाले द्रव से जाला बनता है। मक्खी के शरीर के पिछले हिस्से में स्पिनेरेट नाम का अंग होता है जिसकी मदद से इस द्रव को पेट से बाहर निकालती है। हवा के संपर्क में आने पर पेट से बाहर निकाला जाने वाला द्रव सूखकर तंतु जैसा बन जाता है। इस तरह के तंतुओं से ही मक्खी का जाला बनता है। मक्खी के जाले में दो तरह के तंतु होते हैं। एक- सूखा जिससे जाले की फ्रेम बनती है। दूसरा- जिनसे बीच की रेखाएँ बनती हैं उसे स्पोस कहते हैं। स्पोस चिपचिपा होता है। जाले में चिपचिपे तंतुओं में ही चिपककर शिकार फँस जाता है और छूट नहीं पाता है। जब शिकार फँस जाता है तो मक्खी सूखे धागों पर चलती हुई शिकार तक पहुँचती है और इसलिए वह जाले में नहीं उलझती। वैसे मक्खी के शरीर पर तेल की एक विशेष परत भी चढ़ी होती है जिससे उसके जाले में फँसने का सवाल ही नहीं उठता।

पहेलियाँ ही पहेलियाँ

तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी,
न भाड़ा न किराया दूँगी,
घर के हर कमरे में रहूँगी,
पकड़ न मुझको तुम पाओगे,
मेरे बिन तुम न रह पाओगे,
बताओ मैं कौन हूँ?

गर्मी में तुम मुझको खाते,
मुझको पीना हरदम चाहते,
मुझसे प्यार बहुत करते हो,
पर भाप बनूँ तो डरते भी हो।

मुझमें भार सदा ही रहता,
जगह घेरना मुझको आता,
हर वस्तु से गहरा रिश्ता,
हर जगह मैं पाया जाता।

ऊपर से नीचे बहता हूँ,
हर बर्तन को अपनाता हूँ,
देखो मुझको गिरा न देना
वरना कठिन हो जाएगा भरना।

लोहा खींचू ऐसी ताकत है,
पर रबड़ मुझे हराता है,
खोई सूई मैं पा लेता हूँ,
मेरा खेल निराला है।

उत्तर : १.हवा २.पानी ३.गैस ४.द्रव्य ५. चुंबक

चमत्कारी होते हैं पिरामिड

मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरों गणों के लिए बनाए गए स्मारक स्थल हैं, जिनमें राजाओं के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। इन शवों के साथ खाद्यान, पेय पदार्थ, वस्त्र गहनें, बर्तन वाद्य यंत्र, हथियार, जानवर एवं कभी-कभी तो सेवक सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था।

भारत की तरह ही मिस्र की संभ्यता भी बहुत पुरानी है और प्राचीन सभ्यता के अवशेष वहां की गौरव गाथा कहते हैं। यों तो मिस्र 138 पिरामिड हैं और काहिरा के उपनगर गीजा में तीन लेकिन सामान्य विश्वास के विपरीत सिर्फ गिजा का ग्रेट पिरामिड ही प्राचीन विश्व के सात अजूबों की सूची में है। दुनिया के सात प्राचीन आश्चर्यों में शेष यही एकमात्र ऐसा स्मारक है जिसे काल प्रवाह भी खत्म नहीं कर सका। यह पिरामिड 450 फुट ऊंचा है कि जोड़ों में एक ब्लेड भी नहीं घुसायी जा सकती। मिस्र के पिरामिडों के निर्माण में कई खगोलीय आधार भी पाये गये हैं, जैसे कि तीनों पिरामिड आरियन राशि के तीन तारों की सीध में हैं। वर्षों से वैज्ञानिक इन पिरामिडों का रहस्य जानने के प्रयत्नों में लगे हैं किन्तु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

कुछ लोग पिरामिडों में स्थित जादुई असर की बात भी कहते हैं तो है। 43 सदियों तक यह दुनिया की सबसे ऊंची संरचना रहा। 19वीं सदी में ही इसकी ऊंचाई की कीर्तिमान टूटा। इसका आधार 13 एकड़ में फैला है जो करीब 16 फुटबॉल मैदानों जितना है। यह 25 लाख चूनात्थरों के खंडों से निर्मित है जिनमें से हर एक का वजन 2 से 30 टनों के बीच है। ग्रेट पिरामिड को इतनी परिशुद्धता से बनाया गया है कि वर्तमान तकनीक ऐसी कृति को दोहरा नहीं सकती है। कुछ साल पहले तक वैज्ञानिक इसकी सूक्ष्म सममिति का पता नहीं लगा पाये थे, प्रतिरूप बनाने की तो बात ही दूरा प्रमाण बताते हैं कि इसका निर्माण करीब 2560 वर्ष ईसा पूर्व मिस्र के शासक खुफु के चौथे वंश द्वारा अपनी कब्र के तौर पर कराया गया था। इसे बनाने में करीब 23 साल लगे।

मिस्र के इस महान पिरामिड को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि बिना मशीनों के बिना आधनिक औजारों के मिस्रवासियों ने कैसे विशाल पाषाणखंडों को 450 फीट ऊंचे पहुंचाया और इस बृहत परियोजना को महज 23 वर्षों में पूरा किया? पिरामिड मर्मज्ञ इवान हैडिंगटन ने गणना कर हिसाब लगाया कि यदि ऐसा हुआ तो इसके लिए दर्जनों श्रमिकों को साल के 365 दिनों में हर दिन 10 घंटे के काम के दौरान हर दूसरे मिनट में एक प्रस्तर खंड को रखना होगा। क्या ऐसा संभव था? विशाल श्रमशक्ति के अलावा क्या प्राचीन मिस्रवासियों को सूक्ष्म गणितीय और खगोलीय ज्ञान रहा होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक पिरामिड के बाहर पाषाण खंडों को इतनी कुशलता से तराशा और फिट किया गया।

रोचक तथ्य

- *ग्रेट पिरामिड एक पाषाण-कम्प्यूटर जैसा है। यदि इसके किनारों की लंबाई, ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो पृथ्वी से संबंधित भिन्न-भिन्न चीजों की सटीक गणना की जा सकती है।*
- *ग्रेट पिरामिड में पत्थरों का प्रयोग इस प्रकार किया गया है कि इसके भीतर का तापमान हमेशा स्थिर और पृथ्वी के औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के बराबर रहता है। यदि इसके पत्थरों को 30 सेंटीमीटर मोटे टुकड़ों में काट दिया जाए तो इनसे फ्रांस के चारों ओर एक मीटर ऊंची दीवार बन सकती है।*
- *पिरामिड में नींव के चारों कोने के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गये हैं ताकि ऊष्मा से होने वाले प्रसार और भूकंप से सुरक्षित रहे।*
- *मिस्रवासी पिरामिड का इस्तेमाल वेद्यशाला, कैलेंडर, सनडायल और सूर्य की प्ररिक्रमा में पृथ्वी की गति था प्रकाश के वेग को जानने के लिए करते थे।*
- *पिरामिड को गणित की जन्मकुंडली भी कहा जाता है जिससे भविष्य की गणना की जा सकती है।*

कहानी

बूढ़ा जादूगर

किसी गांव के बाहर बनी झोंपड़ी में एक बूढ़ा आदमी रहता था। वह थोड़ा-बहुत जादू भी जानता था। गांव से बाहर रहने का कारण यह था कि उसे भीड़-भाड़ से घबराहट होती थी। अपना गुजारा चलाने के लिए वह आस-पास की जमीन पर गेहूं तथा सब्जियां उगा लेता था। उसने कुछ मुर्गियां भी पाल रखी थीं और एक बकरी उसके पास थी जिसका दूध उसके लिए काफी होता था। एक बार ऐसा हुआ कि बरसात के मौसम में वर्षा बिल्कुल ना हुई। वर्षा न होने के कारण गांव वाले बड़े चिंतित हुए क्योंकि पानी का और कोई प्रबंधन न होने से उनकी फस्लें सूख जाने का भय था। परन्तु बूढ़े को इसकी कोई चिंता ना थी। उसके खेत के पास से एक पहाड़ी नाला बहता था जिसका पानी उस की फसलों के लिए काफी था। उसे वर्षा के पानी पर निर्भर रहने की कोई आवश्यकता नहीं थी। जब गांव वालों ने देखा कि वर्षा होने की संभावना नहीं तो उन्होंने बूढ़े जादूगर के पास जाने का फैसला किया। वे जानते थे कि अपनी युवावस्था में वह किसी जादूगर के सहायक के रूप में काम कर चुका था। उन्हें आशा थी कि वह वर्षा लाने वाला नृत्य जानता होगा। अत: वे उसके पास गए तथा उससे पूछा कि क्या वह वर्षा-नृत्य जानता है।

वर्षा-नृत्य मैंने अपनी जवानी में सीखा तो था बूढ़े जादूगर ने उत्तर दिया।

क्या तुम वर्षा लाकर हमारी सहायता करोगे? तुम्हें पता ही है कि अभी तक वर्षा नहीं हुई और जल्दी ही वर्षा होने की कोई आशा प्रतीत नहीं होती। यदि जल्दी ही पानी नहीं मिला तो हमारी फस्लें सूख कर बर्बाद हो जाएंगी। हम सब भूखों मर जाएंगे। गांव वालों ने बड़ी आशा केसाथ बूढ़े जादूगर से प्रार्थना की। बूढ़ा आदमी खुश था कि गांव वालों ने उसे बहुत महत्व दिया था। वह वर्षा लाने के लिए नृत्य करने पहाड़ी पर गया। वर्षा-नृत्य करना कोई आसान काम नहीं था।

परन्तु बूढ़े जादूगर ने गांव वालों की भलाई के लिए उसे करने का दृढ़ निश्चय कर लिया। पहाड़ी की चोटी पर चढ़ बूढ़ा जादूगर नाचने लगा तथा ऊंचे-ऊंचे मंत्र पढ़ने लगा, ऐ वर्षा तथा बादलों के देवता मैं तुम्हारा आव्हान करता हूं। सुनो.. बिजली चमकाओं, बिजली कड़काओं बादल भेजो वर्षा करों वर्षा करों। इस मंत्र को याद करके पढ़ना बूढ़े जादूगर के लिए बड़ा कठिन सिद्ध हो रहा था। उसे पढ़े हुए बूढ़े को वर्षों बीत चुके थे तथा उसके शब्दों उच्चारण ठीक कम से करने से ही वर्षा हो सकती थी। और फिर उसे बहुत ऊंचे स्वर में पढ़ना था। तेजी के साथ नृत्य भी करना था। वह बार-बार उस मंत्र को पढ़ता रहा तथा नाचता रहा। कुछ देर के बाद वर्षा होने लगी। बूढ़ा निढाल- सा वापस लौटा। गांव वालों ने बूढ़े को धन्यवाद दिया। चौबीस घंटे तक जमकर वर्षा होती रही। जब वर्षा थमी तो खेतों में खड़ी फसलों को भरपूर पानी मिल चुका था। हर कोई बड़ा प्रसन्न था।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ एकजुट आतंकी व कट्टरपंथी संगठन

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ आतंकवादी और कट्टरवादी संगठन एकजुट हो गए हैं। हिंदुओं पर धर्मांतरण का दबाब बनाया जा रहा है। चटगांव में तो एक हिंदू परिवार को अंतिम संस्कार करने से भी रोका गया। इन कट्टरपंथी संगठनों के सिर पर पाकिस्तान का हाथ है, जबकि चीन ने कट्टरपंथ इस्लामिक प्रतिनिधियों को अपने यहां दावत पर बुलाया है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के साथ हिंदुओं पर हमले आरंभ हो गए थे, जो अब चार महीने बाद भी रुकने का नाम नहीं ले रहे। हिंदुओं के धर्मस्थलों पर लगातार हो रहे हमलों में बांग्लादेश में सक्रिय आतंकवादी संगठन, इस्लामिक धर्मगुरु और मुस्लिम कट्टरपंथी एकजुट हैं। इन्हें कथित साम्यवादी शक्तियों का भी समर्थन है। बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध यह गठबंधन ठीक उसी प्रकार है, जैसे अगस्त 1946 मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन के समय देखा गया था। हिंदुओं पर हमलों का वह दौर भी लंबा चला था और बंगाल व पंजाब में हिंसा भारत विभाजन तक जारी रही थी। वैसी ही हिंसा अब दिख रही है। गांव-बस्ती की बात नहीं बांग्लादेश की जेलों में बंद हिंदू भी सुरक्षित नहीं रहे। जेल के भीतर भी हिंदुओं को निशाना बनाने की खबरें आ रहीं हैं। हसीना सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश की विभिन्न जेलों में लगभग 700 आतंकवादी बंद थे, जो रिहा कर दिए गए। लगता है हिंदुओं पर हमलों की यह तैयारी बहुत पहले से कर ली गई थी। इसकी किसी को भनक तक न लगी। बंगलादेश में सत्ता परिवर्तन का अभियान छात्र आंदोलन के नाम पर आरंभ हुआ था, जिसमें हिंदू छात्र भी सम्मिलित थे। लेकिन, जैसे ही शेख हसीना ने बांग्लादेश देश छोड़ कर भारत में शरण ली, उसी दिन से हिंदुओं पर हमले शुरू हो गए। सबसे पहले भीड़ ने उन हिंदू छात्रों को निशाना बनाया था, जो आंदोलन में शामिल थे। उसके बाद नगरों और गांवों में हिंदुओं पर हमले शुरू हुए। इन चार महीनों में हमलों की कितनी घटनाएं हुईं, इसका सही आंकड़ा नहीं है, चूंकि अधिकतर स्थानों पर स्थानीय पुलिस हमलावरों से मिली होती है। मीडिया में ढाका से कुछ वीडियो तो ऐसे भी आए, जिनमें पुलिस की ड्रेस पहने व्यक्ति भी लूटपाट करते और महिलाओं को घसीटते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, चटगांव के एक वीडियो में भीड़ ने हिंदुओं को मृतक का अंतिम संस्कार करने से रोका और हिंदू परिवार को अपने परिजन का अग्निदाह के बजाय उन्हें धरती में दफन करना पड़ा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे ऐसे अमानवीय और क्रूरतम हमलों की कहानी बयान करने वाले कई वीडियो सामने आए हैं। इनमें से कुछ तो भारत के राष्ट्रीय चैनलों ने दिखाए भी गए हैं। इससे भारत में विरोध के स्वर उभरे तो अब बांग्लादेश सरकार ने ऐसे वीडियो पर रोक लगा दी है। पिछले तीन-चार दिनों से ऐसे वीडियो भारत नहीं आ पा रहे, लेकिन हिंदुओं पर हमलों घटनाएं निरंतर घट रही हैं। बांग्लादेश में जिस प्रकार हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है, यह सामान्य नहीं है। यह सब कुछ आतंकी और कट्टरपंथी संगठनों की योजना से हो रहा है। हमलों से स्पष्ट है कि बांग्लादेश में मोहम्मद युनूस की सरकार नाममात्र की है। परदे के पीछे इसका संचालन कट्टरपंथी संगठन कर रहे हैं। इसकी झलक उसी दिन मिल गई थी, जब सरकार संभालते ही मोहम्मद युनूस ने कुछ आतंकी संगठनों से प्रतिबंध हटाया था। इन सभी आतंकी संगठनों के सिर पर पाकिस्तान और चीन दोनों का हाथ है, इसीलिए युनूस सरकार आंखें मूंदकर बैठी है। इन कट्टरपंथी संगठनों में जमात-ए-इस्लामी, जमात-उल-मुजाहिदीन, मुस्लिम ब्रदरहुड और हिफाजत-ए-इस्लाम शामिल हैं। मीडिया की खबरों के अनुसार, ढाका के इस्कान मंदिर पर हमले का आदेश हिफाजत-ए-इस्लाम ने दिया था। वहीं, जमात-ए-इस्लामी ने बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों को तोड़ने की खुली घोषणा कर रखी है। जमात-ए-इस्लामी के बारे में माना जाता है कि यह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करता है और इसका नेटवर्क भारत में भी है, जबकि जमात-उल-मुजाहिदीन पूरे बांग्लादेश में फैला है। बताया जाता है कि इस संगठन में दस हजार लड़ाके और एक लाख से अधिक कट्टरपंथी जुड़े हैं। इससे जुड़े लोगों में आधुनिक उच्च शिक्षित युवाओं से लेकर धर्मगुरु तक शामिल हैं। इस संगठन ने एक ऐसी विंग बना रखी है, जिसके सदस्य अलग-अलग राजनीतिक दलों और एनजीओ में जुड़े हैं। इस संगठन के बारे में यह भी कहा जाता है भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर करने के लिये भारत में ड्रग्स और नकली नोटों का कारोबार भी करता है। इन सभी संगठनों के लोग खुलेआम सड़कों पर देखे जा रहे हैं और हिंदुओं पर हमलों के लिए उकसा रहे हैं। जिस प्रकार भारत में वामपंथी संगठन सनातन पर हमला करने वालों को समर्थन देते हैं, उसी प्रकार बांग्लादेश में सक्रिय कथित वामपंथी संगठन और साम्यवादी चीन भी इन कट्टरपंथियों का खुल कर समर्थन कर रहा है। पिछले दिनों बांग्लादेश में चीनी राजदूत याओ वेन ने ढाका में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया। इसमें बंगलादेश के सभी इस्लामिक संगठनों को आमंत्रित किया। इनमें अधिकतर वे थे, जिनके हिंदुओं पर हमला करने के लिए उकसाने वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनमें एक प्रमुख नाम बांग्लादेश के जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफिकुर्रहमान का है। हिंदुओ पर हो रहे हमलों को जमात-ए-इस्लामी जुड़े लोगों का हाथ भी माना जाता है। यह संगठन पाकिस्तान समर्थक है। शेख हसीना की सरकार ने इस पर बैन लगा दी थी। युनूस सरकार ने पदभार संभालते ही जमात-ए-इस्लामी सहित मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे उन सभी कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटा लिया जिनपर पिछली सरकार ने प्रतिबंध लगाया था।

डीप स्टेट की जुगलबंदी और बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार

ANALYSIS

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान का अत्याचार खत्म नहीं हो रहा। हालांकि हमने 1921 का मोपला नरसंहार या 1990 का कश्मीर हिंदू नरसंहार नहीं देखा है, लेकिन हम अफगानिस्तान और बांग्लादेश में रोजाना हिंदू अपराधों को देख रहे हैं। नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस की नाक के नीचे हो रहे अत्याचार बाकी दुनिया के लिए चेतावनी है कि कैसे एक आतंक समर्थक और मानवता विरोधी व्यक्ति को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मोहम्मद यूनुस शांतिदूत नहीं, बल्कि मानवता का कत्लेआम करने वाले हैं। क्या उनका नोबेल पुरस्कार रद्द कर दिया जाना चाहिए। कैसे अमेरिका का डीप स्टेट मोहम्मद यूनुस का इस्तेमाल बांग्लादेश और हिंदुओं को अपने स्वार्थ के लिए कमजोर करने के लिए कर रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप इन डीप स्टेट तत्वों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करेंगे। पाकिस्तान, बांग्लादेश का अब तक का सबसे बड़ा दुश्मन है, लेकिन पाकिस्तान के साथ यूनुस का संबंध आतंकवादियों के प्रति उनकी सहानुभूति और भारत विरोधी रुख को दशार्ता है। हिंदू संतों, पेशेवरों और व्यापारियों ने बांग्लादेश के सामाजिक और आर्थिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत की, कठिन समय के दौरान बड़ी संख्या में मुसलमानों की सहायता की।

अगर आप हिंदू हैं और बांग्लादेश में रहते हैं तो यह धरती पर नर्क की जीवित परिभाषा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए जघन्य अपराध दुनिया भर के सभी हिंदुओं के लिए एक चेतावनी हैं। तथाकथित मानवतावादी समूह या विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियां, विशेष रूप से कई बॉलीवुड सितारे, गाजा, सीरिया, लेबनान में जो कुछ हो रहा है, उसका विरोध करने के लिए समय निकालते हैं। लेकिन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अब बांग्लादेश में हिंदू अत्याचार के खिलाफ कभी विरोध करते नहीं दिखाई देते हैं। हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान का अत्याचार खत्म नहीं हो रहा। हालांकि हमने 1921 का मोपला नरसंहार या 1990 का कश्मीर हिंदू नरसंहार नहीं देखा है, लेकिन हम अफगानिस्तान और बांग्लादेश में रोजाना हिंदू अपराधों को देख रहे हैं। नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस की नाक के नीचे हो रहे अत्याचार बाकी दुनिया के लिए चेतावनी है कि कैसे एक आतंक समर्थक और मानवता विरोधी व्यक्ति को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मोहम्मद यूनुस शांतिदूत नहीं, बल्कि मानवता का कत्लेआम करने वाले हैं। क्या उनका नोबेल पुरस्कार रद्द कर दिया जाना चाहिए। कैसे अमेरिका का डीप स्टेट मोहम्मद यूनुस का इस्तेमाल बांग्लादेश और हिंदुओं को अपने स्वार्थ के लिए कमजोर करने के लिए कर रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप इन डीप स्टेट तत्वों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करेंगे।

पाकिस्तान, बांग्लादेश का अब तक का सबसे बड़ा दुश्मन है, लेकिन पाकिस्तान के साथ यूनुस का संबंध आतंकवादियों के प्रति उनकी सहानुभूति और भारत विरोधी रुख को दशार्ता है। हिंदू संतों, पेशेवरों और व्यापारियों ने बांग्लादेश के सामाजिक और आर्थिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत की, कठिन समय के दौरान बड़ी संख्या में मुसलमानों की सहायता की। हालांकि इन्हीं व्यक्तियों को क्रूरता से प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। हिंदुओं को वास्तव में इस पैटर्न और वैचारिक पहलुओं को समझना चाहिए। सरल शब्दों में कहें तो, शत्रुबोध महत्वपूर्ण है। हिंदुओं के खिलाफ अपराधों को लेकर कई राजनीतिक दलों, विशेष रूप से कई इंडी गठबंधन दलों की चुप्पी हिंदुओं को स्पष्ट संदेश देती है- आप इन पार्टियों के लिए चुनावी उपकरण से ज्यादा कुछ नहीं और यदि आप इन ताकतों के खिलाफ एकजुट नहीं होते हैं तो आप फिर गुलाम हो जाएंगे। क्या ये पार्टियां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का मौन समर्थन कर रही हैं। क्या हिंदुओं ने कभी बॉलीवुड हस्तियों को हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की आलोचना करते सुना, केवल कुछ ही ने। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों हिंदुओं का घर है। हालांकि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ मुस्लिम कट्टरपंथियों की बर्बरता भरी हिंसा के बारे में चिंता या घृणा की आवाजें बहुत कम हैं। भारत में कुछ मीडिया आउटलेट इस तरह के अत्याचार पर चर्चा या हाईलाइट कर रहे हैं। याद रखें, हमने कभी किसी के साथ गलत नहीं किया और भविष्य में ऐसा कभी नहीं करेंगे हालांकि, हमारा अस्तित्व पूरी तरह से एकता को मजबूत करने, किसी भी अत्याचार के खिलाफ एकजुट होने, बचपन से आत्मरक्षा तकनीकों सहित सनातन संस्कृति को आत्मसात करने और धर्मांतरण से लड़ने पर निर्भर है। यह समय है कि संपूर्ण संत समुदाय, लाखों अनुयायियों के साथ मिलकर दुनिया को दिखाए कि हम हिंदुओं के साथ किसी भी तरह का अन्याय या मानवता के खिलाफ कुछ भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। दुनिया को व्यापक भलाई के लिए हिंदुओं की शक्ति देखने दें। सनातन धर्म किसी धर्म विरोधी नहीं है, बल्कि इसमें मानवता के लिए काम करके विश्व शांति को बढ़ावा देने की क्षमता है। सनातन धर्म का नुकसान मानवता और वैश्विक शांति के लिए नुकसान है। इसलिए दुनिया में हर कोई जो शांति चाहता है, उसे यूनुस सरकार और उसके लोगों द्वारा हिंदुओं के खिलाफ किए गए अपराधों की कड़ी निंदा और कारवाई करनी चाहिए। यूनुस को यह समझने दें कि वह डीप स्टेट के समर्थन से मानव जाति के खिलाफ काम नहीं कर सकता। ब्रिटिश कंजर्वेटिव सांसद बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अपराधों के साथ इस्कॉन के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास को जेल में डालने की निंदा करते हुए कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों को सताया नहीं जाना चाहिए। ब्लैकमैन ने ब्रिटेन की संसद में इस मामले को उठाया, जिसमें अल्पसंख्यक हिंदू आबादी की दुर्दशा को उजागर किया गया, जिसके बारे में उनका दावा है कि उनके घरों व मंदिरों पर आगजनी और हमले सहित जानलेवा हिंसा की जाती है। बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटेन की संसद में बांग्लादेश में एक हिंदू भिक्षु की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास को हिंदुओं पर सीधा हमला बताया। दुनिया को यह जानने की जरूरत है कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं और प्रगति कर रहे हैं, क्योंकि हिंदू बहुसंख्यक हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश दिखाते हैं कि जब हिंदू बहुसंख्यक नहीं होते हैं तो क्या होता है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जबरन धर्म परिवर्तन, हत्या, बलात्कार और देश से निष्कासन के परिणामस्वरूप अल्पसंख्यक आबादी में नाटकीय रूप से कमी आई है। क्या मानवीय संगठन, बौद्धिक वर्ग और राजनीतिक नेता अल्पसंख्यकों के लिए इस सबसे खराब स्थिति के प्रति अंधे हैं। भारत में इसके विपरीत हो रहा है, जहां बहुसंख्यक हिंदू अल्पसंख्यकों को जीवन के सभी पहलुओं में फलने-फूलने की इजाजत दे रहे हैं। संविधान के बारे में मूलभूत तथ्य यह है कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान तब तक सुरक्षित है जब तक हिंदू बहुसंख्यक हैं। तो क्या हम यह मान लें कि जाति के आधार पर हिंदुओं को विभाजित करने का प्रयास करने वाली राजनीतिक और डीप स्टेट वास्तव में डॉ. अंबेडकर के संविधान का विरोध करती हैं। वे हिंदुओं की आस्था प्रणाली को कमजोर क्यों करना चाहते हैं। हिंदुओं को व्यापक शोध और विश्लेषण करना चाहिए। वे निःस्संदेह हिंदू एकता के महत्व और विभाजित हिंदू समुदाय के निहितार्थों के बारे में जानेंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आरक्षण में सेंधमारी न होने पाए

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस उचित कहा जाएगा कि हम भारतीय संविधान के शिल्पकार के मूल्यों एवं शिक्षाओं को आत्मसात कर एक प्रबुद्ध नागरिक के रूप में उस राह पर चलने की प्रतिबद्धता का संकल्प लें। ऐसे ही संकल्पों का एक पहलू है कि संवैधानिक भाव एवं मूल्य तिरोहित न हों और देशकाल एवं परिस्थितियों के अनुरूप उन्हें सुसंगत किया जाता रहे। हमारे संविधान निमार्ता इस संदर्भ में बहुत दूरदर्शी थे। उन्होंने इस लोकतांत्रिक ग्रंथ को जड़वत न बनाकर लचीला बनाया। भारतीय संविधान की सफलताओं में इस पहलू की विशिष्ट भूमिका भी रही है। यह पहलू संविधान की उचित व्याख्या के लिए गुंजाइश प्रदान करता है और इस दायित्व से संबंधित संस्थाएं समय-समय पर अपने इस कर्तव्य की पूर्ति भी करती रहती हैं। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईसाई पंथ से जुड़ी तमिलनाडु की एक महिला के अनुसूचित जाति के लाभ से जुड़ी याचिका के मामले में ऐसा ही किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए अनुच्छेद-25 के दुरुपयोग की बात कही। संविधान का अनुच्छेद 25 अंतःकरण की और धर्म यानी पंथ को निर्बाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन इसकी आड़ में देश में मतांतरण का घृणित कुचक्र चलाया जा रहा है। ईसाई और इस्लाम पंथ में मतांतरित अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को आरक्षण के लाभ पर लंबे समय से बहस चली आ रही है। भारत के संविधान में शिक्षा, सेवा, सत्ता और शासन में अनुसूचित जाति-जनजाति की समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आरक्षण का प्रविधान किया गया। अस्पृश्यता के खिलाफ भीमराव अंबेडकर के लंबे संघर्ष के नाते तमाम दलों के नेता बात-बात में उनका नाम लेकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। राजनीतिक दल और गठबंधन उसका फायदा उठाने के लिए इस्लामी और ईसाई संगठनों के पक्षकार बनकर देश में उनके द्वारा किए जा रहे मतांतरण पर मौन हैं। समय-समय पर ईसाई मिशनरियों द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के मतांतरण के समाचार प्रकाशित होते रहते हैं। भय या लालच की आड़ में मतांतरण कराने वाले जब पकड़े जाते हैं तो संविधान के अनुच्छेद-25 की आड़ लेकर बच निकलते हैं। बिहार के बक्सर जिले में पादरियों ने ईसाई पंथ में महिलाओं को मतांतरित करते समय उनकी मांग के सिंदूर को भी धो दिया था। उनकी गिरफ्तारी भी हुई, लेकिन अगले दिन ही उन्हें जमानत मिल जाने से कानून की कमजोरी उजागर हो गई। अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा ईसाई या इस्लाम पंथ स्वीकार करने का कोई प्रमाणिक मामला सामने इसलिए नहीं आ पाता, क्योंकि अनुसूचित जाति की जनगणना में केवल हिंदू, सिख और बौद्ध का ही कालम होता है। उनके ईसाई या मुसलमान होने का उल्लेख नहीं मिलता। तमिलनाडु के उक्त मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से यह सिद्ध हो गया कि अनुसूचित जाति के लोग ईसाई बनते रहे हैं। इसी तरह जनजाति समाज के लोग मतांतरित होते रहते हैं। इससे सभी अवगत हैं, लेकिन कोई भी समस्या की तह तक जाने को तैयार नहीं। जनजाति समाज के मतांतरण के कारण पूर्वोत्तर के नगालैंड, मिजोरम और मेघालय ईसाई बहुल राज्य हो गए हैं। निकट भविष्य में अरुणाचल तथा मणिपुर के भी ईसाई बहुल होने के आसार बन गए हैं। वर्ष 1947 में देश का एक विभाजन हो गया। मिजोरम के ईसाई मुख्यमंत्री ने भी ईसाई देश बनाने की वकालत की थी। एससी-एसटी समाज के मतांतरण में लगे इस्लामी और ईसाई संगठनों से बचाने के लिए डा. आंबेडकर के विचारों को सामने लाकर इन समाजों को छल-बल से मतांतरित होने से रोकना होगा। आंबेडकर जीवन चरित के लेखक धनंजय कीर ने बाबा साहेब के दृष्टिकोण को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है, अगर अस्पृश्यों ने इस्लाम या ईसाई पंथ स्वीकार किया तो वे हिंदू धर्म के साथ हिंदू संस्कृति से भी बाहर जाएंगे। अस्पृश्यों के मतांतरण की वजह से सामान्य रूप से देश पर क्या असर होगा, यह ध्यान में रखने लायक है। अगर वे मुसलमान हुए तो मुसलमानों की संख्या दोगुनी हो जाएगी। अगर वे ईसाई हुए तो ईसाइयों की संख्या पांच-छह करोड़ हो जाएगी। इसका नतीजा यह होगा कि इस देश पर ब्रिटिश सत्ता की पकड़ अधिक मजबूत होने में सहायता होगी। ऐसे में कोई हैरानी नहीं कि वोटों के सौदागर ही अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों द्वारा मतांतरण के बाद भी उन्हें आरक्षण देने की मांग उठाते रहे हैं। अनुसूचित जाति के आरक्षण के संबंध में विचार करने के लिए एक आयोग का गठन किया गया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन की अध्यक्षता में 6 अक्टूबर 2022 को गठित आयोग को मतांतरित दलितों को एससी का दर्जा देने की स्थिति के व्यापक अध्ययन का काम सौंपा गया। आयोग का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ाकर नई समय सीमा 10 अक्टूबर 2025 कर दी गई है। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि 1950 के अनुच्छेद 341 के अंतर्गत वर्तमान कानूनी ढांचा केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अनुयायियों को एससी का दर्जा देने की अनुमति देता है। आरंभ में यह आदेश केवल हिंदू समुदाय तक सीमित था, किंतु 1956 में सिख और 1990 में बौद्ध समुदाय को भी इसमें शामिल किया गया। राष्ट्र और समाज हित में संविधान संशोधन होते रहे हैं। आगे भी हो सकते हैं, लेकिन चूंकि एक बार देश का विभाजन हो चुका है, अतः मत-मजहब के प्रचार-प्रसार के नाम पर मतांतरण की छूट न दी जाए। इसके साथ ही मतांतरित लोगों को आरक्षण का लाभ न मिले, इसके लिए भी कड़ा कानून बनाया जाए।

Social Media Corner

सच के हक में...

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में हुई एक सड़क दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु के समाचार से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं! मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

स्कूली शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुलभ बनाने के लिए हमारी सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत देशभर में 85 नए केंद्रीय विद्यालय खोले जाएंगे। इस कदम से जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ होगा, वहीं रोजगार के भी बहुत सारे नए अवसर बनेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचीं पोषण सखी बहनों से आवास में मुलाकात हुई। आप सभी का बहुत-बहुत आभार और जोहार। केंद्र सरकार ने जब हजारों पोषण सखियों से जुड़ी योजना को बंद करते हुए हिस्सा राशि देने से इंकार कर दिया था तो आपका यही भाई और बेटा ही आपके साथ खड़ा रहा।झारखण्ड की हजारों पोषण सखी बहनों को पुनर्बहाल करने का काम आपकी राज्य सरकार ने किया था। आवास आकर आशीर्वाद देने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत आभार और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

वाहन पार्किंग की बड़ी समस्या से जूझते शहर

भारत में वाहन पार्किंग की समस्या महत्वपूर्ण शहरी चुनौती है, जो न केवल यातायात के प्रवाह को प्रभावित करती है, बल्कि शहरी जीवन के मूल ढांचे को भी प्रभावित करती है। यह समस्या तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ते वाहन स्वामित्व और पुराने शहरी नियोजन के घालमेल से पैदा होती है, जो महानगरीय क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन के लिए जटिल दुविधा पैदा करती है। शहरों के विस्तार और वाहनों के स्वामित्व के अधिक सुलभ होने के साथ भारतीय शहरी केंद्रों को वाहनों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। पर्याप्त पार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और आज के समय में वाहनों की संख्या के हिसाब से शहरों को डिजाइन न किए जाने के कारण बड़े पैमाने पर अवैध पार्किंग होती है। इससे न केवल सड़कें जाम होती हैं, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए बनी जगह भी कम पड़ जाती है। कई भारतीय शहरों की स्थापना प्राचीन या औपनिवेशिक काल में हुई थी और उनकी योजना आधुनिक यातायात की मांग को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई थी। संकरी गलियां और मिश्रित भूमि उपयोग के कारण पार्क किए गए और चलते वाहनों के भार से दबाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, पार्किंग नियमों का ढीला-ढाला क्रियान्वयन तथा गैर-अनुपालन के प्रति सांस्कृतिक प्रवृत्ति स्थिति को और बिगाड़ देती है, जिससे शहरी स्थान अव्यवस्थित हो जाते हैं। पार्किंग की समस्या का सीधा कई क्षेत्रों पर पड़ता है। बेशुमार गाड़ियों के जाम से यात्रा का समय बढ़ जाता है, प्रदूषण स्तर बढ़ता है तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में गिरावट आती है। पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी होती है,क्योंकि पार्क किए गए वाहन अक्सर पैदल चलने के रास्तों पर अतिक्रमण कर लेते हैं। उन्हें मजबूरन सड़कों पर आना पड़ता है और उनकी सुरक्षा से समझौता होता है। आर्थिक दृष्टि से पार्किंग की कमी स्थानीय व्यवसायों को भी प्रभावित करती है, क्योंकि भीड़भाड़ वाली सड़कें ग्राहकों को आकर्षित नहीं करती। पार्किंग स्थल की उच्च मांग से अचल संपत्ति की लागत भी बढ़ जाती है, जिससे हरित स्थलों की कीमत पर पार्किंग अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलने से शहरी विस्तार और पर्यावरण क्षरण को बढ़ावा मिलता है। भारत में मोटर वाहनों से संबंधित मामले केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। हालांकि भारत के शहरों के लिए वाहनों की बढ़ती भीड़ एक बड़ी समस्या है, लेकिन ऑटोमोबाइल उद्योग पर प्रतिबंध लगने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इसकी आर्थिक और रोजगार देने की क्षमता काफी ठीक है, जो भारत के लिए महत्वपूर्ण है। सभी पांच शहरों की पार्किंग नीतियां कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर सहमत होती दिखती हैं। वे इस बात पर एकमत हैं कि पार्किंग मुफ्त नहीं हो सकती और जहां भी सार्वजनिक स्थान का उपयोग किया जाता है, वहां शुल्क लिया जाना चाहिए, क्योंकि 'मुफ्त पार्किंग' की अवधारणा टिकाऊ नहीं है। पार्किंग समस्या के समाधान के लिए व्यापक रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें पर्याप्त पार्किंग अवसंरचना का विकास, स्मार्ट पार्किंग प्रौद्योगिकियों को अपनाना और पार्किंग विनियमों का प्रवर्तन शामिल हो। उदाहरण के लिए पार्किंग क्षेत्रों को परिभाषित करना और वाहन पहचान सेंसर और स्वचालित लाइसेंस प्लेट पहचान जैसी तकनीक का उपयोग करके पार्किंग प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। इसके अलावा भूमि मूल्य और भीड़भाड़ के आधार पर पार्किंग शुल्क को समायोजित करके भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अनावश्यक वाहन उपयोग को हतोत्साहित किया जा सकता है। बुनियादी ढांचे के समाधान के अलावा सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ शहरी गतिशीलता प्रथाओं को बढ़ावा देने से पार्किंग दबाव कम हो सकता है।

समय रहते कदम

एक हफ्ते तक चले तर्क-वितर्क के बावजूद प्लास्टिक को चरणबद्ध ढंग से हटाने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा शुरू किया गया महत्वाकांक्षी प्रयास नाकाम साबित हुआ। वैश्विक प्लास्टिक संधि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य-देशों द्वारा समुद्र सहित पूरे पर्यावरण से प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने के लिए 2022 में पारित एक प्रस्ताव का नतीजा है। इसके बाद के दो वर्षों में, ये देश एक विस्तृत रूपरेखा समझौते के लिए पांच बार मिले, जिसमें ताजा मुलाकात (जिसे बतौर आखिरी प्रचारित किया गया था) भी शामिल है। वर्ष 2022 का संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव ऐतिहासिक माना गया, क्योंकि इसने यह भान कराया कि दुनिया इस बात पर एकमत है कि प्लास्टिक प्रदूषण से वैश्विक समन्वित कार्रवाई के जरिए ही निपटा जा सकता है। हालांकि इस समस्या का समाधान विभाजनकारी साबित हुआ है। बुसान में पांचवें दौर की बैठक में लगभग 170 देश एकत्र हुए। इनमें से लगभग आधे देशों (जिनकी अगुवाई यूरोपीय संघ ने की और समर्थन प्रशांत महासागर के द्वीप-राष्ट्रों ने किया) का नजरिया था कि प्लास्टिक के उपयोगी होने और आधुनिक युग में बड़े पैमाने पर उपभोग को सक्षम बनाने बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होने के बावजूद, इसका नष्ट न होने का गुण एक पर्यावरणीय खतरा है। यह जमीन और समुद्र, दोनों के प्राणियों के शरीर में प्रविष्ट होना शुरू हो गया है और बेबस नगरीय पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) प्रणालियों से बाहर निकल रहे कूड़े के रूप में आंख की किरकिरी से कहीं बढ़कर हो चुका है। बेहतर रीसाइक्लिंग और पुनः उपयोग से इस स्थिति से छुटकारा मिल जाने के दावे को ये राष्ट्र दिवा-स्वप्न मानते हैं और इसलिए प्लास्टिक, वर्जिन पॉलीमर के स्रोत पर धीरे-धीरे कटौती लागू करना ही प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने का इकलौता प्रभावी रास्ता था। हालांकि कई बड़े विकसित देश और तेल निकासी व पेट्रोकेमिकल रिफाइनिंग पर आधारित अर्थव्यवस्था वाले देश ऐसे किसी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करना चाहते।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

What Trump 2.0 means for India's economic aspirations

EVEN before being formally anointed as US President, Donald Trump's pronouncements are creating ripples in global economies. Recent salvos on tariffs and the dollar have sparked concerns over the prospect of trade and currency wars in the coming days. Policymakers in both developed and developing countries are voicing concerns over the impact of his new plans. While some fears are valid, given the track record in his previous tenure, others are not. Some comments are in a serious vein while others seem to be aimed merely at reasserting the primacy of the US in the world economic order.For India, the reality is that having a stable economic relationship with the US is critical to its growth and development. This is the country's biggest trading partner in tandem with China. But there is a significant difference between the ties with the two economic superpowers. There is a trade surplus with the former and a yawning deficit with the latter. Other disparities in the bilateral ties include the fact that investments from the US are expanding, especially as the China Plus One strategy is gaining ground. In contrast, investments from the northern neighbour have slowed down considerably recently due to strained political relations. As for the China Plus One policy, it may be one of the factors for the foreign direct investments having perked up this year. From April to September, the FDI inflows are reported to have risen by 45 per cent — from $20.5 billion to $29.79 billion.

The tariff hikes being proposed by Trump, on the other hand, could have a dampening effect on this country's exports to its biggest market. Till recently, India had been excluded from the list of countries against which the President-elect was planning to levy higher import duties. In specific terms, so far, he has declared that a 10 per cent tariff hike would be levied on China, with an even higher 25 per cent levy on imports from the neighbouring Mexico and Canada. One reason cited is the inability of these countries to curb drug smuggling into the US.His latest acerbic comment, however, has been against the BRICS group, of which India is a founding member. Threatening to levy 100 per cent tariffs, he has taken exception to reports that an alternative currency would be floated by the group to bypass the dollar.The rancour against the BRICS group stems from Brazil's proposal, at the last summit, to develop an alternative currency to reduce reliance on the dollar. The annoyance seems hugely out of proportion as the suggestion has little chance of becoming a reality. Wide differences in ideology and outlook among member countries militate against the formulation of such a scheme. Undoubtedly, there has been concern over the sanctions imposed on Russia after the Ukraine war kept it out of the worldwide financial settlement system known as SWIFT. This created obstacles in doing business with that country. Alternative ways are, thus, being explored to evolve a new international transaction system, but they are still at a nascent stage. As for India, it has been using a rupee payment mechanism for oil purchases from Russia, but this is merely a continuation of a longstanding arrangement harking back to the Soviet era.Setting this issue aside, therefore, one must examine the real problems on the tariff front. On the negative side, the prospect of a global trade war could lead to recessionary conditions in some of India's key markets. To that extent, this could affect exports, especially to Europe and the Americas. There is also a possibility that tariffs could be raised on exports to the lucrative US market in retaliation for the relatively higher duties imposed on imports here. Trump has repeatedly cited the instance of Harley Davidson, which was unable to enter the Indian market due to high tariffs. It is inevitable that easier access to the sizable domestic market would be sought by the new US administration, as has been done in the past.

The importance of being Fadnavis

TWELVE days after the BJP-led Mahayuti's spectacular victory in the Maharashtra Assembly elections, Devendra Fadnavis has been sworn in as the Chief Minister. One would have expected celebratory fireworks after the runaway success. Instead, there was bickering and the spectacle...

TWELVE days after the BJP-led Mahayuti's spectacular victory in the Maharashtra Assembly elections, Devendra Fadnavis has been sworn in as the Chief Minister. One would have expected celebratory fireworks after the runaway success. Instead, there was bickering and the spectacle of a sulking caretaker CM, Eknath Shinde, sheltering in his village in Satara, some distance away from his happy hunting ground, Thane.

Shinde, who broke away from his party, the Shiv Sena, on Fadnavis' prompting and formed his own faction to head a BJP-mentored government, felt that he was entitled to continue in that role. But the BJP got 132 of the 288 seats, whereas its allies, the Shiv Sena (Shinde) and the NCP (Ajit Pawar faction) got 57 and 41 seats, respectively.

A factor that was not taken into account by most pundits, except those aligned solidly with the BJP, was the role played by RSS swayamsevaks in canvassing door-to-door on behalf of BJP candidates in particular. They emphasised the slogan "Ek hain toh safe hain", coined by Prime Minister Narendra Modi during his campaign in the state. In Vidarbha, the BJP's near total sweep was achieved largely due to these committed volunteers, who had fanned out from Nagpur at the bidding of their leaders. They proved their mettle, like they had done in Haryana a few months earlier.

When he engineered a split in the Shiv Sena and the NCP in recent years, Fadnavis had expected to be catapulted to the throne. His party bosses in Delhi decided otherwise. Fadnavis, like a good soldier, accepted their decision. The choice fell on Shinde, a former autorickshaw driver from the majority Maratha community with proven qualities of leadership.Shinde turned out to be an acceptable choice. He was accessible to the public and cooperative with the senior partner in the ruling alliance. He thought that was enough to guarantee him the CM's chair for the next five years. But the BJP top brass could not ignore Fadnavis this time.He is far more intelligent than Shinde and more capable of plotting political moves. He was the Chief Minister from 2014 to 2019, and a very successful one at that. He concentrated on the development of infrastructure and did not interfere too much in the day-to-day working of police stations, like many state Home Ministers who preceded him were wont to do.Shinde has reconciled himself to not becoming the CM again. He bargained for the Home portfolio, but did not succeed. In the previous Mahayuti government, Fadnavis, as Deputy CM, had kept the department under his wing. State power is reflected in the policeman's uniform and the ability to trouble dissenters when the rulers so desire. All political parties are aware of this. Hence the eagerness to be

the one to control the police.The tussle within Mahayuti lasted far longer than was required. There was talk of Shinde being reluctant to join the government and only promising to support it from the outside. If that had happened, Ajit and his NCP faction would have enhanced their bargaining power in the government. With his party's 41 seats, he can provide stability. Ajit had already declared his preference for Fadnavis. The finance portfolio, which he held in the previous dispensation, was his for the asking. He who controls the purse can throw some weight around. Ajit knows how to manage money.In the meantime, the Congress is busy blaming EVMs for its defeat. There is no evidence to show that EVMs were tampered with. The Supreme Court has rightly dismissed that plea. The tactics allegedly employed by the BJP to win Assembly byelections in Uttar Pradesh, through the use of the police, cannot be tried in Maharashtra. The political culture there is different. In the UP constituency of Kundarki, where Muslims account for around 63 per cent of the population, the BJP's Ramveer Singh emerged victorious with over 75 per cent of the votes! The seat was traditionally held by the Samajwadi Party (SP), as could be expected.

The police, who are not empowered by the Election Commission of India (ECI) to check identity cards of voters — this is a job allotted exclusively to polling officials — are reported to have ignored the ECI's instructions in UP. They allegedly examined identity cards of would-be voters on their way to polling booths and turned away SP supporters. It should not be difficult for the ECI to verify the truth of such a serious allegation.In my constituency, Mumbai City, the Opposition candidate, Aditya Thackeray, was expected to win, though by a reduced margin this time. That is exactly what happened. If something different to expectations has happened in other constituencies, there is no mention of such instances in the media.

Economist and political commentator Parakala Prabhakar, in an interview with Karan Thapar, said many 'extra' votes were cast in some constituencies between 5 pm and 11 pm, far in excess of the 1 per cent that is the norm. The ECI permits those who joined the queue at or before 6 pm to cast their votes. That overflow should be handled normally in an hour or so. The figures reported by the authorities were far in excess of the normal numbers, said Prabhakar. If that is so, the ECI, for the sake of its credibility, should investigate and clear the doubts of the public and those of a responsible commentator like Prabhakar.Maharashtra's Chief Electoral Officer S Chockalingam issued a statement that those waiting in the queue after 6 pm accounted for only 1 per cent of the total turnout. Apparently, '11 pm' quoted by Prabhakar was the time when, according to the ECI, polling officials reached home after locking the EVMs in the strong room.

Civil society leads

THE Buddha Nullah in Ludhiana, once a lifeline for Punjab, has deteriorated into a toxic drain. Years of unchecked industrial effluents, untreated sewage and lax governance have turned this tributary of the Sutlej river into a health hazard. Despite numerous...

THE Buddha Nullah in Ludhiana, once a lifeline for Punjab, has deteriorated into a toxic drain. Years of unchecked industrial effluents, untreated sewage and lax governance have turned this tributary of the Sutlej river into a health hazard. Despite numerous court orders and a commitment of Rs 840 crore for its rejuvenation, the government's efforts remain largely ineffective, leaving civil society no choice but to act. The Kale Pani Da Morcha, representing frustrated citizens, on Tuesday staged protests targeting dyeing units discharging pollutants. Their actions spotlight the blatant non-compliance by three Common Effluent Treatment Plants (CETPs), which continue to release harmful waste despite orders for zero liquid discharge. The Punjab Pollution Control Board and civic authorities have been slow in enforcing penalties or upgrading infrastructure, further eroding public trust.

Adding to the chaos is the confrontation between activists and industrial workers, highlighting the socio-economic complexities of environmental regulation. Thousands of livelihoods depend on these industries, but public health cannot be the collateral damage. The authorities must ensure that economic growth aligns with sustainable practices.The establishment of a joint task force by the Centre and the Punjab Government is a positive, though belated, step. Immediate priorities should include upgrading CETPs, expediting the Gaughat pumping station and sealing all 120 pollution points identified in recent surveys. A comprehensive action plan involving stringent monitoring and community participation is critical. Residents of Ludhiana and downstream regions continue to suffer from the polluted water as their health and farming are affected. The time for symbolic protests has passed; it is now imperative for all stakeholders — government, industries and civil society — to unite for tangible action. A clean Buddha Nullah is not just an environmental goal but a fundamental human right.

Politics behind 'redress' of waqf property rows

UNION Home Minister Amit Shah asserted on November 15 the determination of Prime Minister Narendra Modi to amend the Waqf Act, 1995, despite resistance from key Opposition leaders. The Union Government's push to amend the Act is ominous. The apparent...

UNION Home Minister Amit Shah asserted on November 15 the determination of Prime Minister Narendra Modi to amend the Waqf Act, 1995, despite resistance from key Opposition leaders. The Union Government's push to amend the Act is ominous. The apparent intention behind the move is to reduce the Waqf Board's control over its assets, which are the third largest in the country, after those of the Railways and the defence establishment.The glaring politics behind the thin veil of noble intentions of redressing 'the issues and challenges in regulating and managing Waqf properties', as the government's statement on the issue, is evident from the recent events.The claims of there being temples beneath historic mosques and shrines — from Sambhal in UP to Mu'in al-Din Chishti and Adhai Din Ka Jhonpra in Ajmer, Rajasthan — are affectations of a concerted otherisation.A distinct intensive effort to tar the Muslim community of the country as one carrying the historical legacy of temple demolitions for constructing mosques and, in recent history, sitting on enormous land assets and still whining is conspicuous.Originating from the Arabic word 'waqufa', meaning to detain, hold or tie up, waqf is the permanent pledge by a Muslim person of his property, movable or immovable, for a pious, religious or charitable purpose under the Islamic law. Once pledged, such a property can neither be sold nor donated or used for any other purpose. Allah being an inchoate and ethereal entity, a 'waqif' creating a waqf for the benefit of the people appoints a 'mutawalli' for the management of the waqf. Once the waqif transfers the property to Allah, it becomes irrevocable.Waqfs, however, are not universal to all Islamic countries. Libya, Egypt, Sudan, Lebanon, Syria, Jordan, Tunisia and Iraq do not have them. The history of waqf is traced back to the Ottoman Empire. Thus, the Islamic countries that fell under this empire have waqf in some form or the other.

Waqf in India goes back to the period of the Sultanate, to the reign of Sultan Muizuddin Sam Ghaor in the late 12th century. He dedicated two villages for the upkeep of the Jama Masjid of Multan. With the consolidation of the Muslim rulers in India, waqfs and properties under them expanded.

During the British rule, a dispute over a waqf property in the late 19th century landed in the Privy Council. The Bench of four British judges declared the waqf invalid, describing it as 'a perpetuity of the worst kind.' However, that decision was not accepted in India. The Mussalman Waqf Validating Act, 1913, retained the institution and the waqfs continued after Independence.The Government of India's statement attributes the 'strengthening' of waqfs since the Waqf Act, 1954, under which the Central Waqf Council of India was created in 1964. It says that the Waqf Act of 1995 made it 'even more favourable to Muslims.' It led to the strengthening of the waqf council, the state waqf boards, the chief executive officer and the duties of mutawalli. Further, the waqf tribunals were deemed to be civil courts.An amendment in 2013 made the management more efficient and transparent. The Waqf Repeal Bill, 2022, and amendment to the Waqf Act, 1995, tabled in the Rajya Sabha on December 8, 2023 are efforts towards doing away with the waqfs or neutralising their roles in the ownership and management of such large chunks of land and property.The Waqf Bill, which is currently with the Joint Parliamentary Committee (JPC), has the following four main features:

l The Bill changes the composition of the Central Waqf Council and waqf boards to include non-Muslim members.l The survey commissioner has been replaced by the collector, granting him powers to conduct surveys of waqf properties.l Government property identified as waqf will cease to be waqf. The collector will determine the ownership of such properties.l The finality of the tribunal's decisions has been revoked. The Bill provides for direct appeal to the high court.Clearly, as put in the historical context in the government's statement, the waqfs have been portrayed as an Islamic legacy — the legacy of the invaders.The stress on including non-Muslim members conveys the impression that these bodies, with such rich assets, are prone to misusing the resources.The inclusion of different sections of Muslims, women in particular, would certainly create a representative set-up and is desirable.However, replacing the survey commissioner with the district collector concerned for conducting surveys of waqf properties is a move meant to create a close and day-to-day surveillance mechanism under the respective state governments.The phrase 'government property identified as waqf' creates an impression that the waqfs are prone to encroachment of public land. If there are individual cases of such impingements, they must be checked. But to put it in a legal instrument demonises an institution linked to a community which has been under pressure for over a decade.

Finally, while the provision for an appeal to higher courts is fine, the weakening of the sanctity of the tribunals is problematic.The JPC has not been able to finalise the Waqf Bill for obvious reasons. While the objections of the opposition MPs are not known, the reason why it faced rough weather can be surmised.

Whether the JPC's extension will eventually iron out the differences is not known, but the Opposition has its task cut out. It must challenge the demonisation of the Muslims, as attempted by this legal instrument.

Ceat to acquire Michelin's Camso brand for $225 million

MUMBAI. Domestic tyre maker Ceat, an RPG-Harsh Goenka group company, will acquire Camso brand that has an off-highway tyre business from global major Michelin for $225 million, translating to about Rs 1,900 crore. Under the deal, Ceat will also acquire two Sri Lanka-based manufacturing facilities from Michelin, a French tyre maker.

Camso is a Canadian brand that makes tyres for tractors, harvesters, bulldozers and other off-highway vehicles which command higher margins compared to tyres for passenger vehicles and two wheelers. Michelin had in 2018 acquired the brand for nearly $1.5 billion.

"The Camso brand is an excellent fit with the growth strategy of Ceat's off-highway tyre business, thereby improving our margin profile," Arnab Banerjee, MD & CEO at Ceat, was quoted as saying in a company release.Over the last decade, Ceat has been focusing on building its off-highway and tracks (OHT) business, which now consists of over 900 product offerings and covers around 84% of the range requirement in the agricultural segment, the release said. Camso will give Ceat the ability to widen its product base into tracks and construction tyres. The acquisition will give Ceat access to a global customer base including over 40 international original equipment manufacturers and premium international OHT distributors. "Ceat brings in the ability for Camso to expand to other segments such as agriculture tyres. Both brands are highly complementary in their positioning and capabilities," a Ceat release said.

Ceat is one of India's leading tyre companies that manufactures tyres for passenger cars, two-wheelers, trucks, buses, light commercial vehicles and off-highway vehicles. It caters to leading OEMs as well as domestic and international markets, exporting to 110+ countries, the release from the company said. Camso, meanwhile, is one of the leaders in the OHT market. Ceat and Camso together could have the synergies to expand to other segments such as agriculture tyres. In Friday's relatively flat session, Ceat's stock on BSE closed a marginal 0.2% up at Rs 3,092.

Sufficient suppliers by mid-December, no copper shortage expected, says Mines Ministry

New Delhi India will have sufficient suppliers of refined copper, both domestic and foreign, certified by the Bureau of Indian Standards (BIS) by mid-December, the Ministry of Mines said Friday. As a result, "no serious supply side constraint is envisaged," it said in a press release. The ministry noted that until Adani Group's new copper smelter in Gujarat reaches full capacity by March, India will continue to rely on imports for some of its refined copper needs.

The Indian Express had reported Friday that downstream users of refined copper had warned the government of a looming supply crunch that could last for over three months. These concerns stem from delays in certifying Japanese suppliers, who account for a large chunk of India's copper imports. The certification became mandatory after the Quality Control Order (QCO) for refined copper came into effect on December 1."As of now, 7 applications from Japanese smelters have been received for BIS certification, of which one smelter (Sumitomo Metal Mining Co. Ltd.) has already been granted license. As per information received from BIS, two more licenses will be granted by next week," the ministry said."In FY 2023-24, India imported about 363 Thousand Tonnes (THT) of refined copper cathode (HS Code: 740311), valued at Rs. 24,552 crore. Japan accounts for about 2/3rd (67%) of the refined copper imports. In quantity terms, about 69% of India's refined copper imports come from Japan. Tanzania is India's second important source of refined copper, contributing about 18% of the imports; followed by Mozambique with a share of about 5%," it added.Earlier, downstream user associations informed the ministry that the QCO has already triggered a 90-day shortage and urged the government to delay its implementation by four months. According to these associations, Japanese suppliers—who provide the bulk of India's copper imports—halted shipments in mid-October to avoid clearance issues once the QCO took effect on December 1. They warned that any copper shipped now would take up to 45 days to arrive, leading to a potential supply crunch that could last three months.

"Presently, four domestic suppliers namely, Adani's Kutch Copper Ltd, Hindalco Industries Ltd, Gujarat Victory Forgings Pvt Ltd & Vedanta Ltd and four foreign suppliers, one each from Japan and Austria, and two from Malaysia have been certified by BIS to supply copper cathode to Indian market. Thus, with 4 domestic BIS certified suppliers & 4 foreign BIS certified suppliers and another two certifications by mid of Dec, 2024, no serious supply side constraint is envisaged," the ministry said.

Interest rate ceiling on FCNR(B) deposits hiked to attract capital

New Delhi. In order to attract more capital inflows, the RBI has decided to increase the interest rate ceilings on FCNR(B) deposits. These are foreign currency term deposits that non-resident Indians can open with Indian banks. Effective from Friday, banks are permitted to raise fresh FCNR(B) deposits of 1 year to less than 3 years maturity at rates not exceeding the ceiling of overnight Alternative Reference Rate (ARR) plus 400 bps as against 250 bps at present. "Similarly, for deposits of 3 to 5 years maturity, the ceiling has been increased to overnight ARR plus 500 bps as against 350 bps at present. This relaxation will be available till March 31, 2025," the RBI said.

Net FPI inflows to India stood at US$ 9.3 billion in 2024-25 so far (April-December), supported mainly by inflows in the debt segment. External commercial borrowings and non-resident deposits, on the other hand, witnessed higher net inflows compared to last year.

SORR benchmark

With a view to further develop the interest rate derivatives market in India and improve the credibility of interest rate benchmarks, the Reserve Bank has proposed to introduce a new benchmark – the Secured Overnight Rupee Rate (SORR) – based on all secured money market transactions – overnight market repo as well as TREPS.

Taking into account the rise in agricultural input costs and overall inflation, the RBI has decided to increase the limit for collateral-free agriculture loans from `1.6 lakh to `2 lakh per borrower. This will further

enhance credit availability for small and marginal farmers.In order to harness the 16 benefits from various technologies, while addressing the associated risks such as algorithmic bias, explainability and data privacy, the RBI will set up a committee comprising of experts from diverse fields to recommend a Framework for Responsible and Ethical Enablement of AI (FREE-AI) in the financial sector.As part of the RBI's continued efforts to prevent and mitigate digital frauds, an innovative AI/ML based model, namely, MuleHunter. AI has been developed by the RBIH, Bengaluru. This will help the banks to deal with the issue of mule bank accounts.

Indian Stock Market Maintains Positive Outlook As RBI Turns More Realistic

Mumbai. Amid a positive turnaround from foreign institutional investors (FIIs) to India, the Indian stock market maintained a positive outlook throughout the week as the core sector output in October and stability in service PMI data showed signs of recovery, experts said on Saturday.

FIIs returning to India in expectation of a dovish monetary policy by the Reserve Bank of India (RBI) also supported the sentiment. "RBI turns more realistic with a revision on its growth forecast for FY25. While boosting liquidity in the financial system by reducing CRR by 50 bps, RBI reiterates that maintaining macroeconomic stability remains crucial," said Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial ServicesThe market closed flat on Friday. Sensex settled at 81,709.12 while Nifty ended at 24,677.80. Nifty is holding steady above the crucial 24,650 support level.The primary trend remains positive, as Nifty trades near the upper band of the Donchian Channel, which is trending higher — a signal of potential bullish momentum," said Om Mehra, Technical Analyst, SAMCO Securities.

Additionally, India's volatility index (VIX) remains subdued, hovering below the 15 mark, suggesting a contraction in volatility and reduced fear in the market. Investors are now accumulating the momentum stocks as the expected pick-up in the government capex may provide some impetus to infra, capital goods, realty, cement, and metal industries in the second half this fiscal.PSU banks outperformed amid a liquidity boost by RBI. The outlook for the February monetary policy meeting also turned positive as inflation is likely to moderate in Q4, supported by seasonal corrections in vegetable prices, kharif harvest arrivals, and anticipated rabi output, said market watchers.Inflation, though slightly higher, may continue to remain under control. The factors like soil moisture content, reservoir levels, seasonal winter vegetable price correction, suggests that food inflation may show declining trend which has been point of bother, said Siddarth Bhamre, Head, Institutional Research at Asit C Mehta Investment Interrmediates Ltd.

For the week ahead, market direction will be influenced by the release of US payroll and US CPI inflation data, which will give some insights into the Fed's December meeting.

RBI holds rates again to keep inflation down

MUMBAI. The Reserve Bank of India (RBI) on Friday chose to stay the course on inflation control, refusing to make any knee-jerk reaction to the growth slump reported in the second quarter with a repo rate cut.RBI's monetary policy committee (MPC) led by governor Shaktikanta Das decided to maintain the repo rate at 6.5% for the 11th time on the trot. The last time it changed the repo rate - the interest rate at which RBI lends money to commercial banks - was in February 2023, when it raised it by 25 basis points.With Friday's decision to hold rates, the central bank has signalled that a growth slip in just one quarter does not warrant a course correction from its Parliament-mandated inflation control objectives.RBI has, however, cut the FY25 GDP projection from 7.2% to 6.6% and also raised the full year inflation estimate to 4.8% from 4.5% earlier.While it maintained the key policy rate, the MPC offered cheaper funds to the economy to support growth, by slashing the cash reserve ratio

(CRR) by 50 bps to 4%. The move will release Rs 1.16 lakh crore of lendable money to banks. CRR is the percentage of banks' deposits that must be parked with RBI.Announcing the policy decision, Das said all data since October indicate that the economy has bottomed out and has since been resilient."We don't want to take any decision which we may be forced to retract or regret. We need more evidence/data to change our course of action," he said at the customary post-policy press conference, which would be his last presser if he is not given another extension. His current term ends on December 10.Michael Patra, the senior most deputy governor who is in-charge of the monetary policy department, said: "Just because of one set of data went off the mark, it's too early to reverse or change the course," indicating that the second-quarter GDP numbers are not the end of the road for economic growth.

Economists ask Finance Minister to focus on growth rather than fiscal consolidation

NEW DELHI. With the second quarter GDP growth falling to a 7-quarter low of 5.4%, economists have asked the government to shift its policy focus to growth rather than fiscal consolidation. In a pre-budget meeting with finance minister Nirmala Sitharaman on Friday, a delegation of economists suggested the government readdress the pace of fiscal consolidation and take measures to boost consumption."Right now whether it is the RBI's monetary policy or the government's fiscal policy, the focus on growth has taken a back seat and there is a need for course correction," said an economist, who was in the meeting, while talking to TNIE.Another economist with a financial institution told TNIE that the fiscal consolidation path has to be realigned so that growth is not sacrificed for keeping debt/GDP ratio in check. "We have seen a large reduction in the fiscal deficit target in the last few years and now the government should slow down the pace as the central government debt/GDP ratio has fallen below 60%," she said.The government has reduced the fiscal deficit from 6.7% of GDP in 2021-22 to 5.6% in 2023-24. For FY25, the target is 4.9%. India's second quarter GDP fell from 6.7% in the first quarter to 5.4% in the second quarter primarily due to tepid consumption growth and moderation in manufacturing. On Friday, the Reserve Bank of India (RBI) cut its FY25 GDP estimate from 7.2% to 6.6%.

The delegation also stressed on the need to take measures – including tax cuts -- to boost consumption. One of the economists (who was in the meeting) TNIE talked to argued that the government must take a pause on raising tax rates like the way they raised capital gains tax in the previous budget. "The government may even need to go for targeted tax rebates to boost consumption," he said.

Demand growth moderation, airline capacity addition keeping airfares in check

New Delhi. Growth in airline seat capacity, an evident moderation in demand growth from the high pent-up levels seen in the couple of years following the Covid-19 pandemic, and relatively subdued jet fuel prices have led to a downward pressure on airfares, according to aviation industry insiders and ticketing data. This has meant that domestic airfares have generally not risen notably and, in fact, have seen a reduction or are broadly stable for a large number of domestic routes when compared to last year.Airfare data from travel booking portal Ixigo for December travel on 32 popular routes — a mix of major metro-to-metro trunk routes and some other popular leisure routes — shows that airfares have either declined or are stable vis-à-vis the last month of 2023 in majority of the cases. The data is for advance bookings made 15 to 30 days before travel.

Average one-way airfares on 20 of the 32 routes have declined with the fall varying widely between 1 per cent and 32 per cent. As for the 12 routes that have seen higher fares, the rise is between 1 per cent and 2 per cent for five routes, and between 8 per cent and 27 per cent for the remaining seven, per the data from Ixigo.Among the 32 routes, the highest drop was observed for the Chennai-Kolkata route with average one-way airfare down by 32 per cent year-on-year to Rs 5,688. On the other hand, the highest increase was on the Delhi-Jaipur route with the average fare higher by 27 per cent at Rs 3,273.To be sure, airfares depend on the demand and supply dynamics on the individual route level, which could throw up exceptions to the general trend. For instance, there may be cases where demand outstrips seat supply significantly, leading to a jump in fares, even as the broader trend points to stable or lower fares.The other key factor to consider is the advance booking period. While it is a general rule of the thumb to book flights as early as possible in order to pay less, there may be exceptions to this rule as well. In cases where demand is strong and load factors healthy, fares could be higher closer to the travel date. However, there may be cases where ticket prices fall substantially just before the travel date if the expected passenger load is weak. Air traffic disruptions leading to long delays and cancellations, including those related to weather, also tend to bump up spot or eleventh hour fares.According to airline executives, there are clear indications that the supernormal rate of demand growth that the industry had witnessed over in 2022 and 2023 have started to normalise, even as major Indian carriers—IndiGo and Air India group airlines—continue to add capacity with multiple new aircraft being inducted each month. Aircraft groundings due to engine issues and supply chain woes have also started declining in the recent months, leading to more airline seats being available for sale.Aviation turbine fuel (ATF) prices, too, have cooled off from higher levels seen last year. ATF usually accounts for 35 to 40 per cent of Indian airlines' operational expenses. For instance, ATF price in Delhi for the current month—Rs 91,856.84 per kilolitre—is 13.5 per cent lower on a year-on-year basis.In its September quarter earnings, the country's largest airline IndiGo reported that its available seat kilometres (ASK)—a measure of its seat capacity—was higher by 8.2 per cent than July-September of last year. As of September 30 this year, IndiGo had a fleet of 410 aircraft, up from 334 planes as of September 30, 2023.

Umar Khalid argues no evidence links him to Delhi riots conspiracy in bail plea before HC

➤The prosecution cited WhatsApp group conversations and alleged meetings to substantiate the conspiracy charges.

NEW DELHI. Former JNU student Umar Khalid, an alleged accused in the 2020 Delhi riots conspiracy case, argued before the Delhi High Court on Friday that there is no direct evidence linking him to violence or fundraising activities. Represented by senior advocate Trideep Pais, Khalid's counsel emphasised the lack of physical or circumstantial evidence against him and sought bail based on prolonged incarceration as an undertrial.

The arguments were presented before a division bench comprising Justices Navin Chawla and Shalinder Kaur.The bench was hearing bail pleas filed by Umar Khalid and Meeran Haider, who sought relief on grounds of parity, prolonged incarceration, and trial delays. The division bench of Justices Navin Chawla and Shalinder Kaur listened to their arguments, while the Delhi Police requested additional time to respond. The matter has been scheduled for further hearing on December 12.

Concluding his submissions, Pais highlighted the parity Khalid sought with four co-accused

who had already been granted bail in the same case. Pais argued that no materials, disclosures, or physical evidence connected Khalid to the riots. "There is no mention of me in the FIRs [of 2020 violence], no recovery, and no allegations of a terrorist act or violence on my part," Pais stated. He added that Khalid was discharged in the only FIR where his name had initially appeared. The sole overt act attributed to Khalid was a speech in Amravati, Maharashtra, which, Pais argued, was peaceful and invoked Gandhian principles of non-violence."The speech does not incite violence. The prosecution has cherry-picked a selective clip to create an outrage," he said.

The prosecution cited WhatsApp group conversations and alleged meetings to substantiate the conspiracy charges. However, Pais dismissed these claims, saying Khalid's involvement in these groups was minimal. "In one group, I merely shared the location of a protest site. In another instance, I relayed a police officer's request to call off a protest during Donald Trump's Delhi visit," he clarified. Regarding the alleged meetings, Pais pointed out inconsistencies, noting that some accused were not physically present, while others, including activist Yogendra Yadav, were not charged. "There is no preparation for violence mentioned in the statements," he added, referring to the prosecution's evidence.

Delhi police nab thieves posing as 'deaf and mute' with stolen phones, gadgets

Their ruse was nearly successful when Delhi Police's Special Staff team stopped the accused during a routine check on their motorcycle travelling from Gurugram to Nehru Place.

NEW DELHI. Thievery is no easy feat - it requires courage. But even the bold aren't always successful. Two thieves, posing as 'deaf and mute' to avoid capture, were arrested by Delhi Police after a series of targeted thefts across the city. The duo, identified as P Karthik from Andhra Pradesh and Balan from Tamil Nadu, had been stealing mobile phones, laptops, and other high-end electronics from student areas in Delhi-NCR.

The pair, aware that students often possess valuable gadgets, had developed a clever strategy to escape detection. If caught, they would pretend to be mute and deaf, communicating only through gestures, hoping to avoid questions and suspicion.

Their ruse was nearly successful when Delhi Police's Special Staff team stopped them during a routine check on their motorcycle travelling from Gurugram to Nehru Place.

When questioned about their presence and documents for the bike, the suspects continued to act deaf and mute, communicating only through gestures. They also presented a letter claiming to have received charitable donations, hoping to divert attention.

However, the police saw through their act and conducted a thorough search. In their bags, they found 16 stolen mobile phones and 6 laptops—items taken from various student residences. Following their arrest, Karthik and Balan revealed that they had been travelling by train from Andhra Pradesh and Tamil Nadu to Delhi, where they would roam early in the morning, targeting homes near educational institutions. Once inside, they would pose as members of a "deaf and mute" school or orphanage, showing fake disability certificates to gain entry and asking for donations. After stealing valuables, they would flee the city and sell the stolen items at low prices in their home states. The operation to catch the thieves was the result of meticulous surveillance by the police, who had received a tip-off about their activities. DCP (South) Ankit Chauhan said both manual and technical surveillance helped gather information.

BJP will not allow any fake votes in Delhi, says party president Sachdeva

NEW DELHI. Hitting back at Arvind Kejriwal's electoral roll manipulation allegation, BJP presented videos claiming that the AAP government has been creating a fake voter base of people drawn from "Rohingya" and "Bangladeshi" communities over the past 10 years. The party said that in one case from Moti Nagar, voter list entries show names and addresses where there is neither a house nor any residents present.

A newly installed electricity meter is seen on a roadside wall, with 24 votes registered at the location. In another video, said to be from Trilokpuri Assembly constituency, the BJP said 38 votes were found to be registered at a single-room flat, which, according to neighbours, has been locked for years.

Delhi BJP president Virendra Sachdeva highlighted cases from Shahdara, Rajouri Garden, and Mustafabad, where 20 to 50 votes have been registered in one-room houses. In 99% of such cases, the registered voters belong to a particular community.

The Delhi BJP claimed that this pattern of fake voters is widespread across the city and demands an investigation. Sachdeva stated that Kejriwal is scared because fake votes are being exposed. He alleged that these voter bases are funded by foreign donations and are bought by the AAP.

Now that their fraud has been uncovered, they fear losing in the upcoming elections. Sachdeva warned that under Rule 172 (BNS) of the Election Code, casting fake votes could result in one year of rigorous imprisonment. He vowed to prevent any fake votes, especially those by Rohingyas and Bangladeshis, from being cast in the 2025 Delhi Assembly elections.

AAP MLA Dilip Pandey hints at stepping away from active politics

NEW DELHI. A day after Delhi Assembly Speaker Ram Niwas Goel announced to retire from active politics, AAP's Timarpur MLA Dilip Pandey hinted at stepping down on Friday. Pandey, considered close to party chief Arvind Kejriwal, said that it is time to do something else while staying in the AAP.

Pandey, who is also the party's chief whip, in a post on X, said, "For me, the satisfaction of being in politics has been that because of our government, the lives of many common people and poor people have become easier, and the prospects of a better life for many children have increased."

"After fulfilling the responsibility of building an organisation in politics and then contesting elections, now it is time to do something else while staying in @AamAadmiParty. Whoever contests the election in Timarpur assembly, @ArvindKejriwal ji will become the Chief Minister of Delhi, and all of us Delhiites will together ensure this," his post added. Delhi Assembly Speaker Ram Niwas Goel, on Thursday, wrote a letter informing AAP supremo Kejriwal about his decision to retire from electoral politics due to his advancing age.

Goel (76) also expressed gratitude for the respect shown by all party legislators and said that he will be in the party and will take any responsibility if assigned.

After Goel's announcement, Kejriwal tweeted, "Ram Niwas Goyal's decision to leave electoral politics is an emotional moment for all of us. His guidance has shown us the right direction inside and outside the House for years. Due to his increasing age and health, he had recently expressed his desire to leave electoral politics just a few days ago. We respect his decision. Goyal sahab was, is and will always be the guardian of our family. The party will always need his experience and services in the future too."

DPCC to begin another waste-to-energy plant in Bawana amid locals' opposition over air pollution

The executive summary stated that urbanisation and industrialisation have taken place very rapidly in northwest Delhi, leading to an uptick in garbage generation.

NEW DELHI. The Delhi Pollution Control Committee (DPCC) has planned to establish another waste-to-energy plant in Bawana. For this, the agency has sought comments from the common people, experts and organisations before finalising the detai led project report.

Suggestions can be mailed to msdpcc@nic.in till December 26. A public hearing will be held on December 27.

The move came after a recent controversy related to Okhla waste-to-energy plant, where residents of nearby localities raised strong objections to its operationalisation.

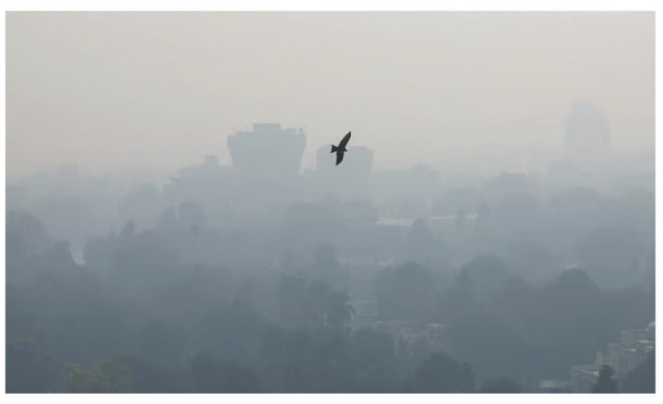

Locals complained about the high level of air pollution due to the operation of the Okhla plant, which was started in 2012. People living in its vicinity complained of the aggravated health impact of the toxin released by the incineration of trash.

The executive summary stated that urbanisation and industrialisation have taken place very rapidly in northwest Delhi, leading to an uptick in garbage generation. Therefore, it was proposed that a waste-to-energy plant be built there.

The plant will be built by Jindal Urban Waste Management (Bawana) Limited which is already handling the Okhla waste-to-energy plant. The DPCC's summary also stated that air pollution may increase during the construction of the plant. The body suggested measures like dust separation, emission control system and regular monitoring during the construction.

Delhi coaching centre deaths: SC considers new safety measures

➤The police said the three UPSC aspirants died owing to the flooding of the basement of a coaching centre in Delhi's Rajendra Nagar.

NEW DELHI. Four months after the tragic and unfortunate death of three UPSC (Union Public Service Commission) aspirants in Delhi's Rajendra Nagar area, amicus curiae (Friend of the court) Siddhartha Dave on Friday filed a draft/model in the Supreme Court on the issue of infrastructure, safety and regulation of private coaching centres.

A two-judge bench of the top court, led by Justice Surya Kant and also comprising Justice Ujjal Bhuyan, is expected to hear the matter next in couple of weeks.

The police said, these three UPSC aspirants died owing to flooding of basement of a coaching centre in Delhi's Rajendra Nagar.The draft proposed a slew of measures to ensure safety measures in coaching institutes.

"The rules propose heavy fines and penalties

on a private coaching institute, including the owner, proprietor, or other persons involved in its operation or functioning, if there is any violations found," the draft filed by senior advocate and amicus curiae, Dave, before the apex court, said.

The draft rules said, in case of violation of any of the provisions of the Rules, a private coaching institute, including the owner, proprietor, or other persons involved in the operation or functioning of such coaching institute, shall be liable, for each such violation, to pay a penalty of rupees fifty thousand for the first violation, and rupees two lacs for the subsequent violation.

"In case the violation still continues, then the registration of the private coaching institute shall be cancelled. The penalty shall be in addition to all other penalties and/ or offences committed under all existing applicable laws," it said.

The draft rules say owner, proprietor, and any other person responsible for the operation or functioning of a coaching institute shall be personally and vicariously liable for any penalties, or offences which may be committed due to the violation of any provisions of these Rules.

Farmers suspend Delhi march after clashes at Punjab-Haryana border; six injured

Water cannon vehicles have also been deployed at the Shambhu border point.

CHANDIGARH. Protesting farmers on Friday suspended for the day their foot march to Delhi as some of them suffered injuries after police fired teargas shells and rubber bullets at the Punjab-Haryana border.Earlier in the day, a 'jatha' of 101 farmers began to march towards Delhi from their protest site at the Shambhu border but was stopped a few metres away by multilayered barricading erected by Haryana cops.

As the group reached the barricades, security personnel lobbed teargas shells to force them to retreat to their protest site. Many farmers rushed to cover the teargas shells with wet jute bags to counter the smoke. Some of them were seen uprooting iron nails and barbed wire installed on the road to stop their march. Many of the 'jatha' crossed the initial layer of barricades, but could not proceed further.

A few of them were seen pushing an iron mesh put up by security personnel down the bridge constructed over the Ghaggar river. One of the protesters climbed the roof of a tin shade where security forces

had been stationed. He was forced to climb down.Water cannon vehicles have also been deployed at the Shambhu border point. The Haryana Police asked the farmers not to proceed further, citing a prohibitory order clamped by the Ambala administration under BNS Section 163, which restricts unlawful assembly of five or more in the district. The Haryana government on Friday suspended mobile internet services in 11 villages in Ambala from December 6-9 as a precautionary measure.Farmer leader Sarwan Singh Pandher claimed that five to six protesters were injured. He later announced the suspension of the march for the day and said the injured farmers were taken to a hospital.

"We have called back the jatha for today in view of the injuries suffered by a few farmers," he said, adding that the Samyukta Kisan Morcha (non-political) and the Kisan Mazdoor Morcha would decide the next course of action after a meeting.

The farmers have been demanding that the Centre give them a legal guarantee for MSP. They have been camping at the Shambhu and Khanauri border points between Punjab and Haryana since February 13, when their march to Delhi was stopped by security forces.

NEWS BOX

Biden's bad hair day draws ghostly comparisons at White House Christmas event

world. US President Joe Biden created quite a stir when he removed his stocking cap, revealing unexpectedly long, wispy hair that stood on end due to static electricity at Thursday night's White House national Christmas tree lighting ceremony.He interacted with journalists who remained on the cold South Lawn after his speech, asking them teasingly, "You're still here?"The striking images of the 82-year-old president quickly spread across social media, drawing parallels to characters from "A Christmas Carol.""Dude literally looks like [Jacob] Marley's Ghost at this point," commented one X user, drawing a connection to Scrooge's deceased business partner from the Dickens tale."He is about to loose his hair through wind!" one wrote. "I'm assuming he went with the late wake up call." another said.Biden is looking more and more like the ghost of Christmas future!," one user said.

Following his speech about the 30-foot red spruce tree at the Ellipse, the president visited the press area. He had spoken about the tree representing the season's essence."The theme is 'A Season of Peace and Light' — of peace and light — the peace we feel as we pause and reflect on our blessing and the light — the light we see as we gather with loved ones that cherish our time together," Biden said, referencing the holiday theme announced by first lady Jill Biden.

The second Catholic president continued, "During this season of reflection and renewal, many of us will sing 'O Holy Night.' A phrase in the song is, 'His law is love; His gospel is peace.'"

"May wish for you and for the nation, now and always, is we continue to seek the light of liberty and love, kindness and compassion, dignity and decency," he added."Merry Christmas, America. Merry Christmas to all of you. And may God bless you all. And may God protect — may God protect our troops."

The evening brought unusually cold conditions to the typically mild capital, ushering in the holiday season with a distinct winter chill.

Princess Kate Middleton hosts 'Together at Christmas' service, her first major public event after cancer diagnosis

world. Princess Kate returned to public life on Friday, hosting her annual Christmas carol service at Westminster Abbey after a year largely spent away due to a cancer diagnosis, as reported by ABC news.

The Princess of Wales was accompanied by her husband, Prince William, and their children, Princes George and Louis, and Princess Charlotte. Kate wore a red coat with a black bow and black boots.

The hour-long service, attended by over 1,000 guests and other royals, centered on the themes of love and empathy. Attendees included survivors of a July knife attack at a UK dance school event that left three children dead and nine injured.

Kate sat with her family during the service and was seen guiding young Prince Louis during a candlelight exchange. The service, titled "Royal Carols: Together at Christmas," is set to air on Christmas Eve in the UK.This year's service "shine[s] a light on individuals from all over the UK who have shown love, kindness, and empathy towards others in their communities," according to Kensington Palace.

Kate's return is a significant milestone after announcing her cancer diagnosis in March. She had abdominal surgery in January, and cancer was found during follow-up tests. The type of cancer and treatment details have not been shared publicly.

In September, Kate shared a video message saying she completed chemotherapy and was focusing on staying "cancer free" and returning to her royal duties. Since then, she has gradually increased her public appearances, including visiting the site of the July knife attack and welcoming Qatar's leader to the UK.In 2021, Kate played the piano at the carol service, performing "For Those Who Can't Be Here" with Tom Walker. The annual service has become a royal Christmas tradition since Kate launched it in 2021.

Donald Trump vanquished him, Biden, Harris': Conservatives slam Obama in first post-elections speech

world. After the Democrats lost the 2024 election, former US President Barack Obama addressed the Obama Foundation's Democracy Forum on Thursday for the first time since the election, discussing political polarization and the importance of pluralism. His comments drew criticism from conservatives on social media.

During his speech, Obama argued that a line is crossed when one side tries to maintain power by suppressing votes, politicizing the military, or using the judicial and criminal justice systems against opponents.

"Pluralism is not about holding hands and singing 'Kumbaya.' It is not about abandoning your convictions and folding when things get tough," Obama said. "It is about recognizing that, in a democracy, power comes from forging alliances and building coalitions and making room in those coalitions not only for the woke, but the waking. Purity tests are not a recipe for long-term success," he added.Conservative and Republican users responded to Obama's remarks on social media platform X.Journalist Miranda Devine wrote, "It's over for Obama. The spell is broken. Donald Trump vanquished him, Biden, Harris, the Bushes, the Cheneys. All of them, with a spring in his step."Other criticisms came from Matt Whitlock, who said, "Obama turned our politics into 'if you disagree with me, you are a bad person.' Few people did more to pave the way for Trump. So he can take a seat.

Notre Dame Reopens Five Years After Shocking Blaze

Notre Dame's renaissance so soon after a 2019 blaze that destroyed its roof and spire comes at a difficult time for the country.

Paris. Notre Dame will formally reopen Saturday five years after the Paris cathedral was devastated by fire, with US president-elect Donald Trump among world leaders there to celebrate its remarkably rapid restoration.Held up as an example of French creativity and resilience by President Emmanuel Macron, Notre Dame's renaissance so soon after a 2019 blaze that destroyed its roof and spire comes at a difficult time for the country.The sense of national accomplishment in restoring a beloved symbol of Paris has been undercut by political turmoil that has left France without a proper government and in a budget crisis. Macron is hoping that the first full service inside Notre Dame and the sight of around 40 world leaders in Paris might provide a fleeting sense of pride and unity -- as the Paris Olympics did in July and August.The re-opening "is the proof that we know how to do grand things, we know how to do the impossible and the whole world has admired us for it on two occasions this year," Macron said during a televised address on Thursday, referring to the widely praised Olympics. During a visit with TV cameras last week however, he somewhat undermined the suspense behind the reopening, revealing the cathedral's freshly scrubbed limestone walls, new furniture and vaulted wooden roof cut from ancient oak trees selected from the finest forests of France.The reconstruction effort has cost around 700 million euros ($750 million), financed from donations, with the re-opening achieved within five years despite predictions it could take decades.

Workers had to overcome problems with lead pollution, the Covid-19 epidemic, and the general overseeing the project falling to his death while hiking in the Pyrenees last year.

Trump Show?

While the reborn 12th-century architectural masterpiece will be the main focus of public attention on Saturday, TV cameras are also likely to linger on Trump who will be making his first overseas trip since winning re-election to the White House last month.He accepted an invitation from

Macron to attend earlier this week, saying the French leader had done "a wonderful job ensuring that Notre Dame has been restored to its full level of glory, and even more so."US President Joe Biden will be represented by his wife Jill, while Britain's Prince William and Ukrainian President Volodymyr Zelensky will also be present.

Zelensky is expected to seek his first face-to-face meeting with Trump who has vowed to force a peace agreement to end the war in Ukraine, possibly by withholding US weapon supplies.One surprising absentee will be Pope Francis, the head of the Catholic Church, who has decided against breaking off from a weekend trip to the French island of Corsica. A message from Francis addressed to the French people will be read out to the congregation of VIPs, church figures and selected members of the public when the service begins on Saturday evening.

'Universal Sadness'

Parisians watched in horror in 2019 as flames ravaged Notre Dame, a landmark famed as the setting for Victor Hugo's novel "The Hunchback of Notre Dame" and one of the world's most visited monuments. The apocalyptic images were even seen by some as a sign of the demise of Western civilisation, with the 850-year-old wonder saved from complete collapse only by the heroic intervention of firefighters.The exact cause of the blaze has never been identified despite a forensic investigation by prosecutors, who believe an accident such as an electrical fault was the most likely reason."We felt a sense of universal sadness when Notre Dame burned," said fashion designer Jean-Charles de Castelbajac, who has dreamed up colourful new priestly vestments that will be worn by senior clergy on Saturday.

Comets Brought Water To Earth Billions Of Years Ago, New Study Claims

world. Comets may have been responsible for the presence of water on Earth, scientists have claimed, according to a new research published this week in Science Advances. The researchers focused on Comet 67P/Churyumov-Gerasimenko and discovered that the molecular structure of water found on the celestial body closely resembled that of Earth's oceans. While water existed in the gas and dust form when Earth formed around 4.6 billion years ago, questions regarding how it ultimately became rich in liquid water have puzzled scientists.

Researchers are of the view that a substantial portion of our oceans came from the ice and minerals on asteroids and possibly comets that crashed into Earth. To further their theory, the researchers led by Kathleen Mandt, a planetary scientist at NASA's Goddard Space Flight Center, decided to use an advanced statistical computation technique to find the molecular structure of water on 67P which belongs to the Jupiter

family of comets, using data captured by European Space Agency's (ESA) Rosetta mission to the asteroid.Earth's specific signature

The water on Earth has a unique molecular signature which has to do with specific rations of the hydrogen variant, or isotope, called deuterium. For the last few decades, deuterium levels in water found in the vapour trails of several Jupiter-family comets displayed similar levels to that of Earth's water."So I was just curious if we could find evidence for that happening at 67P. And this is just one of those very rare cases where you propose a hypothesis and actually find it happening," said Ms Mandt.

As it turned out, Ms Mandt's team found a clear connection between deuterium measurements in the comet and the amount of dust around the Rosetta spacecraft.As a comet moves in its orbit closer to the Sun, its surface warms up, causing gas to release from the surface, including dust with bits of water ice on it. Water with deuterium sticks to dust grains more readily than regular water does," the study highlighted."When the ice on these dust grains is released into the coma, this effect could make the comet appear to have more deuterium than it has," it added.

The research has big implications not only for understanding comets' role in delivering Earth's water but also for understanding comet observations that provide insight into the formation of the early solar system.

Leave At The Earliest": India's Midnight Advisory Over Grave Situation In Syria

world. Concerned about the deteriorating situation in Syria, the Government of India put out a late-night advisory to all Indian nationals to completely "avoid all travel to Syria until further notice".

In the statement, which shared an emergency helpline number and an email ID, the Ministry of External Affairs appealed to all Indians currently in Syria to "remain in touch with the Indian Embassy in Damascus".New Delhi's urgent notification also stated that "Those who can, are advised to leave (Syria) by the earliest available commercial flights." For those who cannot, the advisory asked them to "observe utmost precaution about their safety and restrict their movements to the minimum."

The emergency helpline number shared is for the Indian Embassy in Damascus. It is +963 993385973. This number can also be used on WhatsApp the statement read, adding an emergency email ID as well - which is hoc.damascus@mea.gov.in. Updates shall be shared once the staff is contacted, the advisory stated.WHAT IS HAPPENING IN SYRIA - AND HOW BAD IS THE SITUATIONSyria is in the midst of a political turmoil, with the Russia and Iran-backed Bashar Al-Assad regime finding itself surrounded by rebel groups and militias which are backed by Turkey. Rebel forces have, over the last week, pressed a lightning offensive across Syria aiming to overthrow President Bashar al-Assad.The Islamist-led rebels were at the gates of Syria's Homs, a war monitor told news agency AFP. Several other Syrian cities have fallen out of government control - some without even a bullet having to be fired.The offensive by the Islamist rebels have been so swift, that Syria's second city Aleppo and strategically located Hama have already fallen from President Bashar al-Assad's control. This has happened for the first time since the civil war began in 2011.Bashar al-Assad's clan has ruled Syria for the past five decades, but for the first time ever, it has looked truly vulnerable to a total collapse. Should the rebels capture Homs, it would cut the seat of power in the capital Damascus from the Mediterranean coast, a key bastion of Bashar Assad.

According to the Syrian Observatory for Human Rights monitor, by Friday morning (local time), the Islamist rebels were less than five kilometres from the edge of Homs.WHO IS BEHIND THIS - AND WHAT IS HIS PAST

Abu Mohammed al-Jolani, the leader of the Hayat Tahrir al-Sham or HTS rebel alliance, has categorically said that the goal of this offensive is to overthrow Bashar al-Assad and end his rule in Syria.

"When we talk about objectives, the goal of the revolution remains the overthrow of this regime.

Russia's Words Mean Nothing, But...': Zelenskyy Condemns Attacks On St. Nicholas Day

Russia-Ukraine War. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy again condemned Russia's relentless attacks, emphasising the devastating toll of its strikes on Ukrainian cities. He also highlighted the events that unfolded on St. Nicholas Day, underscoring the need for "strength" in the face of Russian terror. Sharing a post on X on Friday, Zelenskyy wrote, "Russia's words mean nothing, but their bombs and missiles speak volumes.""On the evening of St. Nicholas Day, aerial bombs in Zaporizhzhia hit a service station directly, cars with people inside. As of now, four people are known to be wounded and are receiving medical assistance. Tragically, the list of fatalities includes nine names. In Kryvyi Rih, a missile strike targeted an ordinary city building, injuring 17 people and killing two. And these are

just two Russian attacks on two Ukrainian cities in a single day," the post further reads. The Ukrainian President further criticised Russian President Vladimir Putin and said that he doesn't seek "real peace.""Thousands of such strikes Russia has carried out during this war make it absolutely clear: Putin does not seek real peace--he seeks the ability to treat any country this way, with bombs, missiles, and all other forms of violence. Only through strength can we resist this. And only through strength can real peace be established. I thank everyone who is supporting Ukraine's efforts. May the memory of all the victims of Russian terror be eternal, Zelenskyy said on X.A day before, the Ukrainian President also thanked its partners for providing the country with the Peklo drone missile. In a post on X, Zelenskyy wrote, "The "Peklo" (Hell) drone-missile -- our Ukrainian weapon with proven combat effectiveness. Today, the first batch was delivered to our Defense Forces. The mission now is to scale up production and deployment." "I am grateful to everyone involved in our defence production, whose contribution helps Ukraine fight," the post added.

Muhammad Now The Most Popular Name For A Baby In Great Britain, Data Shows

The Department of Statistics in the United Kingdom has revealed in its latest dataset that Muhammad is officially the most popular name for a newborn boy in England and Wales.

London.427 years after William Shakespeare wrote it for the first time in the great "tragedy" Romeo & Juliet, England is asking the quintessential question - "What's in a name?" - And this time wondering what significance that question might hold in another 42.7 years.

The Department of Statistics in the United Kingdom has revealed in its latest dataset that Muhammad is officially the most popular name for a newborn boy in England and Wales. More than 4,600 babies were registered with that name in 2023 - the highest for a boy. Muhammad was the second-most popular name in 2022 as well.Noah, once the most popular name in UK, came a distant second this year, according to the Office for National Statistics or ONS.But the staff at Great Britain's statistical office has in-fact been observing the trend for a while now. Jotting down the most popular names in the UK, besides other important statistics, it revealed that Muhammad has been among the top 10 names for baby boys since 2016.Adding to the cheer, the Department of Statistics said that other spellings of the name Muhammad - namely Mohammed and Mohammad - also made the top 100 list for England and Wales. This, the ONS explained, is because it considers each spelling as a separate name.Victoria, Harry, William, and Charlotte are no longer popular names for children in the UK, the data showed, adding that Elizabeth and

Charles are also not a favourite among young parents.The nine other top names for newborn boys in Britain are - Noah, Oliver, George, Leo, Arthur, Luca, Theodore, Oscar, and Henry.For newborn girls, the ten most popular names in Britain in 2023 were - Olivia, Amelia, Isla, Lily, Freya, Ava, Ivy, Florence, Willow, and Isabella. The top three names for girls have remained unchanged for a third consecutive year.

The statistical office also said that new entries to the list of top 100 baby names include Hazel, Lilah, Autumn, Nevaeh and Raya for girls, and Jax, Enzo, and Bodhi for boys.It further noted that the time of year also played an important part in parents choosing a name. In the month of December, Holly, Robyn and Joseph were more popular, whereas names like Summer and Autumn were popular in their respective seasons.Data revealed that pop culture also played a big part in how baby names were chosen. The most popular celebrity names for babies include music artists Billie Eilish and Lana Del Rey, baby names from the Kardashian-Jenner family such as Reign and Saint, and movie stars such as Margot Robbie and Cillian Murphy.

The statistical office said that the top names for boys had much higher counts than those for girls. This is because, there are many more unique names for baby girls as compared to baby boys. The pool of unique names for girls are over 35,000 in count, while for boys the pool, including variations of the same name, stands at 29,560.

NEWS BOX

"Maybe He Didn't Have Talent In...": Rahul Dravid's Old Assessment Of Vinod Kambli Resurfaces

NEW DELHI. After a video of Vinod Kambli's recent public appearance came to the fore, an old clip of Rahul Dravid sharing his views on the definition of 'talent', while mentioning Vinod Kambli's name, has resurfaced on social media. Kambli, a childhood friend of the legendary Sachin Tendulkar, was one of the most-talked about cricketers when he arrived at the scene, but he failed to maintain the stature. Despite playing 104 ODIs and 17 Tests for India after making his debut in 1991, Kambli's international career could not last even a decade.

In the viral resurfaced clip, Dravid, who played 509 matches for India besides also coaching the senior team later, gave the example of how Vinod Kambli had an incredible 'ball-striking ability' but probably "didn't have the talent in the other areas to understand what it took to be an international cricketer.""I think we judge talent wrong. What do we see as talent? And I've made the same mistake. We judge talent by people's ability to strike a cricket ball. The sweetness or the timing of a cricket ball.

That's the only thing we see as talent. Things like determination, courage, discipline, and temperament are also talents. When we judging talent, I think we've got to look at the whole package," he said in the video.

"It's a hard thing to explain but some people just have the gift of timing and ball-striking. Sourav Ganguly just had that ability to time a cover drive. He just had it. You could see. Sachin has it. And Viru. You wouldn't say that about someone like Gautam (Gambhir) as much as you would do for some of these other guys. Not that Gautam is less successful. So that's what we see as talent. We don't actually look at the other side of talent. We say, a talented player didn't make it. We always look at this side but maybe he didn't have the other talents," Dravid added."I hate to use... but Vinod's probably been one of the nicest guys that I've met. Vinod had an incredible ball-striking ability. I remember a game in Rajkot, Vinod got 150 against (Javagal) Srinath and Anil (Kumble). It was incredible. First ball Anil came onto bowl, he hit him straight into the stone wall. In Rajkot, there used to be a stone wall. He hit it bang straight onto it. I mean, we were all shocked, wow it was amazing.

Paris Saint-Germain Held Again In Draw With Auxerre

NEW DELHI. Paris Saint-Germain were denied by a combination of good goalkeeping and poor finishing as the Ligue 1 leaders were held to a 0-0 draw at Auxerre on Friday ahead of a crucial match in their Champions League campaign. It was a second successive domestic draw for PSG off the back of a damaging 1-0 defeat away to Bayern Munich in European competition at the end of last month. Luis Enrique's team remain unbeaten in Ligue 1 and are now eight points clear of their nearest challengers, although Monaco and Marseille will each have the opportunity to cut that gap to five points over the course of the weekend.Of more pressing concern to the

Qatar-backed club are their continuing difficulties in front of goal, with PSG now having scored just once in three outings.

"I have nothing to reproach my players for. They gave everything. I am not going to criticise them, even internally," said Luis Enrique.The return of a genuine number nine in Portugal striker Goncalo Ramos after over three months out injured has so far failed to fix their lack of a goal threat, however.

Held 1-1 at home by struggling Nantes last week, this time PSG saw Vitinha hit the woodwork in the second half, while Auxerre goalkeeper Donovan Leon made several key saves to keep the visitors at bay in Burgundy.

Leon notably saved from Ramos and Achraf Hakimi before preventing substitute Randal Kolo Muani from snatching victory at the death."The result does not reflect what we saw on the pitch," Luis Enrique added. "Don't forget that we were up against the second-best team at home."Auxerre are enjoying a fine season on their return to the top flight following promotion, and sit just outside the European places."It is just one point but it feels more like three," admitted Auxerre coach Christophe Pelissier.PSG will need to rediscover a clinical edge in time for Tuesday's trip to Austria to play Salzburg in the Champions League.The French champions have just four points after five games in Europe's elite club competition and realistically need at least two wins from their remaining three fixtures if they are to reach the knockout phase.

Liverpool Face Merseyside Derby Cauldron, Chelsea Defy Expectations

Premier League leaders Liverpool will expect more magic from Mohamed Salah when they meet Everton in an emotional Merseyside derby at Goodison Park

NEW DELHI. Premier League leaders Liverpool will expect more magic from Mohamed Salah when they meet Everton in an emotional Merseyside derby at Goodison Park. Chelsea face Tottenham having emerged as unexpected title contenders, while West Ham boss Julen Lopetegui and Wolves manager Gary O'Neil battle to avoid the sack. AFP Sport looks at the key talking points ahead of this weekend's action:

Mohamed Salah's blistering form could be the ideal antidote to Everton's frenzied fans when Liverpool face their rivals for the last Merseyside derby at Goodison Park in the Premier League.Everton host the Reds for the final time at their home of 132 years in a top-flight match on Saturday, with the Toffees due to move to a new stadium at Bramley Moore Dock in time for next season.Goodison is always hostile territory for Liverpool but the significance of their latest domestic squabble means the Everton faithful will be ramped up even more than usual."I'd like to think it'll bring our fans to the fore," Everton manager Sean Dyche said.Liverpool will be confident of silencing the raucous atmosphere if Egypt star Salah maintain his hot streakOn Wednesday, Salah, who has netted nine times in his last seven league matches, scored twice in a 3-3 draw at Newcastle, surpassing Wayne Rooney's record by scoring and assisting in the same Premier League game for the 37th time.Salah is out of contract at the end of the season and said last week he was "disappointed" by the club's failure to offer him a new deal.But, with 15 goals in all competitions this term, Salah's value is clear to Liverpool boss Arne Slot.

"Every time we need Mo Salah he scores a goal. We are hoping and expecting he can continue this for a long time," he said.

Chelsea exceeding expectationsWhen Enzo Maresca arrived at Stamford Bridge in June, the new Chelsea boss was widely seen to have inherited an impossible job.

Tasked with marshalling a bloated squad filled with talented but underachieving youngsters, while coping with demanding

Chelsea co-owners Todd Boehly and Behdad Eghbali, the Italian had taken a major risk by leaving promoted Leicester to replace Mauricio Pochettino.But fast forward just six months and the sound of Maresca being serenaded by Chelsea fans during Wednesday's 5-1 win at Southampton underscored the 44-year-old's impact in a short space of time.Chants of 'We've got our Chelsea back' echoed around St Mary's and ahead of Sunday's London derby at Tottenham, the Blues sit in second place, seven points behind Liverpool, after extending their unbeaten league run to six games.It might be too soon for inexperienced Chelsea to win the title, but a top four finish would be tangible reward for their improvement under Maresca."It was a very good feeling, especially because you can see that they are happy, that is our target," Maresca said of Chelsea's fans.

Lopetegui and O'Neil in sack race

West Ham boss Julen Lopetegui and Wolves manager Gary O'Neil will face their former clubs on Monday in a relegation showdown that could end with one of them being sacked.In the aftermath of Tuesday's 3-1 loss at Leicester, Lopetegui was reported to have survived a board meeting about his position.

But the Spaniard, who replaced David Moyes in the close-season, is not safe yet, with suggestions he could still be dismissed if the Hammers lose at home to fellow strugglers Wolves, who he managed in the 2022-23 season.Despite a 130 million pounds ($165 million) investment in new players, West Ham are 14th, having won just four of their 14 league matches.Wolves have fared even worse, with Wednesday's 4-0 thrashing at Everton leaving them three points adrift of safety in 19th place.O'Neil, who played for West Ham from 2011 to 2013, heard Wolves fans call for his sacking during their ninth league loss this term.

Inter Milan Beat Parma To Close In On Serie A Leaders Napoli

NEW DELHI. Inter Milan moved a point behind Serie A leaders Napoli on Friday after seeing off Parma 3-1 at the San Siro ahead of a key Champions League clash at Bayer Leverkusen. Brilliantly taken goals either side of half-time from Italian internationals Federico Dimarco and Nicolo Barella and Marcus Thuram's neat volley in the 67th minute were enough for the reigning champions to close in on Napoli. Simone Inzaghi's Inter are also level on 31 points with second-placed Atalanta, who could claim the provisional league lead with a win over AC Milan later on Friday.

Napoli host Lazio on Sunday night after being dumped out of the Italian Cup by their capital city opponents on Thursday."We scored some great goals today... The only disappointing thing is that we conceded. We didn't deserve to given how we played over the 94 minutes," said Inzaghi to DAZN.Inter are unbeaten in 14

matches in all competitions and travel to Leverkusen on Tuesday knowing that a win would almost certainly ensure direct qualification to the last 16 with two matches remaining.

Parma, who netted through a late Matteo Darmian own goal, sit 12th in Serie A, but Inzaghi still picked his best available XI even with a big European fixture around the corner, selecting captain and star striker Lautaro Martinez for his 300th Inter appearance.Martinez has struggled for form this season and as well as having a first half strike rightly ruled out for offside the Argentina forward also wasted three good opportunities to score.The 27-year-old had his head in his hands when he poked wide a great chance one-on-one with Parma goalkeeper Zion Suzuki, six minutes after Thuram lashed home his 10th league goal of the season.France attacker Thuram was born in Parma where his father Lilian played for five seasons, winning the UEFA Cup and Italian Cup in 1999 as part of a star-studded outfit which also featured Italian icons Gianluigi Buffon and Fabio Cannavaro.

Tussles, trials, and triumph

CHENNAI. The lights dim, the crowd falls silent, and then, the roar of excitement soars as the bell rings — the ultimate showdown is about to begin. In one corner, she stands a fighter, fierce and determined, whose journey has been anything but ordinary. Afshan Fathima, India's rising Mixed Martial Arts (MMA) star, stands ready, her every muscle honed through years of struggle, sweat, and sacrifice. National champion Afshan made history recently by securing a silver medal for India at the 2024 World MMA Championships.

But the true fight isn't just happening in the ring — it's been years in the making. Afshan Fathima's journey to the MMA spotlight has been one of resilience and overcoming societal expectations.

Humble beginnings

Raised in a modest Muslim family in Anna Nagar, where women were expected to follow

traditional roles, Afshan's love for physical activity and combat sports was viewed with skepticism. It wasn't just the world of MMA that was foreign to her family; the very idea of a woman stepping into a fighting ring was a challenge to deep-rooted cultural norms. Afshan says, "I began my MMA journey at 19, initially joining as a student. I was eager to get into sports, and fighting seemed like the perfect fit.At the time, I didn't overthink it; it was simply something I had always been drawn to, even as a child. So, I decided to learn the sport. I trained at Combat Kinetics in Chennai under my coach, and soon after, I realised I wanted to compete.s I progressed, my coach helped me understand the deeper layers of the sport. He introduced me to the concept of fight team training, which involved national and international athletes — something entirely different from what I initially envisioned. That was when I fully grasped the true scope of MMA and realised how much more there was to learn and experience."Like many athletes who come from less privileged backgrounds, Afshan's initial steps into MMA were not met with open arms.

Jude Bellingham Back To Best As Real Madrid Face Girona

While doubts grow around Kylian Mbappe's start at Real Madrid, last season's hero Jude Bellingham has burst into the kind of form which made Los Blancos the champions of Spain and Europe

NEW DELHI. While doubts grow around Kylian Mbappe's start at Real Madrid, last season's hero Jude Bellingham has burst into the kind of form which made Los Blancos the champions of Spain and Europe. Madrid visit Girona on Saturday in La Liga, who were the team which ran them closest for the title until a late drop-off in form saw them fall to third. Carlo Ancelotti's side have a game in hand on leaders Barcelona, whom they trail by four points after a midweek defeat at Athletic Bilbao, in which Mbappe missed his second penalty in just over a week.By contrast Bellingham netted for the fourth league game running and is shouldering plenty of responsibility

with Brazilian winger Vinicius Junior out injured.Last season Bellingham scored 10 goals in his first 10 games for the club, but in the current campaign he went 12 matches goalless across all competitions before breaking his duck."I arrived last summer and the club lost arguably one of the greatest goal scorers of the generation in Karim Benzema," said Bellingham last week."This year we've signed (Mbappe), one of the best players of this generation, he's someone who has scored an amazing amount of goals so as a team we expect him to do that."For me, I know then my role differs, which I'm happy to do... (but) I also want to take that responsibility -- now I've got the smell for it again in these last couple of games."Bellingham finished well against Athletic on Wednesday to pull his team back on level terms, before a Fede Valverde mistake allowed the Basque side to snatch a 2-1 victory, snapping a three-game winning run in La Liga for Real Madrid.The England international helped Los Blancos win 3-0 at Girona's Montilivi stadium last season with a stunning assist and a goal, a show of force which warned the Catalan minnows they were still rungs below the elite.Bellingham then netted twice against Girona in a 4-0 rout at home in February which helped Madrid take control of the title race.Madrid have lost five games this season across all competitions after losing just twice in the entirety of last season."We've improved on certain things in recent games but we're not as solid as we were last year," admitted Ancelotti on Wednesday."We'll start getting players back now and we'll improve, that's for sure."Girona lost various players in the summer and have also been stricken by injuries this season, currently sitting eighth.Leaders Barcelona visit Real Betis earlier on Saturday, aiming to move seven points clear of Madrid before kick-off at Montilivi.

Maiden national gold for Jaideep after twin heartbreaks at Olympic qualifiers

CHENNAI. Jaideep suffered twin heartbreaks early this year as he lost narrowly in the Asian and World Olympic qualifiers thus failing to book a ticket for the Paris Games. A petty officer with the Indian Navy, it was his dream to represent and win a medal for the country in the Olympics like any other athletes.

Having won a bronze medal at the U20 World Championship and a silver medal at the U20 Asian Championship in 2023, Jaideep was expected to book an Olympic quota for the country in the 74kg but it was not to be.

Luckily the setbacks didn't bother the Haryana wrestler for a long period as he won silver at the U23 Asian Championship in June and followed it up with a gold medal at the World Military Championship last month. On Friday, he added yet another medal to his tally as he clinched his maiden gold on the opening day of the Senior National Championship in Bengaluru.Haryana won the first position in the men's freestyle category with 190 points followed by Services Sports Control Board (SSCB 179) and Delhi (143). "Jaideep could be termed unlucky as he lost narrowly in the Olympic Qualifiers but he is still young and can do it for the 2028 Games," head coach of the SSCB Kuldeep Singh told this daily.The head coach believed the SSCB could have clinched the championship but its proximity with the World Military Championship had impacted wrestlers' show in the ongoing nationals. "The event in Armenia held a few days back. Our wrestlers competed there and won medals as well. They had to reduce weight there and immediately have to repeat the process here in Bengaluru which affected their performances. We will try to do better in the men's Greco-Roman championship

starting tomorrow (Saturday)," added the coach.Notably, the SSCB decided to compete in the event despite other board, the Railway Sports Promotion Board (RSPB), skipping the meet saying organiser Wrestling Federation of India has been suspended by the sports ministry.Apart from Jaideep, Pankaj won a gold medal for the SSCB in 61kg and Dinesh topped in the 125kg. Similarly, Mohit Kumar (65kg) and Sharvan (70kg) won a silver medal each for the SSCB in their respective weight categories. Rahul of Delhi won 57kg gold with the Paris Olympic bronze medallist Aman Sehrawat, an employee of the Indian Railways, skipping the tournament.In 65kg, Sidhharth of Haryana won gold while in 86kg Mukul Dahiya of Delhi clinched the top spot beating favourite Sandeep Singh, who despite being from RSPB decided to contest for Punjab in the championship.

On Saturday, bouts across all 10 weight categories of Greco Roman style and two weight categories of women's wrestling (50kg & 72kg) will be conducted. Sunday, the final day, will witness bouts in remaining weight categories of women's wrestling.

Shraddha Kapoor

Just Made This Fan's Day At The Airport

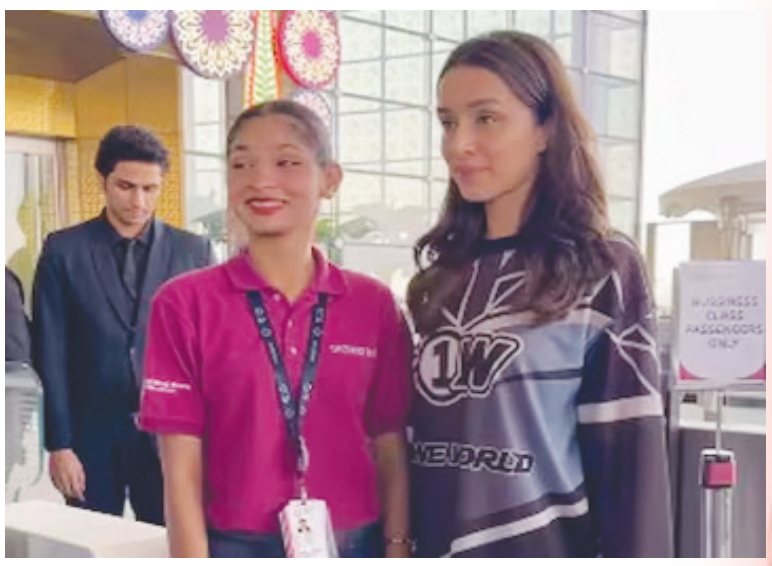

Shraddha Kapoor garnered much love for her appearance in the film Stree 2, a sequel to the 2018 hit horror-comedy Stree. The actress, who enjoys a huge fanbase on her social media handles, recently depicted her humble nature. She was recently spotted at the Mumbai airport in her best outfit. However, her reaction towards one of her fans is being praised.In a viral video, Shraddha is seen patiently waiting as a fan approaches her for a photo. Rather than dismissing the fan, she kindly invites them for a picture, showcasing her down-to-earth nature and winning hearts with her friendly gesture.

Then, she waved to the fans and shutterbugs present there and entered the airport premises. This won the hearts of many social media users, who flooded the comment section with hearts and other emojis appreciating her. One social media user wrote, “She’s a real gem", while another mentioned, “Awesome."For the day, the actress opted for a casual outfit featuring an oversized sweatshirt from the shelves of ace designer Dhruv Kapoor. The full-sleeved number featured bold graphic prints and a round neck. The actress paired it with loose-fitted brown trousers, setting the trend for comfy airport fashion. She kept her entire look minimal and picked a pair of black shoes to complement her OOTD. Middle-parted loose tresses with subtle makeup rounded off Shraddha’s airport look. Additionally, she carried a Bottega Veneta Mini Wallace bag, which came with a price tag that can easily dig a hole in many pockets. The mini black-hued leather bag is priced at USD 2,600, which in INR is Rs. 2,20,175.

The Aashiqui 2 actress is all set to spend some time in Abu Dhabi. Ahead of getting papped at the airport, she dropped a few insights into her packing. On one of her recent Instagram stories, Shraddha also gave a sneak peek into her “all packed" suitcase alongside a “without ticket" partner on the trip. You don’t have to guess. It was her furry friend who joined the frame while she was clicking the picture of her luggage. Atop the snap, she wrote, “Packed and ready lekin iska ticket kaha hai (but where is his ticket)?" followed by a pleading face and aeroplane emoji.

In yet another Instagram story, an extremely elated Shraddha was seen diving into a scrumptious Thepla, a popular Indian flatbread. Alongside the photo, she penned, “Ghar ka tiffin mere saath Abu Dhabi jayega (Homemade tiffin will go with me to Abu Dhabi) #TheplaForTheWin @visitabudhabi #InAbuDhabi."

Newlywed Naga Chaitanya Says He Wants To Have 'A Couple Of Kids': 'I'd Love To Take Them...'

Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala got married on December 4 at Annapurna Studios in Hyderabad. Meanwhile, the actor is set to appear on The Rana Daggubati Show on Amazon Prime Video, hosted by his cousin Rana Daggubati. During the episode, Chaitanya will talk about his future plans, including his desire to have children, and his experiences working with Aamir Khan and Sai Pallavi.Reflecting on his personal life, Chaitanya shared that by the time he’s 50, he hopes to be happily married with kids. He said, “When I’m 50 years old, I want to be happily married with a couple of kids, maybe one or two. I’d love to take them racing and go-karting. And relive the special moments of my childhood."

On Friday, the newlyweds made their first public appearance post their wedding, and were seen visiting the Mallikarjuna Temple in Srisailam, Andhra Pradesh. Nagarjuna also accompanied the couple as they sought blessings at the temple.Videos and pictures shared by paparazzo Kamlesh Nand show Naga Chaitanya in a mundu with white shirt. Meanwhile, new bride Sobhita Dhulipala exuded glow in a beautiful yellow silk saree paired with an orange blouse. Nagarjuna was seen in a peach kurta with black pajama. The video shows the newly married couple walking to the temple barefoot. On seeing the paparazzi, Sobhita and Naga Chaitanya smiled at them.

Naga Chaitanya was previously married to actress Samantha Ruth Prabhu. The couple tied the knot in October 2017 after a long relationship. However, they announced their separation in October 2021 due to personal differences and finalised their divorce in 2022.

Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala got engaged in August. They getting married in Annapurna Studios, owned by actor and Naga Chaitanya’s father Nagarjuna Akkineni. Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala’s wedding was attended by celebrities such as Chiranjeevi, Ram Charan, Mahesh Babu, Allu Arjun and his family, PV Sindhu, Anurag Kashyap, SS Rajamouli, Karthi, and many others.

Govinda's Daughter Tina Says She's Moved On From Films, Now Works With Her Dad: 'I Don’t Need To Run The House'

Tina Ahuja, Govinda’s daughter, recently shared her thoughts on her acting career, which didn’t unfold as she had hoped. Tina made her Bollywood debut in 2015 with Second Hand Husband, co-starring Gippy Grewal and Dharmendra, but hasn’t featured in films since then, focusing instead on music videos. She revealed that she now assists her father in his professional pursuits, even as Govinda faces his own career challenges.In

an interview with Bollywood Bubble, Tina addressed being labeled as an example of “the reverse side of nepotism." She said, “To be honest, I moved on very quickly. Because after a point, it became very irritating to me when people said, ‘But you have an institute at home, why are you struggling outside’. It became so annoying after a point, why should I answer the same question again and again?"

Tina Ahuja shared that she now enjoys working on projects with her father, Govinda. She explained that she shifted her focus to doing things she genuinely likes. She added, “I decided that I might as well start working with my dad and start doing things that I enjoy. If things have to happen, they’ll happen. I don’t need to run the house, by the grace of God. I actually started enjoying working with my father, and I didn’t even realise that I’d left a lot of things behind. I was like, ‘Chuck it, I don’t want to do this. I would like to do things that I want to be a part of’."Tina Ahuja shared that working with her father, Govinda, brought them closer. She said she let go of unnecessary pressure and embraced a more comfortable lifestyle. Tina said, “I was getting better luxuries and treatment doing plan B. Why would I be a main lead and travel by economy when I can work with dad and get a first-class ticket," she said.

Payal Rohatgi

Seeks Fans' Support To Fund Her Father's Cancer Treatment

Payal Rohatgi recently opened up about a personal and emotional battle her family is going through right now. The actress shared a heartfelt post on social media, revealing that her father is battling prostate cancer and appealed for financial assistance. Payal shared the pain of watching her father fighting the disease and how it has shaken her family. She urged her fans and followers to donate generously to support her father’s treatment.Taking to Instagram, she shared a video featuring bill papers and the front page of the chequebook with a detailed note. It read, “I have decided to post this on my social media after a lot of internal alignment of my thoughts." She further explained that medical treatments are quite expensive in the country.

She said despite paying medical insurance premiums, the family has not received reimbursement, making it difficult for them to cover the medical treatments. “I understand that every middle-class family has limited funds. My father who is a senior citizen thought he would get reimbursement from the medical insurance company whose premium he had paid but he hasn’t due to their internal rules. The medical insurance PREMIUM every year is so much for senior citizens but when genuine medical expenses don’t get reimbursed it’s sad. He requested me to put it on my social media and I am doing it as I want to address the criteria based on which medical insurance as an industry works in our country," she added.While explaining crowdfunding, she said this mode needs clarity but everyone uses it. “So here I use it as a medium as my father asked me to. He has a right to get his reimbursement from medical insurance companies. But as rules are not clear so here we talk," she said.

According to the Instagram post, her father is a senior citizen and has been suffering from prostate cancer since 2018, as well as COPD since 2006 and severe osteoporosis since 2008. At last, Payal requested fans to donate and deposit money generously in the given account.Payal appeared as a contestant on the reality show Bigg Boss in 2008. She participated in the ALT Balaji reality show Lock Upp in 2022 and finished as the runner-up. The actress is married to wrestler Sangram Singh.